नई दिल्ली । सोमवार, 15 जून, 2026
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष अमावस्या, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :160/ मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली संस्करण
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल फीफा वर्ल्ड कपः ऑस्ट्रेलिया ने किया बड़ा उलटफेर... @ विचार विश्व फुटबॉल के नक्शे में भारत कहाँ?... @ व्यापार मार्केट आउटलुक : फेड, अमेरिका-ईरान शांति वार्ता...

आग की अफवाह : ट्रेन से कूदे यात्री, कटकर 4 की मौत

एजेंसी ■ मुरैना

मध्य प्रदेश के मुरैना जिले में ट्रेन हादसे में मां-बेटे समेत 4 लोगों की मौत हो गई। मोबाइल ब्लास्ट से आग लगने की अफवाह के बाद उदयपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस से कुछ यात्री घबराकर नीचे उतर गए। इसी दौरान 4 यात्री दूसरी ट्रेन की चपेट में आ गए। मृतकों में 3 महिलाएं और 1 बच्चा शामिल है।

जानकारी के मुताबिक, हादसे में उत्तर प्रदेश के मेरठ निवासी कंचन सिंह (25), पत्नी मोहित सिंह, रुनकता निवासी शकुंतला सिंह (60), पत्नी भूरा सिंह, आगरा निवासी आफरीन (35), पत्नी नदीम और असद (4), पुत्र नदीम खान की मौत हुई है। आफरीन और असद मां-बेटे थे। रेलवे प्रबंधन के अनुसार, हादसा उत्तर मध्य रेलवे के झांसी मंडल के हेतमपुर-धौलपुर रेलखंड पर हुआ। गाड़ी संख्या 19665 खजुराहो-उदयपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस रविवार करीब 4:15 बजे हेतमपुर और धौलपुर स्टेशन के बीच चेन पुलिंग के कारण बीच सेक्शन में रुक गई थी।

चेन पुलिंग और अफवाह से उतरकर भागे यात्री

रेलवे के अनुसार, कोच में अलार्म चेन पुलिंग की गई थी, जिसके कारण ट्रेन बीच सेक्शन में रुक गई। इसी दौरान ट्रेन के एक कोच में मोबाइल ब्लास्ट जैसी अफवाह फैल गई, जिससे यात्रियों में दहशत फैल गई। कई यात्रियों ने जल्दबाजी में ट्रेन से उतरना शुरू कर दिया।

ट्रैक पर उतरे और दूसरी ट्रेन की चपेट में आए

उदयपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस से उतरे कुछ यात्री पास की अप लाइन पर पहुंच गए। इसी दौरान गाड़ी संख्या 20424 फिरोजपुर-सिवनी पातालकोट एक्सप्रेस वहां से तेज रफ्तार में गुजर रही थी। ट्रैक पर मौजूद 4 यात्री उसकी चपेट में आ गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

मोबाइल ब्लास्ट की सूचना के बाद घबराए यात्री

बागेश्वर धाम से लौट रही यात्री पूजा के अनुसार, कोच में मोबाइल ब्लास्ट की अफवाह फैलते ही अफरा-तफरी मच गई। चेन पुलिंग के बाद ट्रेन रुकते ही यात्री घबराकर नीचे उतर गए और ट्रैक की ओर भागने लगे। घटना की सूचना मिलते ही ञक्क, तञक्क और स्थानीय प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं।

सभी शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा

मुरैना एसपी धर्मराज मीणा ने बताया- हमारी टीम सराय छोला और सिविल लाइन क्षेत्र में रेत भंडारण पर कार्रवाई कर रही थी। इसी दौरान एक चरवाहे ग्रामीण से सूचना मिली कि ट्रेन रुकी हुई है और कोई घटना हुई है। सूचना मिलते ही दोनों पुलिस टीमें मौके के लिए रवाना की गईं।

यह घटना धौलपुर और मुरैना सीमा क्षेत्र में हुई है। सभी शवों को कब्जे में ले लिया गया है। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया की जा रही है। मृतकों के परिजन को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। फिलहाल शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा जा रहा है। रतलाम में चलती ट्रेन में चढ़ने की कोशिश में युवक की जान चली गई। ट्रेन के नीचे आने से उसका शरीर दो टुकड़ों में बंट गया। हादसा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 4 पर हुआ। सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है।

'मोदी-मैक्रों मुलाकात : रक्षा, व्यापार और तकनीक पर गहराया भरोसा'

भारत की ग्रोथ टैलेंट, बड़े पैमाने, स्थिरता और सुधारों से आगे बढ़ रही है

एजेंसी ■ नीस/नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'भारत इनोवेट्स 2026' में वैश्विक निवेशकों को देश में आमंत्रित करते हुए कहा कि भारत में इनोवेशन, टेक्नोलॉजी और मैन्युफैक्चरिंग में बड़े अवसर मौजूद हैं।

फ्रांस में आयोजित भारत इनोवेट्स 2026 में पीएम मोदी ने कहा कि वैश्विक निवेश और इनोवेशन के गंतव्य के रूप में देश तेजी से लोकप्रिय हो रहा है और सुधारों, टैलेंट एवं स्थिरता के दम पर मजबूती से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'नीस में 'भारत इनोवेट्स 2026' के दौरान हुई बातचीत बहुत ज्ञानवर्धक और महत्वपूर्ण रही। इनोवेशन, टेक्नोलॉजी, मैन्युफैक्चरिंग और उभरते हुए सेक्टर में भारत में मौजूद बड़े मौकों को लेकर इन्वेस्टर्स और वेंचर कैपिटल लीडर्स के साथ चर्चा की।' उन्होंने कहा कि टैलेंट, बड़े पैमाने, स्थिरता और पॉलिसी में सुधारों की मजबूत नींव के दम पर भारत निवेश और इनोवेशन के लिए दुनिया की सबसे आकर्षक जगहों में से एक बनकर उभरा है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'भारत की ग्रोथ टैलेंट, बड़े पैमाने, स्थिरता और सुधारों से आगे बढ़ रही है, जो इसे निवेश और इनोवेशन के लिए एक आकर्षक जगह बनाते हैं।'

द्विपक्षीय वार्ता में इन मुद्दों पर हुआ मंथन

फ्रांस के नीस शहर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के बीच द्विपक्षीय वार्ता हुई, जिसमें दोनों नेताओं ने कई अहम मुद्दों पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय के अनुसार, बातचीत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्टार्टअप, व्यापार, इंफ्रास्ट्रक्चर, मोबिलिटी और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों पर खास जोर दिया गया। दोनों नेताओं ने भारत-फ्रांस के 'स्पेशल ग्लोबल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' की प्रगति की समीक्षा भी की।

टीएमसी में बड़ी टूट : त्रिपुरा की एनसीपी में होगा बागी गुट का विलय

ओम बिरला से मुलाकात के बाद काकोली घोष का एलान

एजेंसी ■ कोलकाता

तृणमूल कांग्रेस में भारी बगावत हो गई है। पार्टी के भीतर की कलह अब संसद तक पहुंच गई है। टीएमसी के बागी सांसदों ने एक बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने त्रिपुरा की 'नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी' के साथ विलय का एलान कर दिया है। बागी सांसदों ने यह कदम दलबदल विरोधी कानून से बचने के लिए उठाया है। इस फैसले से अपनी सांसदी बचाने की रणनीति तैयार की गई है। इस बड़े राजनीतिक धमाके से दिल्ली से लेकर कोलकाता तक की राजनीति गरमा गई है।

स्पीकर आवास पर हाई-प्रोफाइल बैठक और अलग बैठने की मांग

इस एलान से पहले रविवार को काकोली घोष दस्तीदार, सुदीप बंदोपाध्याय और शताब्दी रॉय सहित टीएमसी के बागी सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की। इन बागी सांसदों ने लोकसभा के भीतर खुद के लिए अलग बैठने की व्यवस्था करने की औपचारिक मांग की है। बागी गुट का दावा है कि उनके साथ टीएमसी के 28 में से 20 से 22 लोकसभा सांसद मौजूद हैं। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष से संसद के भीतर उन्हें असली टीएमसी विधायी दल के रूप में मान्यता देने की अपील की है। स्पीकर से मिलने से पहले इन बागी सांसदों ने भाजपा के पश्चिम बंगाल प्रभारी और केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के दिल्ली आवास पर जाकर लंबी रणनीति बैठक की। इस बैठक में सायोनी घोष और माला रॉय भी शामिल थीं।

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात के बाद बागी टीएमसी सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने कहा कि हमने बैठने की अलग व्यवस्था करने का अनुरोध किया है।

कुएं में पिकअप वैन गिरने से आठ की मौत, सीएम फडणवीस ने जताया दुख

एजेंसी ■ सोलापुर

महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में रविवार को हुए भीषण हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 4 महिलाएं और 4 बच्चे शामिल हैं। यह हादसा म्हास्वड-पंढरपुर रोड पर मालशिरस तालुका के तंदुलवाड़ी गांव के पास हुआ है। बताया जा रहा है कि श्रद्धालु म्हास्वड के सिद्धनाथ मंदिर के दर्शन करके अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान उनकी पिकअप वैन का ब्रेक फेल हो गया और संतुलन बिगड़ने से वाहन सड़क किनारे एक कुएं में गिर गया। स्थानीय पुलिस और प्रशासन घटना स्थान पर मौजूद है और राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोलापुर घटना पर दुख जताया और मृतकों के परिजनों के लिए मुआवजे का ऐलान किया।

सीएम देवेंद्र फडणवीस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'सोलापुर जिले के मालशिरस तालुका के टंडलवाड़ी में हुई घटना बेहद दुखद और दिल दहला देने वाली है, जहां एक निजी खेत में बने कुएं में गाड़ी गिरने से कुछ श्रद्धालुओं की मौत हो गई। मैं उन्हें अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। हम उनके परिवारों के दुख में शामिल हैं। राहत की बात है कि सात लोगों की जान बचा ली गई है, जिनका इलाज चल रहा है।

ओमान तट पर इंजन फेल होने से डूबा 'विराट-1'

14 भारतीय क्रू मेंबर्स को बचाया गया

एजेंसी ■ मस्कट

ओमान तट के पास भारतीय झंडे वाले मैकेनाइज्ड सेलिंग वेसल 'विराट 1' इंजन फेल होने की वजह से बड़े हादसे का शिकार हो गया। ओमान में भारतीय दूतावास ने रविवार को बताया कि जहाज के डूबने के बाद सभी भारतीय क्रू मेंबर्स को निकाल लिया गया है।

ओमान में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि पहले 11 क्रू मेंबर्स को बचाया गया। वहीं, शेष तीन लोगों को कड़ी मशक्कत के बाद सुरक्षित निकाला गया। भारतीय दूतावास ने कहा, 'भारतीय झंडे वाले एमएसवी विराट 1 का रेस्क्यू ऑपरेशन सफलतापूर्वक पूरा हो गया। सभी 14 क्रू मेंबर्स को बचा लिया गया और वे अभी जहाज जबल अली 9 पर सवार होकर मुंबई जा रहे हैं। क्रू मेंबर्स सुरक्षित हैं और उनकी सेहत अच्छी है।'

इससे पहले दूतावास ने जानकारी दी थी कि एमएससी विराट 1 के 14 क्रू मेंबर्स में से 11 लोगों को रेस्क्यू कर एमवी जबल अली 9 पर ले जाया गया। भारतीय दूतावास ने एक्स पर लिखा था, 'समुद्र में एक करीबी तालमेल वाले और चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन में एमएससी विराट 1 के 14 क्रू मेंबर्स में से 11 को बचा लिया गया है और एमवी जबल अली 9 पर ले जाया गया है। बाकी मेंबर्स का रेस्क्यू ऑपरेशन जल्द ही पूरा हो जाएगा।' इससे पहले रविवार को दूतावास ने बताया कि जहाज का इंजन फेल हो गया था और क्रू को आखिरकार सुरक्षित रूप से लाइफराफ्ट पर शिफ्ट कर दिया गया।

न तो परमाणु बम बनाएगा, न खरीदेगा ईरान

अंतिम चरण में पहुंची डील, तेहरान पहुंचा कतर का प्रतिनिधिमंडल

एजेंसी ■ नई दिल्ली

अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित शांति समझौते के मसौदे (एमओयू) में परमाणु कार्यक्रम, तेल प्रतिबंधों में राहत, फ्रीज संपत्तियों की रिहाई और होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े मुद्दों पर सहमति बनने की खबर है। ईरान ने स्पष्ट किया है कि वह न तो परमाणु हथियार बनाएगा और न ही किसी अन्य देश से हासिल करेगा।

'ईरान परमाणु बम नहीं बनाएगा'

रॉयटर्स के अनुसार, ईरान ने परमाणु कार्यक्रम पर यथास्थिति बनाए रखने पर सहमति जताई है। इसके तहत यूरेनियम संवर्धन आगे नहीं बढ़ाया जाएगा और नए परमाणु केंद्रों का विस्तार भी नहीं होगा।

मसौदे में 60 दिनों की अवधि तय की गई है, जिसके दौरान परमाणु मुद्दे पर विस्तृत वार्ता कर अंतिम समझौते का खाका तैयार किया जाएगा। समझौते के तहत हस्ताक्षर होते ही ईरान रणनीतिक महत्व वाले होर्मुज जलडमरूमध्य को सभी देशों के वाणिज्यिक जहाजों के लिए खोल देगा। इसके बदले अमेरिका ईरानी बंदरगाहों पर लगी नाकेबंदी हटाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को समझौते पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद जताई है। हालांकि ईरान का कहना है कि मसौदे के विशेषज्ञ और नीति-निर्धारक इसके राजनीतिक, कानूनी और तकनीकी पहलुओं की समीक्षा कर रहे हैं।

ईरान की फार्स न्यूज एजेंसी ने दावा किया है कि तेहरान ने अभी समझौता मसौदे पर हस्ताक्षर का अंतिम निर्णय नहीं लिया है।

तेहरान पहुंचा कतर का प्रतिनिधिमंडल

अड़चनों को दूर करने के प्रयासों के तहत कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जसीम अल थानी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल तेहरान पहुंचा है। यह दल अमेरिका और ईरान के बीच संदेशों के आदान-प्रदान में मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने दावा किया है कि समझौते पर ई-हस्ताक्षर किए जाएंगे। इस बीच, समझौते को लेकर ईरान के भीतर विरोध भी तेज हो गया है। एएनआइ के अनुसार, कट्टरपंथी गुटों, रूढ़िवादी नेताओं और सरकारी मीडिया के कुछ वर्गों का मानना है कि यह समझौता ईरान के लिए झुकने जैसा होगा और युद्ध के दौरान हासिल लाभ कमजोर पड़ जाएंगे। तेहरान में मुख्य वार्ताकार मोहम्मद बाकर गलीबाफ और अब्बास अराघची के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन हुए।

महिला टी20 विश्व कप : दीप्ति शर्मा का पंच भारत ने पाकिस्तान को 64 रन से हराया

एजेंसी ■ एजबेस्टन

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने टी20 विश्व कप 2026 में अपने सफर का आगाज पाकिस्तान के खिलाफ धमाकेदार जीत के साथ किया है। भारत ने पाकिस्तान को 64 रन से हराया। भारतीय टीम की जीत में सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना की अर्धशतकीय पारी, विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष की विस्फोटक पारी के साथ ही दीप्ति शर्मा और श्री चरणी की घातक गेंदबाजी का योगदान रहा।

भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। भारतीय पारी की शुरुआत करने आई शेफाली वर्मा ने पहली ही गेंद पर छक्का लगाकर टीम को धमाकेदार शुरुआत दी, लेकिन वह अपनी पारी को आगे नहीं बढ़ा सकीं और उसी ओवर की पांचवीं गेंद पर 6 रन बनाकर आउट हो गईं। जेमिमा रोड्रिग्स भी 1 रन बनाकर दूसरे विकेट के रूप में आउट हुईं जल्द ही आउट हो गईं।

स्मृति मंधाना और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भारतीय पारी को संभाला और तीसरे विकेट के लिए 91 रन की साझेदारी कर टीम का स्कोर 109 रन तक पहुंचाया। इसी स्कोर पर मंधाना का विकेट गिरा। मंधाना ने बेहतरीन अर्धशतक लगाया। वह 44 गेंदों पर 68 रन बनाकर आउट हुईं। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 35 गेंदों पर 36 रन बनाए। पारी के आखिर में विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष ने 17 गेंदों पर 1 छक्का और 5 चौके की मदद से 34 रन बनाकर भारतीय पारी को 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 170 तक पहुंचाया।

पाकिस्तान के लिए सादिया इकबाल ने और फातिमा सना ने 2-2, जबकि तस्मिया रुबाब और रमीन शमीम ने 1-1 विकेट लिए।

सक्षिप्त खबर

सीबीएसई को देनी होगी टेंडर की जानकारी

नई दिल्ली। केंद्रीय सूचना आयोग (सीआइसी) ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) को निर्देश दिया है कि वह परीक्षाओं पर खर्च एवं उत्तर पुस्तिकाओं के विवरण से जुड़ी सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत दी जा सकने वाली जानकारियों को बिंदुवार उजागर करे। इसमें कक्षा 10 एवं कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षाओं के लिए उत्तर पुस्तिकाओं की निविदा एवं खरीद प्रक्रिया शामिल है। सीबीएसई के पूर्व में किए इनकार को खारिज करते हुए सीआइसी ने उसे नए जवाब देने को कहा है। आयोग ने कहा कि जिन जानकारियों को सार्वजनिक नहीं किया जा सकता, उन्हें अधिनियम की धारा-10 के तहत संशोधित या छिपाया जा सकता है, लेकिन धारा-8(1)(डी) के तहत इनकार का सही कारण बताया जाना चाहिए।

नापाक हरकतें बंद कर दे पाकिस्तान : राजनाथ

आगरा। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को उत्तर प्रदेश के आगरा में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आगरा की इस धरती पर वीरता, स्वाभिमान और देशभक्ति के अमर प्रतीक महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण करके मुझे बेहद खुशी हुई है। उन्होंने कहा कि देश के कोने-कोने में जहां भी महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण करने के लिए मुझे आमंत्रित किया जाता है, मैं बराबर हर कार्यक्रम में पहुंचता हूं। एक कार्यक्रम को भी मैं छोड़ता नहीं हूं। मैं मानता हूं कि महाराणा प्रताप का शौर्य, त्याग और संघर्ष इतना बड़ा है कि देश उनको कभी भूल नहीं सकता।

भारत-फ्रांस की साझेदारी मील का पत्थरः धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने रविवार को कहा कि 'भारत इनोवेट्स 2026' भारत-फ्रांस की साझेदारी में एक मील का पत्थर है। साथ ही, कहा कि यह मानवता की भलाई के लिए युवा भारती इनोवेटर्स द्वारा बनाए जा रहे सॉल्यूशंस को वैश्विक मंच प्रदान करता है। 'भारत इनोवेट्स 2026' का उद्घाटन संयुक्त रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की ओर से फ्रांस के नीस में किया गया। केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'फ्रांस के नीस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों द्वारा भारत इनोवेट्स 2026 का उद्घाटन भारत-फ्रांस साझेदारी में एक अहम मील का पत्थर है।'

पश्चिम एशिया में तनाव के बीच आगे बढ़ रहा भारत, विकास दर दुनिया में सबसे तेजः वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

बेंगलुरु। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को कहा कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच भी भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है और दुनिया की सबसे तेज अर्थव्यवस्था बना हुआ है।

भारतीय जनता पार्टी के 'विकसित भारत' कार्यक्रम में वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि यह केंद्र सरकार नहीं है, जो कि दावा कर रही है कि भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है, बल्कि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े स्वयं इसी ओर इशारा कर रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष भी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारत को दुनिया की सबसे तेज अर्थव्यवस्था मानता है।

विपक्षी नेता राहुल गांधी के बयान पर सीतारमण ने कहा कि कांग्रेस नेता देश के आर्थिक प्रदर्शन की लगातार आलोचना कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर, हर तिमाही और हर साल भारत सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना हुआ है।

उन्होंने आगे कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी लगातार कहते रहते हैं कि कोई बड़ी आर्थिक आपदा आने वाली है, लेकिन भारत के लिए ऐसी कोई आपदा नहीं आने वाली है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस नेता की बार-बार की आलोचना से देश की आर्थिक स्थिति के बारे में नागरिकों के मन में गलत धारणा बन सकती है।

केंद्रीय मंत्री सीतारमण ने कहा, 'विपक्ष के नेता (राहुल गांधी) और उनकी पार्टी लोगों को यह विश्वास दिलाने की कोशिश करते हैं कि भारत मुश्किल में है। फिर भी, पश्चिम एशिया में संकट और होर्मुज स्ट्रेट के आसपास व्यवधानों के बावजूद, भारत लगातार आगे बढ़ रहा है।'

ईंधन की आपूर्ति और वैश्विक व्यापार पर भू-राजनीतिक तनाव के असर के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि चुनौतियां सिर्फ कच्चे तेल और एलपीजी की कीमतों में उतार-चढ़ाव तक ही सीमित नहीं हैं।

उन्होंने कहा, 'इन चुनौतियों का असर न सिर्फ कच्चे तेल और एलपीजी की कीमतों पर, बल्कि ग्लोबल शिपिंग पर भी पड़ता है। शिपिंग कंपनियां संघर्ष वाले इलाकों से अपने जहाज भेजने में हिचकिचाती हैं।

जहाजों पर हमले का खतरा होने के कारण इंश्योरेंस प्रीमियम बढ़ जाते हैं। चाहे जहाज खाली हो या उसमें कच्चा तेल लदा हो, इंश्योरेंस का खर्च काफी बढ़ जाता है और देश तक आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आखिरकार यह खर्च उठाना ही पड़ता है।

हिमाचलः कांग्रेस सरकार के वन्यजीव पार्कों की एंट्री फीस दोगुनी करने के फैसले से सियासी घमासान

शिमला। कर्ज के बोझ तले दबी हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने वन्यजीव पार्कों और अभयारण्यों में भारतीय पर्यटकों के प्रवेश शुल्क को 150 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये कर दिया है। इस फैसले के बाद राज्य की राजनीति गरमा गई है और मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली सरकार की वित्तीय प्रबंधन क्षमता पर सवाल उठने लगे हैं। अगले वर्ष विधानसभा चुनाव वाले इस पहाड़ी राज्य में विदेशी पर्यटकों के लिए भी वन्यजीव पार्कों और अभयारण्यों में प्रवेश शुल्क बढ़ाकर 600 रुपये कर दिया गया है, जो पहले की तुलना में 100 प्रतिशत अधिक है। भाजपा नेताओं ने रविवार को इस फैसले की कड़ी आलोचना की। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा, 'राहुल गांधी का 'खटाखट इकोनॉमिक मॉडल' हिमाचल प्रदेश को अंधेरे में धकेल चुका है और कांग्रेस सरकार राज्य की जनता को लूट रही है।'

उन्होंने भारतीय नागरिकों के लिए वन्यजीव अभयारण्यों और वन क्षेत्रों में प्रवेश शुल्क बढ़ाए जाने के फैसले पर भी कांग्रेस सरकार को निशाने पर लिया।

भाजपा नेताओं का कहना है कि कांग्रेस शासित हिमाचल प्रदेश ऐसा राज्य बन गया है जो उधार लेकर चलता है, घाटे की भरपाई के लिए टैक्स लगाता है और अपनी अक्षमता की कीमत जनता से वसूलता है।

हिमाचल प्रदेश में कुल 28 वन्यजीव अभयारण्य हैं, जिनमें से तीन शिमला जिले में स्थित हैं। इनमें शिमला वाटर कैचमेंट वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी, दरंगहाटी वाइल्डलाइफ सेंचुरी, और तलरा वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी शामिल हैं।

सोलन जिले में चैल वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी और मजाथल वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी स्थित हैं, जबकि कुल्लू जिले में तीर्थन, सैंज, कैस, कनावर, खोखन और मनाली क्षेत्र के वन्यजीव अभयारण्य मौजूद हैं।

मुंबई क्राइम ब्रांच ने 4,734 कोडीन सिरप की बोतलें जब्त कीं, 4 आरोपी गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई क्राइम ब्रांच ने 52 लाख रुपए मूल्य की 4,734 कोडीन सिरप की बोतलें जब्त कीं हैं। इस दौरान पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

मुंबई पुलिस क्राइम ब्रांच यूनिट ने 52.07 लाख रुपए मूल्य की कोडीन फॉस्फेट युक्त कफ सिरप की 4,734 बोतलें जब्त कीं और 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया।

जांच के दौरान, पुलिस ने नवी मुंबई में एक आरोपी के आवास पर छापा मारा और कोडीन फॉस्फेट सिरप की अतिरिक्त 4,581 बोतलें बरामद कीं। कुल मिलाकर, 52,07,400 रुपए मूल्य की 4,734 बोतलें और 1 लाख रुपए मूल्य की एक मोटरसाइकिल जब्त की गई, जिससे जब्त की गई संपत्ति का कुल मूल्य 53,07,400 रुपए हो गया।

एक गुप्त सूचना के आधार पर, मुंबई क्राइम ब्रांच की यूनिट 11 ने कांदिवली पश्चिम में मलाड पश्चिम के एसवी रोड पर इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के सामने राज्यदेवी गजानन गुप्ता ट्रस्ट के पास आरोपियों को पकड़ा। आरोपी कथित तौर पर मादक पदार्थों के सेवन के लिए कोडीन फॉस्फेट सिरप की 153 बोतलें बेचने की कोशिश कर रहे थे।

गिरफ्तार किए गए लोगों में से 2 की उम्र 26 वर्ष, एक की 23 वर्ष और चौथा आरोपी 17 वर्ष का नाबालिग है।

मलाद पुलिस स्टेशन में संबंधित एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। क्राइम ब्रांच द्वारा आगे की जांच की जा रही है।

इससे पहले चार जून को जम्मू-कश्मीर के सोपोर में पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में चार नशा तस्करों को गिरफ्तार किया, जिनके कब्जे से बड़ी मात्रा में कोडीन सिरप के बोतलें प्राप्त हुईं।

पहली कार्रवाई में थाना सोपोर की पुलिस टीम ने बदामबाग क्षेत्र में गश्त के दौरान तीन संदिग्ध व्यक्तियों को देखा। पुलिस को देखकर तीनों ने पास के बागानों की ओर भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने सूझबूझ से उन्हें पकड़ लिया।

तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से कुल 150 बोतल कोडीन युक्त सिरप बरामद किया गया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बदामबाग निवासी इरफान अहमद पीर, एजाज अहमद मट्टू और उमर जाहूर नजर के रूप में हुई है।

थाना सोपोर में एनडीपीएस अधिनियम के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि बरामद नशीला पदार्थ कहां से लाया गया था और इसकी आपूर्ति किस नेटवर्क के जरिए की जानी थी।

भारत का राजमार्ग नेटवर्क बीते 12 वर्षों में रिकॉर्ड 55,285 किलोमीटर बढ़ा

नई दिल्ली। भारत का राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क 2014 में 91,287 किलोमीटर से बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 तक 1,46,572 किलोमीटर का हो गया है, जो बीते 12 वर्षों में 55,285 किलोमीटर या 61 प्रतिशत की बढ़ोतरी को दिखाता है। यह जानकारी सरकार द्वारा रविवार को जारी फैक्टशीट में दी गई।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की ओर से जारी आधिकारिक फैक्टशीट में आगे कहा गया कि भारतमाला परियोजना और एक्सप्रेसवे के विकास के चलते देश ने सड़क निर्माण में रिकॉर्ड गति हासिल की है।

फैक्टशीट में कहा गया कि राजमार्ग क्षेत्र में सबसे बड़ा बदलाव 'भारतमाला परियोजना' ने लाया है। यह केंद्र सरकार की एक खास योजना है जिसे पूरे देश में माल और यात्रियों की आवाजाही को बेहतर बनाने के लिए बनाया गया है। इसके तहत मार्च 2026 तक 26,425 किलोमीटर के प्रोजेक्ट्स के लिए कॉन्ट्रैक्ट दिए जा चुके थे, जबकि 22,590 किलोमीटर का काम पूरा हो चुका था। अक्टूबर 2017 में भारत सरकार से मंजूरी पाने वाले इस प्रोग्राम के तहत 34,800 किलोमीटर लंबे नेशनल हाईवे कॉरिडोर बनाने का लक्ष्य रखा गया था, जिस पर अनुमानित तौर पर 5.35 लाख करोड़ रुपए खर्च होंगे।

भारतमाला परियोजना ने कनेक्टिविटी को काफी मजबूत किया है, लॉजिस्टिक्स की लागत कम की है और दूर-दराज व रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों तक पहुंच बेहतर बनाई है, जिससे आर्थिक विकास, क्षेत्रीय संतुलन और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा मिला है।

2013-14 में निर्माण की औसत रफ्तार लगभग 11.6 किलोमीटर प्रति दिन थी, जो 2025 में बढ़कर लगभग 34 किलोमीटर प्रति दिन हो गई है। इस जबरदस्त बढ़ोतरी से राज्यों और क्षेत्रों के बीच कनेक्टिविटी बेहतर हुई है, सामान और सेवाओं की तेज आवाजाही आसान हुई है, बाजारों तक पहुंच बढ़ी है और देश की आर्थिक नींव मजबूत हुई है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे भारत के सबसे बड़े हाईवे इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में से एक है। लगभग 1,386 किलोमीटर की लंबाई और करीब 1 लाख करोड़ रुपए की अनुमानित लागत वाले इस प्रोजेक्ट के पूरा होने पर यह देश का सबसे लंबा एक्सेस-कंट्रोल्ड एक्सप्रेसवे बन जाएगा।

राम मंदिर चंदा गायब मामले में कोई भी दोषी नहीं बचेगा: मंत्री नरेंद्र कश्यप

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री नरेंद्र कुमार कश्यप रविवार को शाहजहांपुर पहुंचे, जहां उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन एवं जनकल्याण के 12 स्वर्णिम वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में लगातार विकास हो रहा है। राम मंदिर में चंदा गायब होने के मामले में एसआईटी की जांच चल रही है। जल्द ही सच सामने आ जाएगा।

राम मंदिर के दानपात्र से चंदा गायब होने के मामले में एसआईटी के गठन पर मंत्री नरेंद्र कुमार कश्यप ने कहा, 'विपक्ष की सोच हमेशा से सनातन परंपराओं के खिलाफ रही है। जब भी भगवान श्री राम का मंदिर बनाने की बात आती है, तो वे गोली चलाने का आदेश देने या भगवान राम के अस्तित्व को नकारने जैसे कदम उठाते हैं, और जब राम मंदिर बन जाता है, तो उसके निर्माण के लिए इकट्ठा किए गए दान पर सवाल उठाते हैं। हालांकि, हमारी सरकार ने अपना रुख साफ कर दिया है और तीन सदस्यों वाली एसआईटी बनाई गई है। जो भी तथ्य सामने आएंगे, उन्हें जनता के सामने लाया जाएगा।'

उन्होंने कहा कि राम मंदिर चंदा गायब मामले में कोई बचने वाला नहीं है। जिसने भी गलत काम किया है, उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। उत्तर प्रदेश सरकार ने वैसे भी जांच के आदेश दे दिए हैं।

दिल्ली में बागी टीएमसी सांसदों की बैठक पर मंत्री नरेंद्र कुमार कश्यप ने कहा, 'पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, जिन्होंने देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का अपमान किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अपशब्दों का इस्तेमाल किया, उनका अहंकार पश्चिम बंगाल की जनता ने तोड़ दिया है। वे चुनाव हार गईं और सत्ता से बाहर हो गईं, और उनका तानाशाही रवैया इस हद तक बढ़ गया कि पश्चिम बंगाल में उनकी पार्टी के कई सांसद अलग गुट बना रहे हैं और टीएमसी छोड़ रहे हैं। दूसरे शब्दों में, बिहार में पूर्व सीएम लालू यादव के साथ जो हुआ, बंगाल में ममता बनर्जी के साथ उससे भी बुरा होगा।'

उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता विकास चाहती थी, इसीलिए उन्हें भाजपा को चुना है अब पश्चिम बंगाल में विकास हो रहा है।

पीएम मोदी के सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री पद पर रहने पर नरेंद्र कुमार कश्यप ने कहा, 'भारत के सफल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री के तौर पर सेवा करके और लगातार 12 साल तक सरकार बनाकर भारतीय लोकतंत्र में एक नया इतिहास रचा है।

जम्मू-कश्मीर के राजौरी के घने जंगलों में आतंकवाद-विरोधी ऑपरेशन 23वें दिन भी जारी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में आतंकवाद-विरोधी अभियान रविवार को 23वें दिन भी जारी रहा।

राजौरी जिले के गंभीर मुगलान इलाके के घने डोरीमल जंगलों में 'ऑपरेशन शेरावाली' चलाया जा रहा है। यह इस इलाके में सबसे लंबे समय से चल रहे आतंकवाद-विरोधी अभियानों में से एक है।

सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त टुकड़ियों ने मुश्किल और ऊबड़-खाबड़ जंगली इलाकों में अपने ऑपरेशन तेज कर दिए हैं।

यह ऑपरेशन डोरीमल की घनी जंगली पहाड़ियों में चलाया जा रहा है, जहां खड़ी ढलान, पथरीले पहाड़ और घनी वनस्पति जमीन पर मौजूद सैनिकों के लिए बड़ी चुनौतियां पैदा कर रहे हैं।

मुश्किल हालात के बावजूद, सुरक्षाकर्मी पूरी तरह सतर्क हैं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि का पता लगाने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी, अतिरिक्त निगरानी और इलाके पर नियंत्रण बनाए रखने के उपाय कर रहे हैं।

लंबे समय से चल रहे तलाशी अभियान सीमावर्ती जिले में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए सुरक्षा बलों के पक्के इरादे को दिखाते हैं।

इससे पहले, 7 जून को 'ऑपरेशन शेरावाली' के दौरान एक चट्टान से गलती से फिसलने के कारण भारतीय सेना के एक जवान की मौत हो गई थी।

सूत्रों के मुताबिक, वह आतंकवाद-विरोधी अभियान के दौरान ऊबड़-खाबड़ और मुश्किल पहाड़ी इलाके से गुजर रहे थे।

सीएम सम्राट चौधरी ने प्रमुख पर्यटन स्थलों के विकास में तेजी लाने का दिया निर्देश

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को पर्यटन विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक कर राज्य के प्रमुख पर्यटन केंद्रों के विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की।

बैठक में उन्होंने अधिकारियों को सभी महत्वपूर्ण परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने तथा बिहार की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए प्रभावी कदम उठाने का निर्देश दिया। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से राजगीर, गयाजी और नालंदा में चल रही परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटकों की सुविधा और आवागमन को बेहतर बनाने के लिए मां मुंडेश्वरी मंदिर, करकटगढ़ जलप्रपात और राजगीर के लिए अनुदानित दर पर हेलिकॉप्टर सेवा शुरू की जाए। इसके अलावा वाल्मीकिनगर के लिए सप्ताहांत यानी शनिवार और रविवार को पर्यटकों के लिए रियायती दर पर वायुसेवा जल्द प्रारंभ करने का निर्देश दिया गया।

उन्होंने बताया कि बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा पटना से पर्यटक स्थलों तक 'एंड-टू-एंड' पर्यटन सेवा शुरू की जाएगी, जिससे यात्रियों को बेहतर सुविधा मिल सके। बैठक में मुख्यमंत्री ने विष्णुपद मंदिर कॉरिडोर और महाबोधि मंदिर कॉरिडोर परियोजनाओं को शीघ्र अंतिम रूप देकर निर्माण कार्य शुरू कराने का निर्देश दिया।

झारखंडः गढ़वा में नदी का अस्तित्व बचाने के लिए एक साथ आए जनता और अधिकारी

रांची। झारखंड के गढ़वा जिले मे एक नदी के अस्तित्व को बचाने के लिए अब अधिकारी और जनता ने जुड़ कर 'आपन सरस्वतीया' नाम से अभियान शुरू किया है।

गढ़वा सदर एसडीएम संजय कुमार की पहल पर सामूहिक सहयोग से प्रारंभ किए गए 'आपन सरस्वतिया' अभियान के लगभग एक हफ्ते से सरस्वतिया नदी के विभिन्न क्षेत्रों में सफाई एवं डी-सिल्टिंग का कार्य जारी है। पिछले एक हफ्ते से जेसीबी की मदद से नदी की सफाई कराई जा रही है। झारखंड की राजधानी रांची में नालों की सफाई के लिए सरकारी फंड का इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन गढ़वा शहर की सरस्वतीया नदी सामाजिक सहयोगकर्ताओं के सहयोग से लगभग 14 किलोमीटर की इस नदी में सफाई अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का नाम दिया गया है 'आपन सरस्वतीया'।

इस नाम देने के पीछे मूल भावना यही है कि गढ़वा शहर के प्रत्येक नागरिक को यह अनुभूति हो कि यह नदी हमारी अपनी धरोहर है तथा इसे बचाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

अगर बात की जाए इस नदी की, तो इसका कई सांस्कृतिक इतिहास रहा है। एक हफ्ते पूर्व यह नदी कूड़ा-कचरा से भरा हुआ था, लेकिन आज इसे जनसहयोग से इस नदी को मूर्त रूप देने का प्रयास किया जा रहा है। एसडीएम संजय कुमार ने बताया कि जनसहयोग मिलता रहा तो सरस्वतिया नदी की पूर्ण सफाई तक यह अभियान निरंतर जारी रहेगा, और सरस्वतिया नदी में जानबूझकर कचरा डालने, मिट्टी डालकर नदी का भराव करने, या बिल्डिंग मटेरियल डालने वाले लोगों पर न केवल दंड अधिरोपित किया जाएगा, बल्कि उक्त कचरा हटवाने का व्यय भी उन्हीं से लिया जाएगा।

इस हेतु नगर परिषद को भी जगह-जगह चेतावनी बोर्ड लगाने के निर्देश दिए जा रहे हैं।

इधर, उपायुक्त गढ़वा पशुपति नाथ मिश्रा ने कहा कि नदियां राज्य की धरोहर हैं, और इसे बचाए रखना सबों की जिम्मेवारी है।

हाइड्रोपोनिक्स तकनीक से खेती का नया रास्ता

वन विकास निगम की कार्यशाला में मिली आधुनिक कृषि की जानकारी

रायपुर। हाइड्रोपोनिक्स एक उन्नत कृषि तकनीक है, जिसमें मिट्टी का उपयोग नहीं किया जाता। पौधों को सीधे पानी और उसमें घुले आवश्यक पोषक तत्वों के माध्यम से उगाया जाता है। यह तकनीक पारंपरिक खेती की तुलना में कम जगह और कम पानी में अधिक व तेजी से फसल उगाने में बेहद कारगर है।

छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम लिमिटेड द्वारा 'हाइड्रोपोनिक्स नवाचार एवं न्यूट्रिशन फील्ड तकनीक भविष्य की रणनीति' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य आधुनिक कृषि तकनीकों, पोषण सुरक्षा और टिकाऊ उत्पादन प्रणालियों की जानकारी देना तथा भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा करना था।

भविष्य की खेती के लिए हाइड्रोपोनिक्स को बताया उपयोगी तकनीक

कार्यशाला में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई), नई दिल्ली के प्रिंसिपल साइंटिस्ट एवं प्रोफेसर डॉ. मुर्तजा हसन तथा हाइड्रोपोनिक्स विशेषज्ञ मोहम्मद जावेद आलम ने प्रतिभागियों को तकनीकी जानकारी प्रदान की। विशेषज्ञों ने बताया कि हाइड्रोपोनिक्स तकनीक के माध्यम से कम भूमि और कम पानी में नियंत्रित वातावरण में गुणवत्तापूर्ण फसल उत्पादन किया जा सकता है।

बढ़ती आबादी और सीमित संसाधनों के बीच कारगर विकल्प

डॉ. मुर्तजा हसन ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या, घटती कृषि भूमि और जल संसाधनों पर बढ़ते दबाव को देखते हुए हाइड्रोपोनिक्स जैसी आधुनिक तकनीकें भविष्य की आवश्यकता बन रही हैं। उन्होंने बताया कि यह तकनीक पोषण सुरक्षा, अधिक उत्पादन और पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

युवाओं और उद्यमियों के लिए स्वरोजगार के नए अवसर

हाइड्रोपोनिक्स विशेषज्ञ मोहम्मद जावेद आलम ने हाइड्रोपोनिक प्रणाली की स्थापना, पोषक तत्व प्रबंधन, उपयुक्त फसल चयन और व्यावसायिक संभावनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह तकनीक शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में भी आसानी से अपनाई जा सकती है तथा युवाओं और उद्यमियों के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर पैदा कर सकती है।

प्रतिभागियों ने जानी आधुनिक खेती की बारीकियां

कार्यशाला में निगम के अधिकारी-कर्मचारी, कृषि एवं उद्यानिकी क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञ तथा अन्य प्रतिभागी बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस दौरान प्रतिभागियों ने विशेषज्ञों से विभिन्न तकनीकी विषयों पर प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया।

नवाचार आधारित कृषि विकास को मिलेगा बढ़ावा

कार्यक्रम के समापन अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम के अधिकारियों ने विशेषज्ञों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं आधुनिक, वैज्ञानिक और टिकाऊ कृषि प्रणालियों को बढ़ावा देने के साथ-साथ प्रदेश में नवाचार आधारित विकास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

रक्तदान सबसे बड़ा दान, इससे बड़ी कोई सेवा नहीं : राज्यपाल रामेन डेका

विश्व रक्तदाता दिवस पर राज्यपाल ने रक्तदाताओं का किया सम्मान

रायपुर। मनुष्य का सबसे बड़ा धर्म है दूसरे के जीवन की रक्षा करना और यह अपने ही रक्त के एक बूंद से हो सके तो इससे बड़ा कोई पुण्य नहीं है। रक्त का दान सबसे बड़ा दान होता है। राज्यपाल रमेन डेका ने प्रदेश के स्वैच्छिक रक्तदाताओं का सम्मान करते हुए उक्त बातें कहीं।

विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी छत्तीसगढ़ राज्य शाखा द्वारा स्वैच्छिक रक्तदाताओं को सम्मानित करने के लिए लोकभवन में समारोह आयोजित किया गया, जिसमें छत्तीसगढ़ रेडक्रॉस के अध्यक्ष राज्यपाल डेका ने सर्वाधिक रक्तदान करने वाले प्रदेश के 30 स्वैच्छिक रक्तदाताओं सहित विभिन्न संगठनों और संस्थाओं के सदस्यों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर लोकभवन में रेडक्रॉस द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें लोकभवन के अधिकारियों-कर्मचारियों सहित अन्य लोगों ने उत्सव पूर्वक रक्तदान किया। रक्तदाताओं ने नि:स्वार्थ भाव से रक्तदान कर लोगों को नया जीवन दिया है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि रक्त का कोई कृत्रिम विकल्प नहीं है और यह केवल स्वस्थ व्यक्ति के स्वैच्छिक दान से ही उपलब्ध हो सकता है।

राज्यपाल ने कहा कि थैलेसीमिया, सिकल सेल, एनीमिया, हिमोफिलिया, कैंसर तथा दुर्घटना जैसी आपात स्थिति में रक्त की आवश्यकता जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर तय करती है। उन्होंने छत्तीसगढ़ के रक्तदाताओं की सराहना करते हुए कहा कि यहां के लोगों में जो सेवा भाव है वह दूसरी जगह देखने को नहीं मिलती। रक्तदाताओं ने वर्षों से नि:स्वार्थ भाव से रक्तदान कर अनेक लोगों को नया जीवन दिया है। ऐसे रक्तदाता समाज के लिए प्रेरणा हैं और उनकी सेवा भावना आने वाली पीढ़ियों के लिए उदाहरण है। राज्यपाल ने रेडक्रॉस ब्लड बैंक और उसकी टीम के कार्यो की भी सराहना करते हुए कहा कि यह संस्था वर्षो से जरूरत मंदों तक जीवनदायी रक्त पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य कर रही है।

रेडक्रॉस स्मारिका का विमोचन

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ रेडक्रॉस सोसायटी के चेयरमेन तोमन साहू ने स्वागत उदबोधन दिया तथा छत्तीसगढ़ रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव डॉ. रूपल पुरोहित ने आभार प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर रेडक्रॉस

संक्षिप्त खबरें

नि:शुल्क नेत्र परीक्षण एवं चश्मा वितरण शिविर का सफल आयोजन

रायपुर। जिला सैनिक कल्याण बोर्ड कार्यालय, घड़ी चौक रायपुर में एएसवी आई हॉस्पिटल रायपुर के सहयोग से आशा देवी रेखचंद लूनिया चेरिटेबल ट्रस्ट एवं पारस ग्रुप ऑफ फाउंडेशन द्वारा संयुक्त रूप से नि:शुल्क नेत्र परीक्षण एवं चश्मा वितरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों सहित बड़ी संख्या में लाभार्थियों ने भाग लिया। विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा नेत्र परीक्षण कर आवश्यकतानुसार पात्र हितग्राहियों को नि:शुल्क चश्मों का वितरण किया गया। शिविर में लगभग 100 लोगों का नेत्र परीक्षण किया गया तथा आवश्यकता अनुसार चश्मे प्रदान किए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुदीप जैन, मैनेजिंग ट्रस्टी, आशा देवी रेखचंद लूनिया चेरिटेबल ट्रस्ट रायपुर रहे। विशिष्ट अतिथियों में डॉ. कविता कुंभज, डायरेक्टर एवं सीईओ, पारस ग्रुप ऑफ फाउंडेशन, प्रिया गुप्ता(विशेष सहयोगी) , डॉ. रात्रि लहरी, राहुल कुंभज, अनिल कुमार शर्मा (सेवानिवृत्त), जिला सैनिक कल्याण अधिकारी रूपेंद्र साहू(रिटायर्ड नेवी ऑफिसर), सार्थक आदि उपस्थित रहे विशेष सहयोग प्रिया गुप्ता जी राहुल कुम्भज डॉ रात्रि लहरी कार्यक्रम प्रभारी पीयूष जैन सार्थक जैन ए एस जी आई हॉस्पिटल टीम का शिविर में विशेष योगदान रहा।

रामकृष्ण हॉस्पिटल में हो सकेगा पत्रकारों का रियायती दर पर ईलाज, प्रबंधन ने दी सहमति

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज के तत्वावधान में रायपुर प्रेस क्लब के सम्मानित सदस्यों, पत्रकार साथियों एवं उनके परिजनों के लिए आयोजित नि:शुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का आभार एवं समापन समारोह रविवार को रायपुर प्रेस क्लब, मोती बाग में गरिमामयी माहौल में संपन्न हुआ। रामकृष्णा केयर हॉस्पिटल, रायपुर द्वारा आयोजित इस शिविर के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में अस्पताल के प्रबंध निदेशक डॉ. संदीप दवे उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता सतीश थोरानी ने की। इस दौरान रायपुर प्रेस क्लब के तमाम पदाधिकारी और बड़ी संख्या में पत्रकारगण मौजूद थे। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. संदीप दवे ने पत्रकारों की सामाजिक सहभागिता और उनके कठिन कार्य परिवेश की सराहना की। उन्होंने एक बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि पत्रकारों और उनके परिवारों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस नि:शुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर की अवधि को अब 30 जून 2026 तक के लिए बढ़ाया जा रहा है।

शराब दुकान से लॉकर उखाड़ ले गए बदमाश

रायपुर। राजधानी रायपुर में एक बड़ी घटना को अंजाम दिया गया है। सरोना की विदेशी शराब की दुकान से करीब 7 लाख रुपए का लॉकर ही उखाड़कर ले गए। बदमाश अंजाम देने के बाद सीसीटीवी कैमरों का डीवीआर भी अपने साथ ले गए, जिससे पुलिस को कोई सुराग नहीं मिल सका। घटना आमानाका थाना क्षेत्र की है। रविवार सुबह दुकान सहायक को चोरी की जानकारी मिली, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस दल ने जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दुकान में घुसे और वहां कैश से भरा लॉकर उखाड़कर ले गए। बताया जा रहा है कि लॉकर में करीब 7 लाख रुपए कैश रखे गए थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार एसीपी पुरानी बस्ती, आमानाका थाना पुलिस, डॉग स्क्वायड और अन्य जांच एजेंसियों की टीम तक पहुंच गई है।

फजियोथैरेपी आधुनिकीकरण के लिए हुआ भूमि पूजन : बैस

रायपुर। गायत्री शक्तिपीठ समता कॉलोनी रायपुर में चल रहे फिजियोथैरेपी सेंटर के आधुनिकीकरण और अतिरिक्ष कक्ष निर्माण के भूमि पूजन का कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे पूर्व मंत्री और वर्तमान विधायक राजेश मुणत, रायपुर नगर निगम की महापौर मीनल चौबे वार्ड के पार्षद आनंद अग्रवाल और गायत्री परिवार ट्रस्ट के मुख्य प्रबंध ट्रस्टी श्याम बैस और फिजियोथैरेपी सेंटर के प्रभारी दीनानाथ शर्मा जी के हाथों भूमि पूजन का कार्यक्रम हुआ।

गायत्री शक्तिपीठ समता कॉलोनी के विकास के मुणत ने की 50 लाख की घोषणा

राजेश मूणत ने गायत्री परिवार के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि पूरे प्रदेश में गायत्री परिवार की अलग ही छवि है खासकर रायपुर पश्चिम जो उनका खुद का क्षेत्र है वहां भी चारों तरफ गायत्री परिवार के कार्यक्रम चलते ही रहते हैं ऐसे में गायत्री परिवार का कार्य को बेहतर बताया साथ ही शक्तिपीठ के विकास कार्यों के लिए और आगे के निर्माण कार्यों के लिए उन्होंने 50 लख रुपए देने की घोषणा की है जिससे गायत्री परिवार ट्रस्ट के माध्यम से जन-जन को आधुनिक और बेहतर सुविधाएं शक्तिपीठ में मिल सके।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में 184 जोड़ों का हुआ था विवाह, सभी प्रावधानों का पालन

रायपुर। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत नवविवाहित जोड़ों को दी गई उपहार सामग्री को लेकर महिला एवं बाल विकास विभाग ने तथ्यात्मक जानकारी जारी कर स्थिति स्पष्ट की है।

विभागीय अधिकारियों ने बताया कि 10 फरवरी 2026 को खड़गवां विकासखंड के चनवारीडांड में आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम में वित्तीय वर्ष 2025-26 के तहत कुल 184 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया था। कार्यक्रम में शासन द्वारा निर्धारित सभी दिशा-निर्देशों और वित्तीय प्रावधानों का पालन किया गया।

50 हजार की सहायता, डीबीटी से सीधा भुगतान

योजना के तहत प्रति कन्या 50 हजार रुपये की सहायता राशि का प्रावधान है, इसमें से 35 हजार रुपये सीधे हितग्राही के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से अंतरित किए जाते हैं। शेष राशि से विवाह आयोजन, भोजन, आवास, वस्त्र, श्रृंगार सामग्री सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं की जाती हैं।

कार्यक्रम में प्रति विवाहित जोड़े के लिए 20 अतिथियों के भोजन, वर-वधू के वस्त्र, चांदी के बिछिया-पायल, श्रृंगार सामग्री और अन्य जरूरी सामान उपलब्ध कराया गया था। विभागीय अधिकारी ने बताया किया कि शासन के निर्देशों के अनुसार निर्धारित वित्तीय सीमा के भीतर ही सामग्री वितरित की गई। चांदी के बाजार मूल्य बढ़ने के कारण स्वीकृत प्रावधानों के अनुरूप कृत्रिम मंगलसूत्र दिए गए थे। साथ ही, यदि किसी सामग्री की गुणवत्ता में कमी मिली तो संबंधित फर्म पर प्रति हितग्राही 100 रुपये की दर से कुल 18 हजार 400 रुपये की कटौती की गई। प्रति कन्या 1000 रुपये सीधे हितग्राहियों के खातों में अंतरित किए गए।

छत्तीसगढ़ में पहली बार होगा आचार्य पदारोहण महोत्सव

16 से 18 जून तक इंडोर स्टेडियम में जुटेंगे हजारों श्रद्धालु

रायपुर। रायपुर में 16 से 18 जून तक बूढ़ापारा स्थित इंडोर स्टेडियम में आचार्य पदारोहण, सहस्त्रावधान, तपस्या महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। सकल जैन समाज छत्तीसगढ़, अखिल भारतीय खरतरगच्छ महासंघ और आचार्य पदारोहण सहस्त्रावधान तपस्या महोत्सव समिति के संयुक्त तत्वावधान में होने वाले इस आयोजन में पन्यास प्रवर विनय कुशल मुनि को आचार्य पद पर प्रतिष्ठित किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार छत्तीसगढ़ में इस तरह का आयोजन पहली बार हो रहा है।

रायपुर प्रेस क्लब में आयोजित प्रेसवार्ता में समिति के अध्यक्ष सुनील पारख और महासचिव अशोक कांकरिया ने बताया कि कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला के शामिल होने की संभावना है। इसके अलावा राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह सहित कई जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है। महोत्सव में देशभर से हजारों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।

16 और 17 जून को होंगे विशेष धार्मिक व सांस्कृतिक आयोजन

महोत्सव के पहले दिन 16 जून को सुबह वृहद शांतिधारा अभिषेक और 504 जोड़ों की सहभागिता से सूरीमंत्र महापूजन होगा। शाम को प्रसिद्ध भजन गायिका अनुराधा पौडवाल भक्ति गीतों की प्रस्तुति देंगी। वहीं 17 जून को 14 वर्षीय बाल मुनि हंसभद्र मुनि सहस्त्रावधान का प्रदर्शन करेंगे। शाम को भक्ति संध्या का आयोजन होगा, जिसमें कई कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे।

18 जून को होगा आचार्य पद पर ऐतिहासिक पदारोहण

महोत्सव का मुख्य कार्यक्रम 18 जून को आयोजित होगा। इस दिन विनय कुशल मुनि को विधिवत आचार्य पदवी प्रदान की जाएगी।

भाठागांव में मुख्य मार्ग की समस्या पर कांग्रेस ने किया एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन

टेंडर समाप्त होने के बाद भी 38 प्रतिशत काम पूरा नहीं

रायपुर। राजधानी रायपुर के भाठागांव के बहुत ही व्यस्त रोड़ की हम बात कर रहे है। जहां आए दिन हादसे होते रहते हैं एवं जाम का मामला बना रहता है। सड़क चौड़ीकरण का काम लगभग 20 महीने को होने जा रहा है, लेकिन यह भाजपा की ढाई साल की सरकार में यहां सड़क कंप्लीट नहीं हो पाया। जिस फार्म को नगर निगम के द्वारा टेंडर दिया गया था, वह टेंडर की अवधि भी समाप्त हो चुकी है। इसके बाद उसको एक्सटेंशन देने के बाद भी यह काम कुछ ही दिनो में बारिश चालू हो जाएगा। इससे पहले कांग्रेस के द्वारा और तीन से चार बार आंदोलन किया जा चुका है तब जाकर एक तरफ का कुछ दूरी का थोड़ा दूर डामरीकरण किया गया था। इसके बाद फिर उसी तरीके से जस्ट का तस सड़क गड्ढों व धूल में पड़ा हुआ है। शहर जिला कांग्रेस कमेटी के डॉ खूबचंद बघेल ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में भाठागांव की जर्जर सड़क का निर्माण समय पर नहीं होना कही न कही भाजपा सरकार की नाकामी को दिखाता है। साथ

ही इस सड़क पर रोजाना सैकड़ों बसो का आना जाना, ट्रको का आना जाना लगा रहा है। कही न कही बारिश होने पर दुर्घटना को दावत देने जैसा है हम भाजपा के निकम्मी सरकार से माँग करते है कि सड़क का निर्माण जल्द से जल्द पूरा किया जाय और जनता को आवागमन से राहत दे। रोड का काम जल्द चालू नहीं किया जाता तो कांग्रेस पार्टी रोड पर उतरकर आम जनों के साथ चक्का जाम कर उग्र आंदोलन करेगा।

और हाल ही अब स्कूल की बसों का भी आना जाना लगा रहता है आम जनता भी परेशान है कही न कही बारिश होने पर दुर्घटना को दावत देने जैसा है हम सरकार से माँग करते है सड़क का निर्माण जल्द ही पूरा किया जाय और जनता को आवागमन से राहत दे

शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन ने बताया कि यह भाजपा की नव इंजन की अंधी बहरी सरकार को ढाई साल हो गए हैं लेकिन यहां भाटा गांव के अति व्यस्त सड़क को आज दिनांक तक नहीं बना पाए है। परसा दिन का महापौर इनका एम आई सी मेंबर इन का विधायक इनका सांसद इनका मुख्यमंत्री इनका प्रधानमंत्री उनके तमाम हरकंडे सब इन्हीं के है इसके बाद भी नाटकों के रोड को नहीं बन पा रहे ऐसी सरकार को चुल्लू भर पानी में डूब बनना चाहिए और जितने भी बीजेपी के जनप्रतिनिधि है उनको चुल्लू भर पानी में डूब मरना । साथ ही इस रोड का काम जल्दी चालू नहीं किया जाता तो हम लोगों के द्वारा उम्र आंदोलन कर चक्का जाम किया जाएगा।

रायपुर में कांग्रेस का 10 दिवसीय महाशिविर, राहुल गांधी होंगे शामिल

रायपुर। छत्तीसगढ़ कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की तैयारी की घोषणा की गई है। इसी कड़ी में 21 जून से 30 जून 2026 तक संगठन सृजन अभियान के तहत जिला शहरी और कांग्रेस अध्यक्षों की नियुक्ति के लिए रायपुर में 10 दिव्य प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी भी एक दिन शामिल होकर संगठन को मजबूत करने के गुरु सिखाएंगे। अखिल भारतीय कांग्रेस समिति (एआईसीसी) के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने इस संबंध में जारी पत्र में सभी जिला एवं शहर कांग्रेस अध्यक्षों को प्रशिक्षण शिविर में अनिवार्य रूप से शामिल करने के निर्देश दिए हैं। शिविर का आयोजन रायपुर के स्थित अग्नियोतम अलका अवतार मंगल भवन में किया जाएगा।

राहुल गांधी संगठन का पाठ

एआईसीसी के पत्र के अनुसार राहुल गांधी ने शिविर में शामिल होने की सहमति दी है। वे प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान एक दिन में शामिल होने के लिए जिले, जिले, बूथ प्रबंधन और रणनीति पर दिशानिर्देश जारी किए जाते हैं।

कांग्रेस हाईकमैन ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी, विधायक दलों के नेताओं, सचिवों और वरिष्ठ पदाधिकारियों को शिविर में मुख्य समय निर्देश के निर्देश दिए हैं।

संपादकीय

कोकरोच पार्टी, टूलकिट और जेन-जी को भड़काने का षड्यंत्र – परदे के पीछे कौन?

डॉ. प्रियंका सौरभ

आज का युग सूचना और संचार का युग है। इंटरनेट, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने विचारों के आदान-प्रदान को अभूतपूर्व गति प्रदान की है। एक समय था जब जनमत बनाने का काम अखबारों, पत्रिकाओं और टेलीविजन तक सीमित था, लेकिन अब एक साधारण मोबाइल फोन और इंटरनेट कनेक्शन के माध्यम से कोई भी व्यक्ति लाखों लोगों तक अपनी बात पहुँचा सकता है। इस परिवर्तन ने लोकतांत्रिक संवाद को नई शक्ति दी है, परंतु इसके साथ ही नई चुनौतियाँ भी उत्पन्न हुई हैं। इन्हीं चुनौतियों के बीच कुछ नए शब्द और अवधारणाएँ जन्म लेती हैं जो धीरे-धीरे सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बन जाती हैं। हाल के वर्षों में 'कोकरोच पार्टी' ऐसा ही एक शब्द बनकर उभरा है, जिसने सोशल मीडिया की भाषा में अपनी जगह बना ली है।

यह शब्द किसी औपचारिक राजनीतिक दल का नाम नहीं है, बल्कि एक प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति के रूप में प्रयुक्त होता है। इसका उपयोग उन समूहों, अभियानों या ऑनलाइन गतिविधियों के लिए किया जाता है जो अचानक किसी मुद्दे को लेकर अत्यधिक शोर-शराबा पैदा करते दिखाई देते हैं। सोशल मीडिया पर वायरल होने वाली पोस्ट, मीम, वीडियो और ट्रेंडिंग हैशटैग अक्सर इस शब्द के साथ जोड़े जाते हैं। कई लोग इसे एक संगठित डिजिटल अभियान का हिस्सा मानते हैं, जबकि कुछ इसे केवल सामाजिक और राजनीतिक प्रतिक्रियाओं का स्वाभाविक परिणाम समझते हैं। यही कारण है कि इस विषय पर गंभीर चर्चा की आवश्यकता

महसूस होती है।

सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि सोशल मीडिया का कार्य करने का तरीका पारंपरिक मीडिया से भिन्न है। यहाँ किसी भी सामग्री की सफलता उसके तथ्यात्मक मूल्य से अधिक उसके भावनात्मक प्रभाव पर निर्भर करती है। यदि कोई पोस्ट लोगों को क्रोधित, भयभीत, उत्साहित या भावुक कर देती है तो उसके वायरल होने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। यही कारण है कि छोटे-छोटे मुद्दे कभी-कभी विशाल सार्वजनिक बहस का रूप ले लेते हैं। एल्गोरिद्म भी ऐसी सामग्री को बढ़ावा देते हैं जो अधिक प्रतिक्रियाएँ उत्पन्न करती है। परिणामस्वरूप कई बार वास्तविक समस्याएँ पीछे छूट जाती हैं और भावनात्मक शोर प्रमुख स्थान ले लेता है।

मनोविज्ञान के विशेषज्ञ बताते हैं कि मनुष्य तथ्यों की तुलना में कथाओं से अधिक प्रभावित होता है। यदि किसी घटना को एक आकर्षक कहानी या नैरेटिव में प्रस्तुत कर दिया जाए तो लोग उसे आसानी से स्वीकार कर लेते हैं। डिजिटल अभियानों में इसी सिद्धांत का उपयोग किया जाता है। किसी छोटी घटना को व्यापक सामाजिक अन्याय, राजनीतिक षड्यंत्र या सांस्कृतिक संघर्ष के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। इसके बाद लोग बिना गहराई से जाँच किए उस नैरेटिव के पक्ष या विपक्ष में खड़े हो जाते हैं। यही प्रक्रिया कई बार भीड़-मानसिकता को जन्म देती है।

इसी संदर्भ में 'टूलकिट' शब्द चर्चा में आया। सामान्यत: टूलकिट किसी अभियान को संचालित करने के लिए तैयार की गई निर्देशिका होती है। इसमें सुझाए गए हैशटैग, पोस्ट के नमूने, प्रचार सामग्री, वीडियो लिंक, संपर्क सूत्र और कार्यक्रमों की जानकारी शामिल हो सकती है। यह कोई नई अवधारणा नहीं है। सामाजिक आंदोलनों, गैर-सरकारी संगठनों, राजनीतिक दलों और नागरिक अभियानों द्वारा लंबे समय से ऐसे दस्तावेज़ तैयार किए जाते रहे हैं। डिजिटल युग में इनकी पहुँच और प्रभाव दोनों बढ़ गए हैं।समस्या तब उत्पन्न होती है जब किसी टूलकिट का उद्देश्य केवल जागरूकता फैलाने तक सीमित न रहकर लोगों की भावनाओं को भड़काना या समाज में ध्रुवीकरण बढ़ाना प्रतीत होता है। ऐसे मामलों में आरोप लगाए जाते हैं कि किसी विशेष समूह या शक्ति द्वारा संगठित रूप से जनमत को प्रभावित करने का प्रयास किया जा रहा है। हालांकि यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि हर टूलकिट को साजिश का दस्तावेज़ मान लेना उचित नहीं होगा। कई बार ये केवल अभियान प्रबंधन के सामान्य उपकरण होते हैं। इसलिए किसी भी दस्तावेज़ या अभियान का मूल्यांकन उसके उद्देश्य, सामग्री और प्रभाव के आधार पर किया जाना चाहिए।

जेन-जी अर्थात वर्तमान युवा पीढ़ी इस पूरे विमर्श के केंद्र में दिखाई देती है। यह पीढ़ी डिजिटल दुनिया में जन्मी और पली-बढ़ी है।

विश्व फुटबॉल के नक्शे में भारत कहाँ?

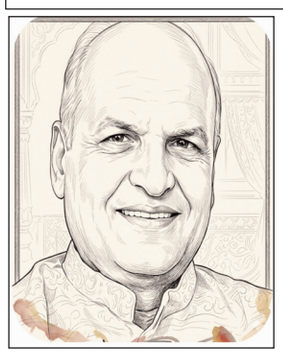

गिरीश पंकज

140 करोड़ से अधिक की आबादी वाला देश है भारत लेकिन जब कभी वैश्विक स्तर पर फुटबॉल खेल की बात होती है, तो भारत का नाम वहां न देखकर बड़ी पीड़ा होती है. इस मामले में न केवल पूरे देश को वरन वर्तमान सरकार को भी आत्म मंथन करना चाहिए कि आखिर क्या कारण है कि हमारे खिलाड़ी फुटबॉल में वैश्विक स्तर पर क्यों नहीं पहुंच पाए? हमारा देश अभी उस लायक क्यों नहीं बना कि फुटबॉल की वैश्विक प्रतियोगिता में हिस्सा ले सके? छोटे-छोटे देश जैसे परागवे भी फीफा वर्ल्ड कप में खेल रहे हैं, इसकी आबादी सत्तर लाख के आसपास है. हैरत होती है यह देख कर कि कुराकोआ की आबादी डेढ़ लाख है,आइसलैंड की आबादी साढ़े तीन लाख है.अंगुइल्ला की आबादी सोलह हजार, जिब्राल्टर की आबादी तो मात्र चौतीस हजार है. मतलब भारत जैसे देश के उपनगर या किसी मोहल्ले जैसी आबादी वाले देश भी हैं, जो 'फीफा' के हिस्से हैं, और हम कहां खड़े हैं. हम महज मैच दर्शक बने हुए हैं? यह समझ जा सकता है लेकिन रोना रोने के बजाय अब यह संकल्प लेने का समय आ गया है कि हम क्रिकेट पर पूरा फोकस देने के बजाय, आने वाले समय में फुटबॉल के वैश्विक स्तर के खिलाड़ी तैयार करने में लगाएँ. ऐसा नहीं है कि इस महादेश में से हम माराडोना, पेले आदि की तरह आगे बढ़ रहे मेसी, रोनाल्डो, हॉलैंड, नेमार, एम्बापे जैसे खिलाड़ी पैदा न कर सकें. लेकिन इसके लिए मेहनत करनी होगी. गांव-गांव सर्वे करना होगा और प्रतिभाशाली फुटबॉल खिलाड़ी तैयार करने होंगे.उन्हें गोद लेकर हर तरह कई की सुविधा मुहैया करानी होगी, तब कहीं जाकर हम अच्छे फुटबाल खिलाड़ी तैयार कर सकेंगे.

दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन रहा भारत फुटबॉल में क्यों फिसड्डी है, जबकि इस देश पर जो फुटबॉल को लेकर जुनून कम नहीं है.पश्चिम बंगाल में मोहन बागान जैसी संस्था वर्षों से फुटबॉल खिला रही है. वहां मैच होते रहे हैं. बंगाल में फुटबॉल का क्रेज़ है इसलिए वहां फुटबॉल को लेकर उपन्यास लिखे गए. मति नंदी जैसे बड़े लेखक के फुटबाल केंद्रित उपन्यास 'स्ट्राइकर' और स्टापर' के अनुवाद (स्व. परितोष चक्रवर्ती) मैंने धारावाहिक रूप में 'सद्भावना दर्पण' में प्रकाशित भी किए थे. ?क्रिकेट के महासागर में गोते लगाने वाले इस देश में फुटबॉल की स्थिति आज एक ऐसे मोड़ पर है, जहां समृद्ध इतिहास का गौरव भी है, वर्तमान की कठिन प्रशासनिक व तकनीकी चुनौतियां भी हैं, और भविष्य की असीम संभावनाएं भी. ?यदि आज के तकनीकी और वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखें, तो जून 2026 की ताजा 'फीफा' रैंकिंग में भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम 138वें स्थान पर है. पिछले कुछ समय में टीम की रैंकिंग में गिरावट आई है, जो यह दर्शाती है कि वैश्विक स्तर पर टिकने के लिए हमें अभी एक लंबी और कठिन यात्रा तय करनी है. एशियाई फुटबॉल संघ में भारत इस समय शीर्ष छब्बीस देशों की सीमा रेखा पर संघर्ष कर रहा है. यह स्थिति इसलिए भी चिंताजनक है कि यदि हम थोड़ा और नीचे खिसके, तो विश्व कप 2030 के क्वालिफायर में सीधे प्रवेश के बजाय हमें कठिन नॉकआउट दौर से गुजरना पड़ सकता है.

ऐसा नहीं है कि इस देश में अंतरराष्ट्रीय स्तर के फुटबॉल खिलाड़ी नहीं रहे. सुनील छेत्री, बाइचुंग भूटिया, चुनी गोस्वामी, आई एम विजयन, पीके बैनर्जी, गुरप्रीत सिंह संधू जैसे खिलाड़ियों के नाम हम जानते ही हैं. सुनील छेत्री भारत के अब तक के सबसे सफल और महान फुटबॉलर हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सर्वाधिक गोल किए हैं और सबसे ज्यादा मैच खेले हैं।.उन्हें 'कैप्टन फैंटास्टिक' के नाम से भी जाना जाता है. भूटिया 'सिक्किमी स्नाइपर' के नाम से मशहूर है. चुनी गोस्वामी को हम कैसे भूल सकते हैं जिन्होंने 1962 के एशियाई खेलों में भारत को स्वर्ण पदक दिलाया था. ऐसे और भी बड़े खिलाड़ी रहे होंगे लेकिन उसके लिए हमें मेहनत करनी होगी भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की तरह भारतीय फुटबॉल कंट्रोल बोर्ड जैसी संस्था को मजबूत करना होगा. उसे ईमानदारी के साथ पूरे देश में फुटबॉल खिलाड़ी खोजने की महिम तेज करनी और जो भी प्रतिभाशाली खिलाड़ी नजर आए उसे गोद लेना होगा. उस पर रकम खर्च करनी होगी. लेकिन दुर्भाग्य यही है कि ऐसा बोर्ड बनेगा तो सारे पैसे भ्रष्टाचार में खत्म हो जाएंगे. फुटबॉल जोखिम भरा खेल है, इसलिए बड़े समृद्ध घर के नाजुक किस्म के नौजवान इस खेल में इतनी रुचि नहीं लेते इसलिए फुटबॉल खिलाड़ियों को खोजने हमें गांव-गांव जाना होगा. वहां हमें अच्छे खिलाड़ी मिल सकते हैं. जैसे इस देश में क्रिकेट को लेकर आईपीएल हो रहे हैं, उसी तर्ज पर फुटबॉल को लेकर भी खेल

प्रतियोगिताएं होनी चाहिए. अगर ऐसा हो सका तो भविष्य में कुछ अच्छे फुटबॉलर तैयार हो सकेंगे. फिलहाल तो फुटबॉल को लेकर बेहद निराशाजनक स्थिति है. वैसे 'खेलो इंडिया' अभियान के तहत अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ का ध्यान अब 8 से 12 वर्ष की आयु के बच्चों पर केंद्रित हुआ है। देशभर में बने 'खेलो इंडिया सेंटर्स' निचले स्तर से प्रतिभाओं को तराशने का काम कर रहे हैं.इसके परिणाम कब तक आएंगे, कहना मुश्किल है. भारतीय महिला फुटबॉल टीम भी लगातार अपनी छाप छोड़ रही है. लेकिन यह सब शौकिया बनकर न रह जाए. भारत के बड़े-बड़े उद्योगपतियों पर यह दबाव बनाना चाहिए कि वह क्रिकेट के साथ ही फुटबॉल और हॉकी को भी प्रमोट करें. भारत ने हॉकी के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर नाम कमाया है. ध्यानचंद जैसे बड़े खिलाडियों को हम गर्व से याद करते हैं. आज भी हमारे हॉकी खिलाड़ी दुनिया में अपना नाम रोशन करते रहे हैं. अब समय आगे है कि हॉकी से भी ज्यादा फोकस हम फुटबॉल पर करें. अगर ईमानदारी और समर्पण के साथ एक लक्ष्य लेकर यह देश चले तो आने वाले समय में इस देश से भी महान फुटबॉलर पैदा हो सकते हैं. विभिन्न क्षेत्रों में हम प्रतिभाएं खोजते हैं,प्रतिभा खोज प्रतियोगिताएं होती हैं, अगर फुटबॉल के क्षेत्र में भी प्रतिभा खोज स्पर्धा निरंतर की जाए तो यहां से भी वैश्विक स्तर के खिलाड़ी मिल सकते हैं. शुरुआत स्कूलों से करनी होगी. खेल का एक पीरियड निर्धारित करके फुटबॉल में रुचि रखने वाले खिलाड़ियों का चयन करना होगा. हो सकता है ऐसे अनेक बच्चे सामने आएँ जो पढ़ने में रुचि न रखते हों,लेकिन फुटबॉल खेलने में माहिर हों. ऐसे बच्चों का चयन करके उन्हें फुटबॉल खिलाड़ी के रूप में ही विकसित किया जाए. उन पर सरकार खर्च करे. फुटबॉल या हॉकी खेलने के लिए बहुत बड़ी डिग्री की आवश्यकता नहीं है. इसे हम भूल जाएँ.इस नब्बे मिनट के खेल के लिए शरीर में ऊर्जा, चपलता की आवश्यकता होती है, इस दृष्टि से चयन करना होगा. न केवल फुटबॉल, हॉकी वरन अन्य दूसरे खेलों के लिए भी हमें इसी सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

ममता दीदी और उनकी मुश्किलें

महेन्द्र तिवारी

पश्चिम बंगाल की राजनीति में साल 2026 एक अभूतपूर्व और ऐतिहासिक उलटफेर के गवाह के रूप में दर्ज हो चुका है। लगातार 15 वर्षों तक राज्य की सत्ता पर एकछत्र राज करने वाली तृणमूल कांग्रेस और उसकी सर्वोच्च नेता ममता बनर्जी आज अपने संपूर्ण राजनैतिक सफर के सबसे अंधकारमय और कठिन दौर से गुजर रही हैं। हाल ही में संपन्न हुए 2026 के विधानसभा चुनावों में मिली करारी हार ने न केवल इस क्षेत्रीय दल को सत्ता के गलियारों से बेदखल कर दिया है, बल्कि ममता बनर्जी के अपराजेय होने के उस मिथक को भी हमेशा के लिए तोड़ दिया है जो पिछले डेढ़ दशक से बंगाल की धरती पर कायम था। वर्ष 2011 में वामपंथ के 34 साल पुराने अभेद्य किले को ढहाकर सत्ता के शीर्ष पर पहुंचने वाली ममता बनर्जी के लिए यह पराजय केवल एक चुनावी शिकस्त नहीं है। यह उनके द्वारा खड़े किए गए राजनैतिक साम्राज्य के बिखरने की एक शुरुआत जैसी प्रतीत हो रही है। सत्ता हाथ से फिसल जाने के बाद जो संकट अमूमन हर उस प्रांतीय दल के सामने आता है जिसकी कमान एक ही चेहरे के हाथ में हो, वह आज तृणमूल कांग्रेस के सामने बेहद आक्रामक और विनाशकारी रूप में आकर खड़ा हो गया है।

चुनावी नतीजों के आने के तुरंत बाद पार्टी के भीतर असंतोष का जो ज्वालामुखी पिछले कई महीनों से सुलग रहा था, वह अब पूरी तरह से फट चुका है। राजनैतिक हलकों और पार्टी के आंतरिक सूत्रों से आ रही प्रामाणिक खबरें यह साफ संकेत देती हैं कि वर्तमान समय में लगभग 50 विधायक और कई वरिष्ठ सांसद पूरी तरह से बगावती रुख अख्तियार कर चुके हैं। तृणमूल कांग्रेस के 28 साल के इतिहास में यह अब तक का सबसे बड़ा और आत्मघाती आंतरिक संकट माना जा रहा है। सत्ता के जाते ही विधायकों और सांसदों का यह विशाल धड़ा पार्टी आलाकमान के हर फैसले पर खुलेआम उंगलियां उठा रहा है। कई ऐसे वरिष्ठ नेता जो कल तक मुख्यमंत्री के सबसे भरोसेमंद सिपहसालार और संकटमोचक हुआ करते थे, वे अब ममता बनर्जी का साथ छोड़कर अपनी नई राजनैतिक राह तलाश रहे हैं। सुदीप बंदोपाध्याय जैसे अत्यंत कद्दावर और पुराने नेताओं के बगावती सुरों ने इस संकट को और अधिक गहरा तथा संवेदनशील बना दिया है, क्योंकि वे एक लंबे अरसे से देश की संसद में पार्टी के संसदीय दल के नेता के रूप में तृणमूल कांग्रेस का सबसे प्रमुख चेहरा रहे हैं। पार्टी के इस तीव्र बिखराव ने ममता बनर्जी की राजनैतिक प्राथमिकताओं को पूरी तरह से बदल दिया है, क्योंकि एक विपक्षी नेता के रूप में जनता के बीच अपनी खोई हुई जमीन दोबारा तलाशने से पहले उन्हें अपने बिखरते हुए घर को संभालने की अत्यंत दुरूह चुनौती का सामना करना पड़ रहा है।

इस बड़े विद्रोह और असंतोष के पीछे केवल सत्ता चले जाने की हताशा ही एकमात्र कारण नहीं है, बल्कि पार्टी के भीतर समानांतर रूप से लंबे समय से चल रहा अंदरूनी सत्ता संघर्ष भी इसका मुख्य आधार है।

यह गहरा वैचारिक और व्यावहारिक संघर्ष असल में पार्टी की पुरानी और नई पीढ़ी के बीच का है। एक तरफ ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व वाली नई और युवा पीढ़ी है जो पार्टी के पूरे तंत्र को आधुनिक, तकनीकी और पूरी तरह से व्यावसायिक तरीके से संचालित करना चाहती है। वहीं दूसरी तरफ वे पुराने, पारंपरिक और अनुभवी नेता हैं जिन्होंने जमीनी स्तर पर संघर्ष करके इस पार्टी को खड़ा किया था।

बोध कथा

मैं किसी को दुःख या सुख नहीं देता वो तो इंसान अपनी करनी से पाता है

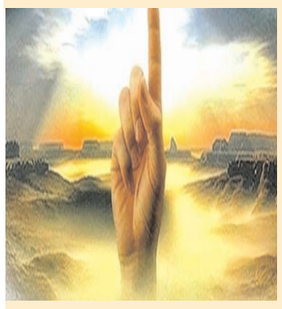

एक बार लक्ष्मी और नारायण धरा पर घूमने आए,कुछ समय घूम कर वो विश्राम के लिए एक बगीचे में जाकर बैठ गए।नारायण आंख बंद कर लेट गए,लक्ष्मी जी बैठ नज़ारे देखने लगीं।

थोड़ी देर बाद उन्होंने देखा एक आदमी शराब के नशे में धुत गाना गाते जा रहा था,उस आदमी को अचानक ठोकर लगी, ...तो उस पत्थर को लात मारने और अपशब्द कहने लगा,लक्ष्मी जी को बुरा लगा, अचानक उसकी ठोकरों से पत्थर हट गया,वहां से एक पोटली निकली उसने उठा कर देखा तो उसमें हीरे जवाहरात भरे थे,वो खुशी से नाचने लगा और पोटली उठा चलता बना।लक्ष्मी जी हैरान हुई,उन्होंने पाया ये इंसान बहुत झूठा,चोर और शराबी है। सारे ग़लत काम करता है,इसे भला ईश्वर ने कृपा के काबिल क्यों समझा,उन्होंने नारायण की तरफ देखा,मगर वो आंखें बंद किये मगन थे।तभी लक्ष्मी जी ने एक और व्यक्ति को आते देखा,बहुत ग़रीब लगता था,मगर उसके चेहरे पे तेज़ और खुशी थी,कपडे साफ़ मगर पुराने थे,तभी उससे व्यक्ति के पांव में एक बहुत बड़ा शूल यानि कांटा घुस गया,खून के फव्वारे बह निकले, उसने हिम्मत कर उस कांटे को निकाला,पांव में गमछा बाँधा,प्रभु को हाथ जोड़ धन्यवाद दे लंगड़ाता हुआ चल दिया। इतने अच्छे व्यक्ति की ये दशा। उन्होंने पाया नारायण अब भी आँख बंद किये पड़े हैं मज़े से।

व्यंग्य केसरी

संतरों पर मातम, गैस पर ज्ञान

अशोक परुथी 'मतवाला'

अख़बार पढ़कर आज बनिया राधेश्याम का दिल बैठ गया। खबर थी कि घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम फिर बढ़ गए हैं। अख़बार ने बड़े प्रेम से समझाया कि अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियाँ, पश्चिम एशिया का तनाव, समुद्री मार्गों की बाधाएँ, वैश्विक मूल्य वृद्धि वगैरह-वगैरह के कारण यह बढ़ोतरी अपरिहार्य थी।

राधेश्याम ने माथा खुजाया। वह संतरे बेचता है।

इस साल नागपुर में संतरे के पौधों को बीमारी लग गई। सरकार ने संक्रमण रोकने के लिए दूसरे राज्यों में संतरे भेजने पर रोक लगा दी। अब मध्यप्रदेश से संतरे आ तो रहे हैं, लेकिन ऊँट के मुँह में जीरे के बराबर। फलस्वरूप संतरे महंगे हो गए।

राधेश्याम सोच में पड़ गया।

'अगर गैस महंगी होने पर सरकार कहती है कि अंतरराष्ट्रीय हालात जिम्मेदार हैं, तो क्या मैं भी ग्राहकों को यही समझाऊँ?'

दूसरे दिन दुकान पर ग्राहक आया।

'क्या बात है राधेश्याम, संतरे 180 रुपये किलो?'

राधेश्याम ने गंभीर चेहरा बनाया।

'भाई साहब, नागपुर संकट, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला, समुद्री व्यापार में व्यवधान, अंतरराष्ट्रीय बागवानी तनाव और मध्यप्रदेश की सीमित उपलब्धता के कारण यह वृद्धि आवश्यक है।'

ग्राहक बोला, 'लेकिन मैं तो चंडीगढ़ में खड़ा हूँ!'

राधेश्याम मुस्कुराया, 'गैस लेते समय भी आप दिल्ली में नहीं खड़े होते, फिर भी वैश्विक कारण सुन लेते हैं।'

ग्राहक नाराज़ होकर चला गया।

शाम को अख़बार वाला आया। उसने सलाह दी, 'राधेश्याम जी, ग्राहकों को समझाइए। बाज़ार की मजबूरियाँ हैं।'

राधेश्याम बोला, 'तो क्या मैं संतरे के दाम बढ़ाकर अख़बार में विज्ञापन दे दूँ कि दुनिया में सबसे सस्ते संतरे मैं ही बेच रहा हूँ?'

अख़बार वाला चुप।

अगले दिन राधेश्याम ने दुकान पर नया बोर्ड लगा दिया— 'संतरों की कीमत बढ़ने पर कुएँ में कूदने की आवश्यकता नहीं है।

ग्राहक चाहें तो केले, अमरूद अथवा कल्पनाशक्ति का सेवन करें।'

कुछ ग्राहकों ने इसे व्यंग्य समझा, कुछ ने सरकारी परामर्श।

फिर उसने दूसरा बोर्ड लगाया— 'संतरे महंगे होने का लाभ आपको यह मिलेगा कि आप कम खरीदेंगे और स्वास्थ्य बेहतर रहेगा।'

यह पढ़कर एक बुज़ुर्ग बोले, 'बेटा, यही तर्क सरकार को भी भेज दे।'

राधेश्याम ने कहा, 'भेज चुका हूँ। जवाब आया है कि मैं आर्थिक नीति समझने की कोशिश न करूँ। 'असल समस्या यह नहीं कि गैस महंगी हुई या संतरे महंगे हुए। समस्या यह है कि जब दाम बढ़ते हैं तो जनता से कहा जाता है कि वह अर्थशास्त्र समझे, भू-राजनीति समझे, वैश्विक बाज़ार समझे, समुद्री व्यापार समझे। लेकिन जब जनता पूछती है कि उसकी जेब क्यों खाली हो रही है, तब उसे केवल इतना समझाया जाता है कि सब कुछ उसके ही हित में हो रहा है।

उधर राधेश्याम अब भी ज़िंदा है। उसने न कुएँ में छलांग लगाई, न संतरे बेचना छोड़ा।

हाँ, उसने एक नया नियम ज़रूर बना लिया है— जब भी कोई ग्राहक महंगाई की शिकायत करता है, वह अख़बार की कटिंग दिखाकर कहता है, 'भाई साहब, संतरे हों या सिलेंडर—दाम बढ़ाने वाला हमेशा मजबूर होता है, और भुगतान करने वाला हमेशा देशहित में सहयोग कर रहा होता है!'

विक्टोरिया, टेक्सास, USA

इतिहास

14 जून के इतिहास की प्रमुख घटनाओं में साल 1982 में अर्जेंटीना द्वारा ब्रिटिश सेना के सामने आत्मसमर्पण करने के साथ फॉकलैंड्स युद्ध का समाप्त होना शामिल है। इसके अतिरिक्त, 1940 में आज ही के दिन जर्मन सेना ने पेरिस पर कब्ज़ा कर लिया था, और 1949 में 'अल्बर्ट II' नामक रीसस बंदर अंतरिक्ष में जाने वाला पहला जीव बना था।इतिहास की अन्य प्रमुख घटनाओं का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है:1919: ब्रिटिश विमानचालकों जॉन अल्काक और आर्थर ब्राउन ने पहली बार नॉन-स्टॉप अटलांटिक उड़ान शुरू की थी, जिसे उन्होंने 16 घंटे से भी कम समय में पूरा किया था।1907: प्रसिद्ध क्रांतिकारी सोहन सिंह भाकना का जन्म हुआ था।2002: '2002 MN' नामक एक बहुत बड़ा क्षुद्रग्रह (Asteroid) पृथ्वी के अत्यंत करीब से गुज़रा था।

संक्षिप्त खबरें

अवैध शराब केस में बंद कैदी की मौत, अस्पताल में हंगामा

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में अवैध शराब बेचने के केस में जेल में बंद विचाराधीन कैदी की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। शनिवार को अचानक तबीयत बिगड़ने पर उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। घटना के बाद नाराज परिजनों ने अस्पताल में जमकर हंगामा किया। इस दौरान वहां हल्की धक्का-मुक्की भी हुई। परिजनों का आरोप है कि जेल में युवक के साथ मारपीट की गई थी, जिसके कारण उसकी हालत बिगड़ी। पुलिस ने शव को देखने भी नहीं दिया। मृतक के पिता ने कहा कि सामाजिक कार्यक्रम से पुलिस ने 2 लोगों को पकड़ा था। दूसरे युवक को 40 हजार लेकर छोड़ दिया गया। वहीं पैसे नहीं देने पर बेटे को पुलिस पकड़कर ले गई थी। वहीं, पुलिस ने रिश्तेदारों के आरोपों को गलत बताया है। परिजनों ने मामले की न्यायिक जांच कराने, दोषियों के खिलाफ कार्रवाई और पीड़ित परिवार को 1 करोड़ मुआवजा देने की मांग की है। परिजनों का आरोप है कि जेल में हुई मारपीट के कारण संजय बघेल की मौत हो गई। दरअसल, 10 जून को कोतरारोड थाना क्षेत्र के नवापारा गांव निवासी संजय बघेल (28) को अवैध शराब बिक्री के मामले में पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा था। शनिवार सुबह जेल में उसकी तबीयत खराब हो गई। इसके बाद जेल प्रशासन ने उसे फौरन रायगढ़ मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में इलाज के दौरान दोपहर में उसकी मौत हो गई, जिसकी खबर मिलते ही रिश्तेदार और ग्रामीण अस्पताल पहुंच गए। उन्होंने अचानक हुई मौत पर सवाल उठाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। रिश्तेदारों का आरोप है कि जेल में संजय बघेल के साथ मारपीट की गई थी, जिसके कारण उसकी मौत हुई।

फ्रूटी के 10 रुपये पैकेट में मिली छिपकली, बच्ची की तबीयत बिगड़ी

धमतरी। 10 रुपए के फ्रूटी के पाउच में 3 इंच लंबा छिपकली की चमड़ी मिलने से जिले के करेली बड़ी में हड़कंप मच गया है। फ्रूटी का सेवन कर चुकी दो साल की बच्ची की तबीयत बिगड़ गई और उसे आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसकी हालत फिलहाल खतरे से बाहर बताई जा रही है। इस मामले ने खाद्य सुरक्षा और पैकेज्ड पेय पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वहीं परिजनों ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। इधर इस मामले में अभी तक जिम्मेदार अधिकारियों के बयान सामने नहीं आए है। प्राप्त जानकारी के अनुसार परिजनों ने स्थानीय दुकान से 100 एमएल का 10 रुपये वाला फ्रूटी पाउच खरीदा था और उसे दो साल की बच्ची ने पेय पदार्थ का कुछ हिस्सा पीया ही था कि उसकी तबीयत खराब होने लगी। परिजनों ने जब पाउच की जांच की तो उसके भीतर करीब 3 इंच लंबा संदिग्ध छिपकली की चमड़ी दिखाई दिया। इसके बाद बच्ची को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने त्वरित उसका इलाज शुरु किया और बाहर हालत फिलहाल खतरे से बाहर बताई जा रही है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार बच्ची की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है।

जमीन में गड़ा खजाना पाने बलि देने की आशंका, बलौदाबाजार में 8 मौतें

कब्र खोदकर निकाली गई लाश, जांच शुरू

बलौदाबाजार। जिले के एक गांव में पिछले कुछ महीनों में 8 लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। आरोप है कि गांव के एक व्यक्ति ने शराब में जहर मिलाकर इन लोगों को पिलाया, जिससे उनकी मौत हुई है।

मामला कसडोल थाना क्षेत्र के खरवे गांव का है। शनिवार को पुलिस और प्रशासन की टीम ने एक कब्र खोदकर शव को बाहर निकाला और जांच के लिए सैंपल लिए। पीड़ित परिवारों की शिकायत के आधार पर प्रशासन ने यह कार्रवाई की है।

पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम और फॉरेंसिक जांच रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और ग्रामीणों से पूछताछ कर अलग-अलग पहलुओं की पड़ताल कर रही है।

ग्रामीणों के बीच यह चर्चा भी है कि आरोपी रामसाय जायसवाल जमीन में गड़े कथित खजाने (हंडा) को पाने के लिए लोगों की बलि दे रहा था। हालांकि, इस तरह की बातों की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

जानकारी के मुताबिक 14 मई को मेहतरू साहू (40) की संदिग्ध मौत हो गई, जिसके बाद रिश्तेदारों ने शव दफना दिया था। इस बीच शराब पीने से एक ग्रामीण की तबीयत बिगड़ गई। उसे अस्पताल ले जाया गया। इलाज के बाद उसकी तबीयत ठीक हो गई।

इसके बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण कसडोल थाना पहुंचे थे। उन्होंने लिखित शिकायत देकर आरोप लगाया कि फरवरी 2026 से लेकर 14 मई तक गांव के रामसाय जायसवाल ने कई लोगों को शराब पिलाई थी। इसके बाद एक-एक कर 8 लोगों की मौत हो गई।

इधर, मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस-प्रशासन की टीम शनिवार को महेतरू की कब्र तक पहुंची। इसके बाद मशीन की मदद से कब्र की खुदाई कर शव को बाहर निकाला गया और सैंपल लेकर जांच के लिए लैब भेजा गया। ग्रामीणों के मुताबिक मृतकों में बद्री पटेल, बुटालु साहू, छत्तूराम साहू, बुदलू जायसवाल, विनोद साहू, गजानन मांझी, चैतु साहू और महेतरू साहू शामिल हैं। महेतरू को छोड़ बाकियों की उम्र 40 से 50 साल के बीच थी। वहीं, इस मामले में ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

टैंकर व ट्रक की भिड़त में ड्राइवर घायल

जगदलपुर। जिले के बस्तर थाना क्षेत्र अंर्तगत नेशनल हाईवे 30 में कोसा सेंटर के सामने रविवार सुबह 5 बजे तेज रफ्तार टैंकर व ट्रक की आमने-सामने की भिड़त हो गई। हादसे में टैंकर व ट्रक दोनों के ड्राइवर घायल हो गये। इस घटना से लंबा जाम लग गया। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की मदद से बस्तर थाना पुलिस ने घायल दोनो ड्राइवरों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बस्तर में उपचार के लिए भर्ती करवाया गया। हादसे के बाद सड़क पर यातायात पूरी तरह बाधित हो गया था। पुलिस और ग्रामीणों की मदद से क्षतिग्रस्त ट्रकों को हटाकर सड़क मार्ग को बहाल किया गया। बस्तर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आज सुबह एक ट्रक जगदलपुर से रायपुर की ओर जा रहा था, जबकि टैंकर रायपुर की ओर से जगदलपुर की ओर आ रहा था। बस्तर के कोसा सेंटर के पास जैसे ही दोनों गाडिया़ आई, अचानक से दोनों वाहन चालकों के नियंत्रण बिगड़ गया और आमने-सामने भिड़त हो गई। इस घटना में ट्रक चालक फंस गया।

बैटरियों को ले जा रही गाड़ी पर चोरी का संदेह, जांच में जुटी पुलिस

कोरबा। कोरबा जिलांतर्गत पर्यावरण विभाग की टीम ने डी डीएम रोड पर एक मुखबिर सूचना के आधार पर नाकेबंदी कर करोड़ों रुपये की अवैध बैटरियों से भरी एक लॉरी को रंगे हाथों पकड़ लिया। जिले में पर्यावरण विभाग की ओर से अब तक सबसे बड़ा इस से अवैध लैपटॉप और सिंडीकेट बनाने वालों के खुलासे हुए हैं।

जानकारी के मुताबिक बैटरियों की कीमत करोड़ों रुपए बताई जा रही है। इन पुरानी और औद्योगिक बैटरियों को बिना किसी वैध दस्तावेज़, मिशन या सुरक्षा मानकों के खपाने की तैयारी थी।? आमतौर पर इस तरह के मामलों में स्थानीय पुलिस या खनिज विभाग कार्रवाई करता है, लेकिन इस बार पर्यावरण विभाग ने खुद कार्रवाई की है। विशेषज्ञ के अनुसार, इन बैटरियों में मौजूद लेड (सीसा) और खतरनाक एसिड पर्यावरण और जनस्वास्थ्य के लिए बेहद घातक होते हैं, जिनमें बिना किसी ठोस संरचना के अवशेष या रीसायकल करना संगीन अपराध की श्रेणी में शामिल है।

बताया जा रहा है कि विभाग को अधिकारिक जानकारी मिल गई थी टीम ने बिना वक्त गंवाए जाल बिछाया और गाड़ी को धरा विभाग अब गाड़ी के विवरण, पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के उल्लंघन और माल के दस्तावेजों की जांच कर रहा है। माना जा रहा है कि इस मामले में न केवल भारी-भरकम जुर्माना लगाया गया है, बल्कि सिंडिकेट से जुड़े कुछ रसूखदारों पर सीधे तौर पर दर्ज कर गैर-जमानती धारा के तहत जेल विभाग की तैयारी की जा रही है।

खनिज उत्खनन को लेकर कांग्रेस ने खोला मोर्चा

अंबिकापुर। अंबिकापुर में रामगढ़ संरक्षण एवं संवर्धन समिति द्वारा आयोजित परिचर्चा कार्यक्रम में बड़ा राजनीतिक और सामाजिक मुद्दा गरमाया। इस कार्यक्रम में पूर्व उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव ने आरोप लगाया कि छत्तीसगढ़ में कोल, बॉक्साइट और लौह अयस्क खदानों का तेजी से विस्तार हो रहा है और हसदेव-उदयपुर जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में प्राकृतिक संसाधनों की लूट बढ़ती जा रही है। उन्होंने कहा कि पहले जिन इलाकों में खनन को सीमित रखने की बात थी, वहां अब लगातार नई खदानें स्वीकृत हो रही हैं, जिससे रामगढ़ का अस्तित्व संकट में है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि आदिवासी क्षेत्रों में जल, जंगल और जमीन लगातार छीनी जा रही है और आम लोगों के विरोध पर कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने इसे पूंजीपतियों के हित में चल रही नीतियों का परिणाम बताया और पूरे प्रदेश में एकजुट आंदोलन की अपील की। यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रभारी मनीष शर्मा ने कहा कि देश में संसाधनों पर बड़े कॉर्पोरेट्स का दबाव बढ़ रहा है और जनता को अपने अधिकारों के लिए संगठित होना होगा। वहीं सर्व आदिवासी समाज के विनोद नागवंशी और सामाजिक कार्यकर्ता रमाकांत ने भी खनन विस्तार से पर्यावरण और किसानों मजदूरों पर पड़ रहे असर को लेकर चिंता जताई। हसदेव बचाव मंच के आलोक शुक्ला ने दावा किया कि केते एक्सटेंशन परियोजना में हजारों एकड़ जंगल प्रभावित होगा और लाखों पेड़ कटने की आशंका है, जिससे आने वाले समय में जल संकट और बढ़ सकता है।

सामान्य मौत को सांप का काटा बताकर 60 लाख डकारे

न्यायधानी में सर्पदंश मुआवजा महाघोटाला, 17 केस फर्जी

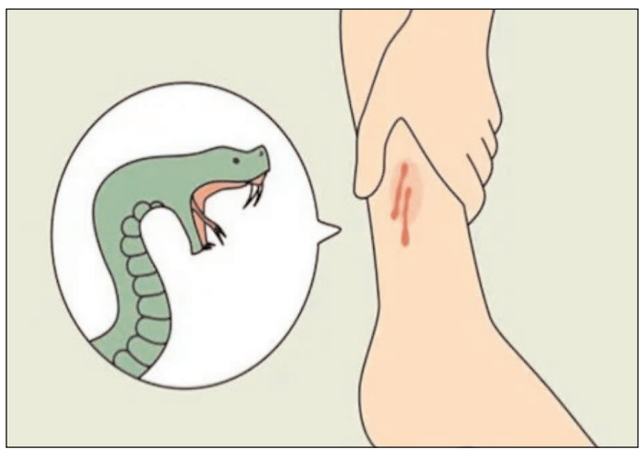

बिलासपुर। न्यायधानी बिलासपुर में सर्पदंश मुआवजा योजना में बड़ा घोटाला सामने आया है। डॉक्टरों और वकीलों ने मिलकर जहर सेवन और सामान्य मौतों को सांप के काटने से हुई मौत दिखाकर सरकारी खजाने से करीब 60 लाख रुपये हड़प लिए। जांच में 17 मामले पूरी तरह फर्जी पाए गए हैं। प्रशासन 15 से ज्यादा एफआईआर दर्ज कराने जा रहा है।

दलालों के नेटवर्क ने डॉक्टर, पुलिस विवेचना अधिकारी और वकीलों से साठगांठ कर फर्जी दस्तावेज तैयार किए। जहर खाकर आत्महत्या या सामान्य मौत को भी सर्पदंश में बदल दिया गया। फर्जी पोस्टमार्टम रिपोर्ट, अस्पताल में फर्जी भर्ती के कागज बनाकर जिला प्रशासन से मुआवजा ले लिया गया।

बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला ने विधानसभा में मामला उठाया था। इसके बाद सचिव स्तरीय जांच में संगठित भ्रष्टाचार की परतें खुलीं। फर्जी दस्तावेज तैयार कर सरकारी राहत राशि हड़पने के मामले में बिल्हा और सरकंडा थानों में पहले ही आपराधिक प्रकरण दर्ज किया जा चुका है। अब जांच का दायरा बढ़ने के साथ ही अन्य संबंधित थानों में भी एफआईआर दर्ज कराई जा रही है।

मजे की बात यह है कि नागलोक कहे जाने वाले जशपुर में सर्पदंश से सिर्फ 96 मौतें हुईं और 3 करोड़ मुआवजा बंटा। वहीं बिलासपुर में 431 मौतें दिखाकर 17 करोड़ से ज्यादा बांट दिए गए। इसी अंतर ने घोटाले की पोल खोल दी। नेता प्रतिपक्ष रहे धरमलाल कौशिक ने भी पीएम रिपोर्ट के आधार पर भुगतान की मांग की थी।

रैकेट सिम्स तक फैला

इस कार्रवाई की जद में कई डॉक्टर और वकील आएंगे। रैकेट सिम्स और जिला अस्पताल तक फैला है। बिल्हा और सरकंडा थानों में पहले ही केस दर्ज हो चुके हैं। अब अन्य थानों में भी एफआईआर होगी।

17 मामलों में फर्जीवाड़ा प्रमाणित

एसडीएम मनीष साहू ने बताया कि 17 मामलों में फर्जीवाड़ा प्रमाणित हो चुका है। सरकारी धन का दुरुपयोग करने वाले किसी को बख्शा नहीं जाएगा। डॉक्टरों, वकीलों और अन्य आरोपियों पर एफआईआर होगी।

फर्जी पाए गए ये सभी मामले

बिलासपुर जिले में अब तक हुई जांच में जिनकी मौतों को फर्जी तरीके से सर्पदंश से मौत का बता दिया गया था उनमें शिवकुमारी यादव तालापारा, सुनिता बाई सोनवानी तखतपुर, संतोष कुमार महमंद, कुंती बाई प्रजापति तालापारा, केशव कुमार कश्यप, सफीना बानो महमंद, भगत सिंह ठाकुर कोनी, बहोरन लाल जायसवाल खमतराई, शंकर साहू सरकंडा, अशोक कुमार खमतराई, शशि पाठक सरकंडा, राजू कुमार सरकंडा, निर्मला धृतलहरे, मनसुख लाल साहू, रामनारायण कैवर्त कोनी, लक्ष्मीन कुर्रे बोदरी, उर्वशी श्रीवास तखतपुर की मौत से जुड़ा जुड़ा है।

जमीन पर कब्जे के लिए थे 40 हजार, प्रधान आरक्षक निलंबित

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले से खाकी को दागदार करने वाला एक बड़ा मामला सामने आया है। यहां पैंटोरा पुलिस चौकी में प्रधान आरक्षक यानि हेड कांस्टेबल राकेश त्रिपाल को तुरंत प्रभाव से नौकरी से अलग कर दिया गया है। जमीन के एक विवाद में एक सीधे-साधे ग्रामीण से 40,000 रुपये की के नाम पर जमीन पर कब्जा करने का गंभीर आरोप लगाते हुए जिले के एसपी ने यह सख्त कार्रवाई की है।

यह मामला पूरा पंतोरा थाना बलौदा क्षेत्र का है। यहां के रहने वाले विकास देवांगन ने पुलिस के बड़े अधिकारियों से शिकायत लिखी थी. विकास ने बताया कि प्रधान रक्षक राकेश त्रिपाल ने उसकी जमीन पर कब्जा कर उसे खाली करा लिया था और इस काम को पूरा करने के बदले में 40 हजार रुपये की मोटी रकम वसूली थी। बड़ी बात यह है कि इस का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इस वीडियो में पैसे वाले हेड कांस्टेबल सरेआम लेते हुए दिख रहे हैं। यही नहीं, पैसे के नशे में आरक्षक वीडियो में यह चैलेंज भी देता है और है कि जाओ एसपी से मेरी शिकायत कर दो और मेरी पोस्ट लाइन अटैच करवा दो।

एसपी ने सबक सिखाया, लैपटॉप कर भेजा रक्षित केंद्र

वायरल वीडियो और पीड़ित ग्रामीण की लिखित शिकायत जब जांजगीर-चांपा के एसपी के पास पहुंची, तो उन्होंने इस पर कड़ा रुख अपनाया। पुलिस की छवि खराब करने वाले इस आचरण किए गए एसपी ने तत्काल आदेश जारी कर दिया। प्रधान आरक्षक राकेश त्रिपाल को रक्षित केंद्र विएत पुलिस लाइन जांजगीर भेजा गया है। सरकारी आदेश में कहा गया है, निलम्बन के इस दौरान पूरे समय के दौरान नियमों के तहत केवल जीवन निर्वाह भत्ता दिया जाएगा।

घर में मृत मिले पति-पत्नी, गले में फंदे के निशान

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में रविवार को दो अलग-अलग घटनाओं में 3 लोगों की मौत हो गई। पहली घटना भिलाई के वैशाली नगर इलाके की है, जहां पति-पत्नी अपने घर में मृत पाए गए। पहले कमरे में पत्नी का शव मिला, जबकि दूसरे कमरे में पति का शव नायलॉन की मोटी रस्सी से फांसी के फंदे पर लटका हुआ था।

दूसरा मामला धमधा क्षेत्र का है। यहां 23 साल के एक बेरोजगार युवक पेड़ पर फंदे से लटका मिला। युवक घर से बैग लेकर निकला और घरवालों से हैदराबाद जाने की बात कही। लेकिन कुछ घंटों बाद उसका शव धमधा स्थित मरचुरी से करीब आधा किलोमीटर दूर एक पेड़ पर लटका मिला।

पुलिस ने दोनों मामलों में जांच शुरू कर दी है और मौत के कारणों का पता लगाया जा रहा है। दोनों ही मामलों में आर्थिक तंगी से सुसाइड की आशंका जताई गई है।

भिलाई के वैशाली नगर थाना क्षेत्र के वृंदानगर कैंप-1 में जी वेंकटरमण मूर्ति (55) अपनी पत्नी जी विद्यावती (52) के साथ रहते थे। उनका एक लड़का भी है, जो ओडिशा में काम करता है। जी वेंकटरमण ऑटो चलाता था।

रविवार (14 जून) सुबह करीब 9 बजे वेंकटरमण मूर्ति की मां घर पहुंचीं। उन्होंने सामने वाले कमरे में बहू विद्यावती का शव देखा। इसके बाद अंदर के कमरे में बेटे वेंकटरमण मूर्ति का शव नायलॉन की रस्सी के फंदे से लटका मिला।

इसके बाद उसने अपने छोटे बेटे मदन राव को इस घटना की जानकारी दी, जिसके बाद परिवार के लोग मौके पर पहुंच गए। मदन राव ने इसकी सूचना वैशाली नगर थाने में दी।

मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। जांच के दौरान यह सामने आया कि महिला विद्यावती के गले पर लिगेचर मार्क (फंदे का निशान) मिला है।

बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने और कार्ययोजनाओं पर दिया गया जोर

जगदलपुर। भारतीय जनता पार्टी की बस्तर संभागीय बैठक व जिला कार्यसमिति की महत्वपूर्ण बैठक रविवार को संपन्न हुई। बैठक में संगठन की आगामी कार्ययोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई और आगामी कार्यक्रमों को बूथ स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने का संकल्प लिया गया। बैठक में मुख्य रूप से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव और प्रदेश के वन व सहकारिता मंत्री केदार कश्यप का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने कहा कि भाजपा की असली ताकत उसके जमीनी कार्यकर्ता और मजबूत बूथ नेटवर्क हैं। देव ने पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के लिए पूरी ऊर्जा के साथ जुट जाएँ। प्रदेश के वन व सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने अपने मार्गदर्शन में कहा कि सांगठनिक मजबूती के साथ-साथ विकास कार्यों और जनसेवा के संकल्प को हर घर तक ले जाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। श्री कश्यप ने विभाग और संगठन के समन्वय से कार्ययोजनाओं को धरातल पर उतारने पर जोर देते हुए कहा कि हमारी सरकार ने अपने कार्यकाल में विकास और जनकल्याण के मोर्चों पर तेजी से काम करके अटूट जनविश्वास अर्जित किया है। भाजपा प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन ने आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने विस्तृत चर्चा करते हुए प्रत्येक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी तय की और बूथ स्तर पर पार्टी की गतिविधियों को और अधिक सक्रिय बनाने के लिए एक ठोस रणनीति साझा की।

मार्केट आउटलुक: फेड, अमेरिका-ईरान शांति वार्ता और आर्थिक आंकड़ों से तय होगा बाजार का रुझान

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार के लिए अगला हफ्ता काफी अहम होने वाला है। अमेरिकी फेड पॉलिसी, अमेरिका-ईरान शांति वार्ता और घरेलू आर्थिक आंकड़ों जैसे थोक महंगाई और आयात-निर्यात से बाजार की चाल तय होगी। अगले हफ्ते अमेरिका-ईरान शांति वार्ता पर बाजार की निगाहें होंगी। विदेशी मीडिया की रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों पक्ष शांति समझौता करने के अंतिम दौर में है। जल्द ही अमेरिका-ईरान के बीच युद्ध समाप्त करने के लिए एक डील हो सकती है।

अमेरिकी फेड की बैठक 16-17 जून को प्रस्तावित है। यह बैठक ऐसे समय पर हो रही है, जब कच्चे तेल के दाम उच्च स्तर पर बने हुए हैं और इससे महंगाई बढ़ने का खतरा बना हुआ है। ऐसे में इस बैठक में ब्याज दरों में इजाफा किया जाता है तो बाजार पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

घरेलू स्तर पर भी 15-19 जून के बीच कई आर्थिक आंकड़े आएंगे। सरकार द्वारा थोक महंगाई के आंकड़े 15 जून को जारी किए जाएंगे। वहीं, आयात निर्यात और बैलेंस ऑफ ट्रेड के आंकड़े 16 जून और विदेशी मुद्रा भंडार का डेटा 19 जून को आएगा।

बीता हफ्ता भारतीय शेयर बाजार के लिए उतार-चढ़ाव भरा रहा। इस दौरान सेंसेक्स 1,284.61 अंक या 1.73 प्रतिशत की मजबूती के साथ 75,527.95 और निफ्टी 256.20 अंक या 1.10 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,622.90 पर बंद हुआ। इस दौरान बाजार का नेतृत्व बैंकिंग शेयरों ने किया। सूचकांकों में निफ्टी बैंक 4.25 प्रतिशत की मजबूती के साथ टॉप गेनर था। इसके बाद निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज (3.54 प्रतिशत), निफ्टी सर्विसेज (1.97 प्रतिशत), निफ्टी एफएमसीजी (1.09 प्रतिशत), निफ्टी हेल्थकेयर (0.92 प्रतिशत), निफ्टी इन्फ्रा (0.59 प्रतिशत), निफ्टी फार्मा (0.54 प्रतिशत) और निफ्टी ऑटो (0.49 प्रतिशत) की मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुआ। दूसरी तरफ, निफ्टी आईटी (4.19 प्रतिशत), निफ्टी मेटल (2.78 प्रतिशत), निफ्टी एनर्जी (2.73 प्रतिशत), निफ्टी कमोडिटीज (2.05 प्रतिशत) और निफ्टी पीएसई (1.82 प्रतिशत) की गिरावट के साथ बंद हुआ।

बाजार की पाठशाला: 5 लाख रुपए लंपसम निवेश या 5,000 रुपए की मासिक एसआईपी; जानिए कौन देगा ज्यादा रिटर्न

नई दिल्ली । म्यूचुअल फंड में निवेश करने के लिए निवेशकों के पास मुख्य रूप से दो विकल्प होते हैं—लंपसम (एकमुश्त निवेश) और सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी)। लंपसम में निवेशक एक बार में बड़ी रकम निवेश करता है, जबकि एसआईपी के जरिए नियमित अंतराल पर छोटी-छोटी रकम निवेश की जाती है। दोनों तरीकों के अपने फायदे और जोखिम हैं, लेकिन सवाल यह है कि लंबे समय में कौन सा विकल्प अधिक संपत्ति बनाने में मदद कर सकता है।

लंपसम निवेश में पूरी राशि शुरुआत में ही बाजार में लग जाती है। ऐसे में निवेश को लंबे समय तक कंपाउंडिंग का लाभ मिलता है। यदि बाजार का प्रदर्शन अच्छा रहता है, तो निवेशक को बेहतर रिटर्न मिल सकता है। हालांकि, इसमें बाजार के उतार-चढ़ाव का जोखिम भी अधिक होता है, क्योंकि पूरी रकम एक ही समय पर निवेश की जाती है।

दूसरी ओर, एसआईपी निवेशकों को नियमित रूप से छोटी राशि निवेश करने का अवसर देती है। इससे बाजार में गिरावट और तेजी का औसत प्रभाव पड़ता है, जिसे रुपी कॉस्ट एवरेजिंग कहा जाता है। यह तरीका उन लोगों के लिए अधिक उपयुक्त माना जाता है जो नियमित आय से निवेश करते हैं और जोखिम को सीमित रखना चाहते हैं।

अगर कोई निवेशक 8.3 वर्षों तक हर महीने 5,000 रुपए की एसआईपी करता है और औसतन 12 प्रतिशत वार्षिक रिटर्न प्राप्त होता है, तो कुल निवेश लगभग 4.98 लाख रुपए होगा। अगर इसमें अनुमानित रिटर्न 3.57 लाख रुपए जोड़ा जाए तो निवेश का कुल मूल्य करीब 8.55 लाख रुपए तक पहुंच सकता है।

फॉसिल फ्यूल आयात कम करने के लिए 100 प्रतिशत एथेनॉल ईंधन के उपयोग को दी मंजूरी : नितिन गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि उन्होंने भारत की आयातित जीवाश्म ईंधन (फॉसिल फ्यूल) पर निर्भरता कम करने के लिए 100 प्रतिशत एथेनॉल ईंधन के उपयोग को मंजूरी दे दी है।

यह कदम वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की ओर तेजी से बदलाव लाने के उद्देश्य से भी उठाया गया है, उन्होंने नागपुर में एनडीए सरकार के 12 साल पूरे होने के मौके पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा।

गडकरी ने बताया, ''शनिवार रात 8 बजे मैंने फाइल पर साइन कर दिया और 100 प्रतिशत एथेनॉल के उपयोग को कानूनी रूप से मंजूरी देने के नियमों को अंतिम रूप दे दिया।''

एथेनॉल पेट्रोल का एक व्यवहारिक विकल्प बन सकता है, जिससे भारत का भारी ईंधन आयात बिल कम हो सकता है। गडकरी ने कहा कि शुरुआत में इस विचार का कई लोगों ने मजाक उड़ाया और आलोचना भी की।

उन्होंने कहा, ''मैं जब यह सपना बताता था तो लोग हंसते थे। कुछ दोस्त इसकी आलोचना भी करते थे। गडकरी ने आगे बताया कि कई बड़ी ऑटोमोबाइल कंपनियां आने वाले हफ्तों में एथेनॉल-फ्रेंडली वाहन लॉन्च करने की तैयारी कर रही हैं।

टोयोटा, सुजुकी, एमजी और हुंडई जैसी कंपनियां अगले डेढ़ महीने में 100 प्रतिशत एथेनॉल-उपयोगी वाहन लॉन्च करेंगी।

पिछले हफ्ते सरकार ने ई85 ईंधन भी ई85-कम्पैटिबल फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों के लिए शुरू किया था। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप पुरी ने कहा कि भारत ने एथेनॉल मिश्रण (ब्लेंडिंग) के लक्ष्य को समय से पहले हासिल कर लिया है।

उन्होंने बताया कि पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण 2014 में 1.5 प्रतिशत से बढ़कर नवंबर 2022 में 10 प्रतिशत हो गया। 20 प्रतिशत मिश्रण का लक्ष्य 2030 तक पूरा करना था, लेकिन इसे 2024 में ही हासिल कर लिया गया।

उन्होंने कहा, ''2014 से अब तक हमने एथेनॉल मिश्रण 1.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 10 प्रतिशत किया, जो नवंबर 2022 में पूरा हुआ। हमारा लक्ष्य 2030 तक 20 प्रतिशत मिश्रण का था, लेकिन हमने इसे 2024 में ही पूरा कर लिया।''

उन्होंने कहा कि उद्योग जगत, ऑटोमोबाइल एसोसिएशन और अन्य संगठनों के साथ इस पर व्यापक चर्चा चल रही है। साथ ही ई85 ईंधन भी लॉन्च किया गया है, लेकिन यह केवल ई85-योग्य फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों के लिए ही है।

शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों का मार्केटकैप 1.90 लाख करोड़ रुपए बढ़ा

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार में बीते हफ्ते शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों का मार्केटकैप 1.90 लाख करोड़ रुपए बढ़ा है। इसकी वजह घरेलू बाजार में मजबूती रैली थी।

इस दौरान सेंसेक्स 1,284.61 अंक या 1.73 प्रतिशत की मजबूती के साथ 75,527.95 और निफ्टी 256.20 अंक या 1.10 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,622.90 पर बंद हुआ।

बाजार में तेजी की वजह अमेरिका-ईरान के बीच शांति वार्ता आगे बढ़ना है। इससे वैश्विक स्तर पर अस्थिरता में कमी आई, जिसमें भारत के साथ दुनिया के बाजार में खरीदारी देखने को मिली।

विदेशी मीडिया की रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों पक्ष एक शांति समझौता करने के अंतिम दौर में है। जल्द ही अमेरिका-ईरान के बीच युद्ध समाप्त करने के लिए एक डील हो सकती है।

समीक्षा अवधि में आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, एसबीआई, बजाज फाइनेंस, भारती एयरटेल, एलएंडटी और एचयूएल के मार्केट कैप में बढ़ोतरी हुई है, जबकि टीसीएस और एलआईसी के वैल्यूएशन में कमी देखने को मिली है।

आईसीआईसीआई बैंक का मार्केटकैप 56,223 करोड़ रुपए बढ़कर 9.61 लाख करोड़ रुपए हो गया है। वहीं, एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्यांकन 38,571 करोड़ रुपए बढ़कर 11.89 लाख करोड़ रुपए हो गया है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का बाजार मूल्यांकन 36,138 करोड़ रुपए बढ़कर 9.39 लाख करोड़ रुपए हो गया है।

बजाज फाइनेंस का मार्केटकैप 18,367 करोड़ रुपए बढ़कर 5.72 लाख करोड़ रुपए हो गया है। भारती एयरटेल का मार्केटकैप 14,380 करोड़ रुपए बढ़कर 11.11 लाख करोड़ रुपए हो गया है।

एलएंडटी का मार्केटकैप 13,241 करोड़ रुपए बढ़कर 5.57 लाख करोड़ रुपए हो गया है। हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केटकैप 10,984 करोड़ रुपए बढ़कर 5.09 करोड़ रुपए हो गया है।

जून-अगस्त के दौरान अल नीनो होने की संभावना 80 प्रतिशत, महंगाई का मंडराया खतरा : रिपोर्ट

नई दिल्ली । एक नई रिपोर्ट के अनुसार, जून-अगस्त के दौरान अल नीनो की घटना होने की संभावना 80 प्रतिशत है और इसके कम से कम नवंबर तक इसके बने रहने की संभावना 90 प्रतिशत या उससे अधिक है। हालांकि, देश में जलाशयों का जलस्तर सामान्य भंडारण से अधिक है (11 जून तक) और सब्जियों की आवक के आंकड़े भी संतोषजनक हैं।

बैंक ऑफ बड़ौदा की रिसर्च रिपोर्ट में कहा गया है, 'आने वाले दिनों में ही पता चलेगा कि क्या सप्लाई की स्थिति ऐसी है जो खाने-पीने की चीजों और ईंधन की कीमतों में अचानक होने वाले बदलावों से महंगाई पर पड़ने वाले असर को संभाल पाएगी या नहीं।'

अर्थशास्त्री दिपान्विता मजूमदार के अनुसार, वित्त वर्ष 2027 में सीपीआई महंगाई दर 5.2 प्रतिशत से 5.5 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है। यह अनुमान अल नीनो के कुछ असर और कच्चे तेल की औसत कीमत 90 से 100 डॉलर प्रति बैरल रहने की संभावना पर आधारित है।

मई 2026 में हेडलाइन सीपीआई महंगाई दर 3.9 प्रतिशत रही, जो बीओबी रिसर्च के 4.1 प्रतिशत के अनुमान से कम थी, लेकिन अप्रैल के 3.5 प्रतिशत से ज्यादा थी।

इस बढ़ोतरी की मुख्य वजह खाने-पीने की चीजों और ईंधन की कीमतों में तेजी थी; खाने-पीने की चीजों की महंगाई दर बढ़कर 4.8 प्रतिशत हो गई।

हाल ही में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण ट्रांसपोर्ट से जुड़ी महंगाई दर बढ़ी, जबकि रेस्टोरेंट और रहने-ठहरने की सेवाओं की महंगाई दर में भी बढ़ोतरी हुई।

कोर महंगाई दर (खाने-पीने की चीजों और ईंधन को छोड़कर) बढ़कर 3.9 प्रतिशत हो गई, जो कीमतों में अंदरूनी दबाव के संकेत हैं।

बीओबी रिसर्च को ईंधन की ज्यादा कीमतों और मौसम से जुड़ी अनिश्चितताओं, खासकर अल नीनो की वजह से खाने-पीने की चीजों की कीमतों पर असर पड़ने की संभावना से महंगाई का जोखिम दिख रहा है।

रिपोर्ट में कहा गया है, 'खाने-पीने की चीजों की महंगाई के मामले में, ईंधन की ज्यादा कीमतों का असर और माल ढुलाई (फ्रेट) की लागत में संभावित बढ़ोतरी से निकट भविष्य में महंगाई और बढ़ सकती है। इसलिए, 'सेकंड-राउंड पास-थ्रू' (यानी लागत बढ़ने का कीमतों पर बाद में पड़ने वाला असर) पर बारीकी से नज़र रखने की जरूरत है, खासकर तब जब इस साल मौसम से जुड़े जोखिम ज्यादा हैं।'

रिपोर्ट में आगे कहा गया है, 'हमारा मानना ??है कि कोर महंगाई दर में बढ़ोतरी का जोखिम और बढ़ेगा क्योंकि मांग स्थिर रहने के बीच कंपनियां इनपुट लागत में हुई बढ़ोतरी का कुछ बोझ ग्राहकों पर डाल सकती हैं। आने वाले दिनों में खाने-पीने की चीजों की महंगाई से जुड़े जोखिम भी बढ़ने की संभावना है।

एफएसएसएआई गुमराह करने वाले फूड लेबल्स के खिलाफ सख्त, कई ब्रांड्स को जारी किए नोटिस

नई दिल्ली। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने रविवार को कहा कि उसने कई खाद्य कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है। इन कंपनियों पर भ्रामक ब्रांडिंग और उत्पाद से जुड़े दावों के जरिए लेबलिंग नियमों का उल्लंघन का आरोप है।

इसके चलते खाद्य सुरक्षा नियामक ने कई फूड बिजनेस ऑपरेटर्स (एफबीओ) को नोटिस जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि वे 'फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट, 2006' के प्रावधानों का उल्लंघन कर रहे हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर सरकारी एजेंसी ने कहा, 'एफएसएसएआई ने कई फूड बिजनेस ऑपरेटरों (एफबीओ) को नोटिस जारी किए हैं। ये नोटिस भ्रामक ब्रांड नामों, ट्रेड नामों और प्रोडक्ट के दावों से जुड़े एफएसएस एक्ट, 2006 के नियमों का उल्लंघन करने के कारण जारी किए गए हैं। '

साथ ही कहा कि जिन कंपनियों को नोटिस मिले हैं, उनमें हेल्दी मास्टर, न्यूहर्ब्स टू विटामिन, प्लांट बी, द हेल्थ फैक्ट्री, ट्रूवी, हेल्दी चॉइस, इमामी का हेल्दी एंड टेस्टी और हेल्थ ऐड शामिल हैं।

साथ ही, ऑर्गेनिक विजडम, शाइन ऑर्गेनिक, टू ब्रदर्स ऑर्गेनिक फार्म्स, स्टोरिया, वर्ल्ड ऑफ ऑर्गेनिक और आयोटा वॉटर को भी नोटिस भेजे गए हैं।

एफएसएसएआई ने कहा है कि फूड बिजनेस ऑपरेटर्स को निर्देश दिया गया है कि वे ग्राहकों को गुमराह होने से बचाने के लिए लेबलिंग और डिस्प्ले से जुड़े तय नियमों का सख्ती से पालन करें।

नियामक के मुताबिक, उपरोक्त ब्रांड जो ट्रेड नाम इस्तेमाल करते हैं, उनसे ग्राहकों के गुमराह होने की संभावना है; उन्हें लगता है कि ये नाम उनके प्रोडक्ट्स की प्रकृति या सेहत से जुड़े फायदों के बारे में गलत जानकारी देते हैं।

एफएसएसएआई ने हेल्दी मास्टर, द हेल्थ फैक्ट्री, हेल्दी चॉइस, इमामी के हेल्दी एंड टेस्टी और हेल्थ ऐड के प्रोडक्ट्स के नामों पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि ऐसे ट्रेड नाम लागू नियमों का उल्लंघन करते हुए लगते हैं।

आने वाले समय में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई भी बदलाव कच्चे तेल पर करेगा निर्भर: सुरेश गोपी

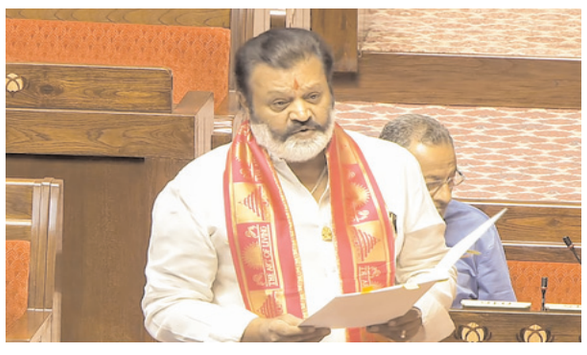

नई दिल्ली। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने रविवार को कहा कि आने वाले समय में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव कच्चे तेल पर निर्भर करेगा।

केंद्रीय मंत्री की ओर से यह बयान ऐसे समय पर दिया गया है, जब अमेरिका-ईरान युद्ध के चलते कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आने के कारण देश में मई में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में चार बार बढ़ोतरी की गई है, जिससे राष्ट्रीय राजधानी में पेट्रोल और डीजल अप्रैल के मुकाबले औसत 7.50 प्रतिशत महंगे हो गए हैं।

केरल के त्रिशूर जिले में पत्रकारों से बात करते हुए गोपी ने कहा कि ईंधन की कीमतों पर कोई फैसला लेने से पहले केंद्र सरकार ग्लोबल एनर्जी मार्केट में हो रही हलचल पर बारीकी से नजर रख रही है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कोई फैसला कच्चे तेल की आपूर्ति और ऊर्जा की व्यापक स्थिति के आधार पर किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शनिवार को लुधियाना में कहा कि ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच युद्ध से जुड़ी अंतरराष्ट्रीय स्थिति ने पेट्रोलियम सेक्टर में चुनौतियां बढ़ा दी हैं, जिससे पेट्रोल की कीमतें बढ़ी हैं।

हालांकि, उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि देश के नागरिकों पर कीमतों में बढ़ोतरी का असर न पड़े।

अधिकारियों के मुताबिक, वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में हुई बढ़ोतरी की केवल कुछ हिस्सा ही ग्राहकों को पास किया गया है।

इसके कारण मौजूदा समय में सरकारी तेल कंपनियां जैसे इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम ईंधन की बिक्री पर करीब 600 करोड़ रुपए से लेकर 750 करोड़ रुपए प्रति दिन की अंडर रिकवरी (लागत और बिक्री) का सामना कर रही है।

ध्रुपद धमार की परंपरा खत्म हो चुकी...जब जिया फरीदुद्दीन डागर ने जताई थी चिंता

भारतीय शास्त्रीय संगीत की सबसे प्राचीन गायन शैलियों में शामिल ध्रुपद को आज जिस सम्मान और पहचान के साथ देखा जाता है, उसके पीछे कुछ महान कलाकारों की आजीवन साधना छिपी हुई है। इनमें उस्ताद जिया फरीदुद्दीन डागर का नाम सबसे प्रमुखता से लिया जाता है।

एक इंटरव्यू में उन्होंने ध्रुपद की स्थिति को लेकर अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा था कि ध्रुपद-धमार की गायकी कई दशक पहले लगभग समाप्त हो चुकी थी और यह परंपरा केवल कुछ परिवारों और चुनिंदा कलाकारों के प्रयासों से बची पाई।

उस्ताद का मानना था कि समय के साथ संगीत की कई परंपराएं बदल गईं। उन्होंने बताया था कि ध्रुपद का मूल स्वरूप धीरे-धीरे कम होता गया और कई कलाकारों का ध्यान सुरों की गहराई से हटकर ताल की जटिलताओं पर केंद्रित हो गया। ध्रुपद का एक पक्ष नृत्य से भी जुड़ा रहा, जहां इसके पदों पर प्रस्तुति दी जाती थी, लेकिन शास्त्रीय गायन के रूप में इसकी मूल पहचान लगातार कमजोर होती चली गई।

उन्होंने ध्रुपद की विभिन्न परंपराओं का भी उल्लेख किया था। उनके अनुसार ध्रुपद में कई वाणियां मानी जाती हैं, जिनमें शुद्धा, भिन्ना, गौड़ी, व्यंगसुरा और साधारणी प्रमुख हैं। डागर परिवार जिस शैली को आगे बढ़ाता रहा, उसे साधारणी वाणी या डागर वाणी के नाम से जाना जाता है। यही शैली आगे चलकर उनकी पहचान बनी।

15 जून 1932 को राजस्थान के उदयपुर में जन्मे जिया फरीदुद्दीन डागर ऐसे परिवार में पैदा हुए, जहां संगीत जीवन का अभिन्न हिस्सा था। उनके पिता उस्ताद जियाउद्दीन डागर प्रतिष्ठित संगीतज्ञ थे और उन्होंने बचपन से ही अपने पुत्र को ध्रुपद गायन की शिक्षा देना शुरू कर दिया था। कम उम्र में ही जिया फरीदुद्दीन ने सुर और राग की बारीकियों को समझना शुरू कर दिया था।

पिता के निधन के बाद उनके बड़े भाई उस्ताद जिया मोहिउद्दीन डागर ने उनकी संगीत शिक्षा की जिम्मेदारी संभाली। जिया मोहिउद्दीन डागर रुद्र वीणा के प्रसिद्ध वादक थे। दोनों भाइयों ने मिलकर ध्रुपद को नए सिरे से स्थापित करने का काम किया। उस दौर में जब यह शैली सीमित दायरों में सिमटती जा रही थी, तब उन्होंने देश और विदेश में इसके प्रचार-प्रसार का बीड़ा उठाया।

जिया फरीदुद्दीन डागर ने यूरोप के कई देशों में जाकर ध्रुपद की शिक्षा दी। ऑस्ट्रिया, फ्रांस और अन्य देशों में उनके शिष्यों की बड़ी संख्या थी। उनकी गायकी और शिक्षण शैली ने विदेशी विद्यार्थियों को भी भारतीय शास्त्रीय संगीत की ओर आकर्षित किया। कई छात्र विशेष रूप से उनसे सीखने के लिए भारत आते थे।

Paneer: फुलक्रीम-टोंड या लो-फैट दूध? पनीर बनाने के लिए कौन-सा मिल्क बेस्ट, घर पर सॉफ्ट-स्पंजी पनीर बनाने का आसान तरीका

घर पर पनीर बनाना मिलावट से बचने का सबसे अच्छा विकल्प है. कुछ बातों को ध्यान में रखते हुए आप बहुत ही आसानी से घर पर दुकान जैसा सॉफ्ट और स्पंजी पनीर बना सकते हैं. यदि आपका पनीर सख्त बनता है या फिर आप सॉफ्ट पनीर बनाने का तरीका जानना चाहते हैं, तो ये लेख आपके लिए मददगार साबित हो सकता है.

पनीर घर पर बनने वाली सबसे आसान डेयरी चीजों में से एक माना जाता है, लेकिन कई बार लोगों का बनाया हुआ पनीर वैसा नहीं बनता जैसा वे चाहते हैं. मुलायम और स्पंजी पनीर की जगह वह सख्त, सूखा या रबड़ जैसा हो जाता है. दरअसल, पनीर की बनावट कुछ छोटी-छोटी बातों पर निर्भर करती है, जिन पर अक्सर ध्यान नहीं दिया जाता.

पनीर मुख्य रूप से दूध के प्रोटीन और पानी से बनता है. यदि इसे बनाते समय या पकाते समय इसकी नमी ज्यादा निकल जाए, तो इसका टेक्सचर सख्त और चबाने में रबड़ जैसा हो जाता है. इसलिए सही दूध का चुनाव बहुत जरूरी है.

फुल-क्रीम दूध से बने पनीर की बनावट कैसी होती है?

पनीर बनाने के लिए कौन-सा मिल्क बेस्ट फुल-क्रीम दूध से बना पनीर आमतौर पर ज्यादा मुलायम और स्वादिष्ट होता है, क्योंकि इसमें फैट की मात्रा अधिक होती है. वहीं, टोंड या लो-फैट दूध से बना पनीर थोड़ा सख्त हो सकता है. भैंस के दूध का पनीर भी गाय के दूध की तुलना में ज्यादा सख्त बनता है.

पनीर बनाते समय दूध फाड़ने की प्रक्रिया भी बहुत जरूरी होती है. कई लोग उबलते हुए दूध में सीधे नींबू का रस डाल देते हैं, जिससे दूध अचानक फट जाता है और पनीर की बनावट सख्त हो सकती है. इसके अलावा, दूध पूरी तरह फटने के बाद भी बार-बार नींबू का रस डालना एक आम गलती है, जो पनीर को और ज्यादा कठोर बना देती है.

पनीर को आकार देने के लिए उसे दबाया जाता है, लेकिन बहुत ज्यादा वजन रखने से उसकी सारी नमी निकल जाती है. इससे पनीर सख्त और सूखा बन सकता है. इसलिए हमेशा हल्के या मीडियम वेट का ही इस्तेमाल करना चाहिए.

पनीर बनने के बाद उसकी सही देखभाल भी जरूरी है. लंबे समय तक फ्रिज में रखने, खुला छोड़ने या गलत तरीके से स्टोर करने पर वह सूख सकता है. इसी तरह, पनीर को तेज आंच पर लंबे समय तक तलना या ग्रेवी में ज्यादा देर तक पकाना भी उसकी नमी कम कर देता है, जिससे वह रबड़ जैसा हो जाता है.

पनीर बनाने की विधि

नरम और स्पंजी पनीर बनाने के लिए 500 मिलीलीटर फुल-क्रीम दूध, 1 बड़ा चम्मच नींबू का रस और 1 बड़ा चम्मच पानी लें. सबसे पहले दूध को धीमी आंच पर उबालें. फिर नींबू के रस को पानी में मिलाकर धीरे-धीरे दूध में डालें और हल्के हाथों से चलाएं. जब दूध पूरी तरह फट जाए, तो नींबू डालना बंद कर दें।

कुछ मिनट बाद इसे मलमल के कपड़े से छान लें और ठंडे पानी से धो लें. फिर एक्स्ट्रा पानी निकालकर 20 से 30 मिनट तक हल्के वजन से दबाएं. तैयार पनीर को टुकड़ों में काट लें और उपयोग होने तक ढककर रखें।

सिंपल दिखने वाले नारियल तेल के फायदे जानकर हो जाएंगे हैरान, सेहत के लिये है वरदान, जानिये

नारियल तेल खाने, बाल, त्वचा, पाचन, वजन घटाने, हृदय, इम्यूनिटी, घाव और दांतों की देखभाल में फायदेमंद माना जाता है, इसके संतुलित उपयोग से सेहत को फायदा पहुंचा सकते हैं.

नारियल तेल (Coconut Oil) एक प्राकृतिक तेल है, जो नारियल के गूदे से बनाया जाता है. यह न केवल खाना बनाने में उपयोगी है, बल्कि स्वास्थ्य, त्वचा और बालों के लिए भी बेहद लाभकारी माना जाता है. यहां नारियल तेल के प्रमुख फायदे दिए गए हैं, इन्हें जरूर ट्राई करें.

1. बालों के लिए फायदेमंद

नारियल तेल बालों की जड़ों को पोषण देता है और उन्हें मजबूत बनाता है. इसमें मौजूद फैटी एसिड और विटामिन ई बालों को झड़ने से रोकने में मदद करते हैं. नियमित रूप से सिर में नारियल तेल लगाने से रूसी (डैंड्रफ) कम होती है और बाल मुलायम व चमकदार बनते हैं. यह बालों को दोमुंहे होने से भी बचाता है.

2. त्वचा की देखभाल में उपयोगी

नारियल तेल एक बेहतरीन मॉइश्चराइज़र है. यह त्वचा को गहराई से नमी प्रदान करता है और उसे शुष्क होने से बचाता है. इसका उपयोग चेहरे और शरीर पर करने से त्वचा मुलायम, चमकदार और स्वस्थ रहती है. इसमें एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-फंगल गुण

होते हैं, जो त्वचा के संक्रमण को कम करने में मदद करते हैं.

3. पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है

नारियल तेल में मौजूद मीडियम चेन ट्राइग्लिसराइड्स (MCTs) पाचन तंत्र को सुधारने में सहायक होते हैं। यह भोजन के पाचन को आसान बनाता है और शरीर में पोषक तत्वों के अवशोषण को बढ़ाता है. साथ ही यह पेट की समस्याओं जैसे कब्ज और गैस में भी राहत देता है.

4. वजन घटाने में सहायक

नारियल तेल मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने में मदद करता है, जिससे शरीर अधिक कैलोरी बर्न करता है. इसमें मौजूद MCTs ऊर्जा के रूप में जल्दी उपयोग हो जाते हैं और शरीर में फैट के रूप में संग्रहित नहीं होते. इसलिए सीमित मात्रा में इसका सेवन वजन घटाने में मददगार साबित हो सकता है.

5. हृदय स्वास्थ्य के लिए लाभकारी

नारियल तेल में अच्छे प्रकार के फैट (HDL कोलेस्ट्रॉल) को बढ़ाने की क्षमता होती है, जिससे हृदय रोगों का जोखिम कम हो सकता है. हालांकि इसका सेवन संतुलित मात्रा में ही करना चाहिए, क्योंकि इसमें संतृप्त वसा भी अधिक होती है.

6. रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है

नारियल तेल में लॉरिक एसिड, कैप्रिलिक एसिड जैसे तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाते हैं. ये वायरस, बैक्टीरिया और फंगस से लड़ने में सहायक होते हैं.

7. घाव और जलन में राहत

नारियल तेल को हल्के घाव, जलन या कट पर लगाने से जल्दी आराम मिलता है. यह त्वचा पर एक सुरक्षात्मक परत बनाता है, जिससे संक्रमण का खतरा कम हो जाता है और घाव जल्दी भरते हैं.

8. दांतों और मुंह की देखभाल

नारियल तेल से 'ऑयल पुल्लिंग' करने से दांतों की सफाई होती है और मुंह के बैक्टीरिया कम होते हैं. इससे सांस की बदबू भी दूर होती है और मसूड़े मजबूत बनते हैं।

अपनी बोरिंग लाइफ से हैं परेशान? आजमाएं यह 7 दिन का एक्शन प्लान, लाएगा आपकी जिंदगी में खुशियों की गारंटी!

क्या आप अपनी रोज की बोरिंग लाइफ से थक चुके हैं? बिना किसी बहाने के आजमाएं यह 7 दिन का 'Life Shifter' चैलेंज. इरादे, आदतें और सोच बदलकर सिर्फ एक हफ्ते में अपने सपनों की जिंदगी जीना शुरू करें. आज ही से लें यह फ्रेश स्टार्ट!

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हम सब कभी न कभी एक ऐसे मोड़ पर आ जाते हैं, जहाँ लगता है कि सब कुछ ठहर गया है. रोज वही रूटीन, वही तनाव और वही पुरानी आदतें. हम अपनी जिंदगी को पूरी तरह बदलना चाहते हैं, लेकिन समझ नहीं आता कि शुरुआत कहाँ से करें. अगर आप भी अपनी लाइफ को एक 'फ्रेश स्टार्ट' देना चाहते हैं और इसे लेकर वाकई सीरियस हैं, तो आपको किसी चमत्कार का इंतजार करने की जरूरत नहीं है।

हम आपके लिए लेकर आए हैं एक बेहद असरदार '7-डे चेंज योर लाइफ चैलेंज'. अगर आपने अगले 7 दिनों तक इस एक्शन प्लान को पूरी शिद्दत से फॉलो कर लिया, तो आपकी जिंदगी में एक ऐसा सकारात्मक बदलाव आएगा जिसकी आपने कल्पना भी नहीं की होगी. आप चाहें तो इस गाइड को अभी सेव कर सकते हैं या हर दिन इस चैलेंज को अपने इनबॉक्स में पाने के लिए हमारे स्पेशल चैलेंज को ज्वाइन कर सकते हैं।

पहला दिन : अपने इरादों और सपनों को कागज पर उतारें (Write Down Your Intentions)

इस सफर के पहले दिन आपको सबसे जरूरी काम करना है अपने विजन को साफ करना. एक डायरी और पेन उठाइए और पूरे दिल से लिखिए कि आप कैसी जिंदगी जीना चाहते हैं. आप खुद को किस रूप में देखना चाहते हैं? आपके दिल के वो कौन से बड़े सपने हैं जिन्हें आपने कहीं दबा दिया है? बिना यह सोचे कि 'यह कैसे सच होगा', बस लिखना शुरू करें. आप इन लाइनों से शुरुआत कर सकते हैं:

दूसरा दिन: अपनी नकारात्मक मान्यताओं और आदतों को पहचानें (Address Core Negative Beliefs)

हम में से बहुत से लोग जिंदगी बदलना तो चाहते हैं, लेकिन बदल नहीं पाते. क्यों? क्योंकि हमारी गहरी जड़ें जमा चुकी नकारात्मक मान्यताएं और आदतें हमें पीछे खींचती हैं. जब भी हम कुछ नया करने की कोशिश करते हैं, हमारे अंदर से आवाज आती है 'मुझसे नहीं होगा', 'मेरी किस्मत ही खराब है', या 'मैं कभी नहीं बदल सकता'. दूसरे दिन आपको इन्हीं कमजोरियों का सामना करना है. अपनी निगेटिव सोच को लिखें और फिर उसे एक पॉजिटिव एफर्मेशन (सकारात्मक वाक्य) में बदल दें. उदाहरण के लिए, अगर आपके मन में आता है कि 'मेरी लाइफ हमेशा ऐसी ही रहेगी', तो इसे बदलकर कहें, 'मेरी जिंदगी बदल रही है और मुझमें एक खूबसूरत भविष्य बनाने का हौसला है।

तीसरा दिन : अपने स्पेस को व्यवस्थित और डीक्लटर करें (Declutter and Organize)

क्या आप जानते हैं कि आपके आसपास का माहौल सीधे आपके दिमाग पर असर डालता है? अगर आपका कमरा या वर्कस्पेस बिखरा हुआ है, तो आपका दिमाग भी उलझा रहेगा। तीसरे दिन का काम है गैर-जरूरी चीजों को बाहर निकालना और अपने घर को व्यवस्थित करना. अपने लिए घर में एक ऐसा 'पवित्र कोना' (Sacred Space) बनाएं जहाँ बैठकर आप पढ़ सकें, लिख सकें और खुद पर काम कर सकें. यह आपकी बालकनी हो सकती है जहाँ कुछ पौधे हों, या कमरे का एक साफ-सुथरा कोना. जब आपका स्पेस साफ और सुंदर होगा, तो आपका मूड और एनर्जी लेवल हमेशा हाई रहेगा।

घड़ा ही नहीं, मिट्टी के बोतल और गिलास भी खास, प्राकृतिक ठंडक के साथ स्वाद भी बढ़ाए

देश के कई हिस्सों में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा है और चिलचिलाती धूप लोगों का जीना मुश्किल कर रही है। ऐसे में बिजली वाले कूलर या फ्रिज पर निर्भर रहने के बजाय पारंपरिक मिट्टी के बर्तन एक बार फिर लोकप्रिय हो रहे हैं। घड़े के अलावा, मिट्टी के बोतल, कुल्हड़ और गिलास भी प्राकृतिक ठंडक देने के साथ ही पानी और पेय पदार्थों का स्वाद बढ़ाने में कारगर होते हैं।

मिट्टी के बर्तन गर्मी के मौसम में प्राकृतिक रूप से पानी को ठंडा रखते हैं। मिट्टी की नमी के कारण वाष्पीकरण होता है, जो पानी के तापमान को कम करता है। इसमें

रखा पानी न सिर्फ ठंडा रहता है बल्कि मिट्टी के खनिजों से भरपूर भी हो जाता है। प्लास्टिक या स्टील के बर्तनों के मुकाबले मिट्टी के बर्तन पानी को केमिकल-मुक्त और स्वादिष्ट बनाते हैं।

नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) मिट्टी के बर्तनों के इस्तेमाल के फायदों के बारे में जानकारी देता है। मिट्टी के बर्तन प्राकृतिक ठंडक देते हैं, यह बिना बिजली के पानी को 8-10 डिग्री ठंडा रख सकते हैं। मिट्टी का पानी क्षारीय होता है, जो पेट की अम्लता कम करता है और पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है। यही नहीं, कुल्हड़ में चाय, छाछ या जूस पीने पर मिट्टी की सौंधी खुशबू स्वाद को और भी खास बना देती है।

गर्मी के इस मौसम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों सलाह देते हैं कि कोल्ड ड्रिंक्स की जगह मिट्टी के बर्तनों में रखा पानी या पेय ज्यादा फायदेमंद है। इससे गर्मी से होने वाली डिहाइड्रेशन और पेट संबंधी समस्याओं से बचाव होता है। मिट्टी के बर्तनों में रखा पानी शरीर को ठंडक पहुंचाता है, गर्मी से होने वाली थकान और जलन कम करता है। साथ ही ये बर्तन पूरी तरह बायोडिग्रेडेबल हैं और प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने में मदद करते हैं।

मिट्टी की बोतल या क्ले बॉटल बाहर घूमने या ऑफिस ले जाने के लिहाज से भी बहुत सुविधाजनक है। यह पानी को लंबे समय तक ठंडा और ताजा रखती है।

कुल्हड़ एक बार इस्तेमाल के बाद फेंकने योग्य होते हैं, जिससे स्वाद के साथ स्वच्छता भी बनी रहती है। वहीं, मिट्टी का घड़ा परिवार के लिए ठंडा पानी उपलब्ध कराता है।

59 साल बाद एक सीध में गुरु, बुध और शुक्र, केवल 'ऑप्टिकल इल्यूजन' या उच्च ब्रह्मांडीय ऊर्जा का संकेत

59 साल बाद 11 जून से 15 जून के बीच ब्रह्मांड के नौ ग्रहों में से तीन बृहस्पति (गुरु), बुध और शुक्र एक सीध में हैं। यह खगोलीय घटना अपने आप में रोमांचक स्थिति है। इसकी खूबसूरती इतनी है कि इसे देखने को वैज्ञानिक बेताब रहते हैं। इस दुर्लभ खगोलीय घटना के गवाह बनने के लिए करोड़ों लोग उत्साहित रहते हैं। शुक्र, बुध और बृहस्पति सूरज के चारों ओर अपनी-अपनी कक्षाओं में एक दूसरे से लाखों मील दूर हैं। इसमें से शुक्र और बृहस्पति बेहद चमकीले ग्रह हैं। ऐसे में इन्हें तो देखा जा सकता है, लेकिन बुध बाकी दो ग्रहों की तुलना में काफी

कम चमकीला होता है, ऐसे में इसे देखना थोड़ा मुश्किल होगा क्योंकि यह क्षितिज के पास नीचे होता है। इस दुर्लभ खगोलीय घटना को प्लैनेटरी एलाइनमेंट कहा जाता है। कई बार इसे नंगी आंखों से तो कई बार दूरबीन के सहारे देखा जा सकता है। वैसे वैज्ञानिक इस दुर्लभ खगोलीय संयोग को केवल दृष्टि भ्रम या ऑप्टिकल इल्यूजन मानते हैं।

माना जाता है कि इस समय ब्रह्मांडीय ऊर्जाएं अधिक सक्रिय होती हैं। वहीं सनातन वैदिक ज्योतिष के अनुसार यह समय ध्यान, साधना और सकारात्मक कार्यों के लिए शुभ माना जाता है।

पृथ्वी से देखने पर यह खगोलीय स्थिति जिसमें बृहस्पति, शुक्र और बुध एक सीध में दिख सकते हैं, जब वे लगभग एक ही एक्लिप्टिक लोंगिट्यूड पर हों (इसे 'कंजंक्शन' या युति कहते हैं) या एक ही राशि/आर्क में एक-दूसरे के करीब हों तो भी ऐसा होता है। खगोलीय दृष्टि से यह पृथ्वी से दिखने वाला कंजंक्शन या ग्रहों का एक-दूसरे के पास होना है। वहीं ज्योतिष के नजरिए से इसे उनके मूल गुणों के आपसी मेल के तौर पर देखा जाता है।

वैदिक ज्योतिष के अनुसार बृहस्पति विस्तार, अर्थ, आशावाद, अवसर प्रदान करने वाला है। जबकि शुक्र मूल्य, रिश्ते, सौंदर्यबोध, आकर्षण, सामंजस्य, वित्त प्रदाता माना गया है। इसके साथ ही ग्रहों का राजा बुध विचार, संचार, व्यापार, सूचना का आदान-प्रदान, छोटी यात्राएं दिलाने वाला है।

एक्ट्रेस सुरभि ज्योति के घर गूंजी किलकारी, बेबी गर्ल को दिया जन्म

मुंबई। टीवी अभिनेत्री सुरभि ज्योति और उनके पति सुमित सूरी शादी के करीब डेढ़ साल बाद माता-पिता बन गए हैं। अभिनेत्री ने बेटी को जन्म दिया है। इस खुशखबरी को खुद सुरभि ने सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस के साथ साझा किया। जैसे ही यह खबर सामने आई, फैंस और मनोरंजन जगत से जुड़े कलाकारों ने उन्हें बधाइयां देना शुरू कर दिया।

सुरभि ज्योति ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्टर साझा किया। इस पोस्टर में पिंक कलर का गुलाब नजर आ रहा है। साथ ही लिखा है- 'बेटी हुई है', इसके साथ ही तारीख लिखी गई 13 जून, 2026। कैप्शन में सुरभि और सुमित ने लिखा, ''हमारी बेटी आ गई है। हमारा दिल प्यार और कृतज्ञता से भर गया है।''

इस पोस्ट पर बधाइयों का सिलसिला जारी है। हजारों फैंस ने सुरभि और सुमित को नई जिंदगी की शुरुआत के लिए बधाइयां दीं। लोगों ने मां और बेटी के अच्छे स्वास्थ्य की कामना की और परिवार को ढेर सारी खुशियों की शुभकामनाएं भेजीं।

टीवी अभिनेत्री आशका गोराडिया ने पोस्ट पर अपनी खुशी जाहिर की और लिखा, 'बधाई हो'। वहीं अभिनेत्री किश्वर मर्चेंट ने भी उत्साह के साथ दोनों को शुभकामनाएं दीं और लिखा, 'वाह, बधाई हो।'

शालीन मल्होत्रा ने लिखा, 'भगवान आपको आशीर्वाद दें।' फैंस ने कई रेड हार्ट वाले इमोजी भी बनाए।

सुरभि ज्योति और सुमित सूरी की लव स्टोरी की बात करें तो दोनों की पहली मुलाकात म्यूजिक वीडियो 'हांजी- द मैरिज मंत्रा' के सेट पर हुई थी, जिसमें वे दूल्हा-दुल्हन बने थे। शूटिंग के दौरान दोनों के बीच अच्छी दोस्ती हुई और धीरे-धीरे यह दोस्ती प्यार में बदल गई। पर्दे पर दिखने वाली उनकी खूबसूरत केमिस्ट्री जल्द ही असल जिंदगी में भी नजर आने लगी।

हालांकि दोनों ने लंबे समय तक अपने रिश्ते को निजी रखा, लेकिन मई 2024 में सुरभि ने सोशल मीडिया पर सुमित के साथ एक तस्वीर साझा कर अपने रिश्ते को सार्वजनिक कर दिया। 27 अक्टूबर 2024 को परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में उत्तराखंड के जिम कॉर्बेट में दोनों ने सात फेरे लिए और अब दोनों ने अपनी पहली संतान का स्वागत किया है।

'तू ही रे दिल में' वृंदा का किरदार चुनौतीपूर्ण, धैर्य और विश्वास उसे बनाता है खास : प्रियांशी यादव

मुंबई। अभिनेत्री प्रियांशी यादव जल्द ही जी टीवी के नए शो 'तू ही रे दिल में' में नजर आएंगी। शो में अभिनेत्री के किरदार का नाम वृंदा है। शो के प्रसारण से पहले उन्होंने अपने किरदार को लेकर खुलकर बात की और बताया कि वृंदा का किरदार उनके अब तक के सबसे चुनौतीपूर्ण किरदारों में से एक है।

प्रियांशी ने कहा कि जब उन्हें इस भूमिका के लिए ऑफर मिला, तभी उन्हें एहसास हो गया था कि यह एक सामान्य किरदार नहीं है। उनके अनुसार, वृंदा एक ऐसी महिला है जिसकी सोच, व्यवहार और जीवन को देखने का नजरिया काफी अलग है। यही वजह है कि इस किरदार को निभाने के लिए वह पहले दिन से ही उत्साहित थीं और उन्हें हर दिन खुद को उसकी दुनिया और भावनाओं के अनुरूप ढालना पड़ता है।

अभिनेत्री ने बताया कि 'तू ही रे दिल में' की कहानी तीन लोगों के जीवन, उनकी भावनाओं और रिश्तों के इर्द-गिर्द घूमती है। यही इसकी सबसे बड़ी खासियत है। उन्होंने कहा कि शो की कहानी और किरदार दर्शकों को भावनात्मक रूप से जोड़ने की क्षमता रखते हैं, जो उन्हें काफी पसंद आएगा।

प्रियांशी के मुताबिक, कई बार उन्हें ऐसा महसूस होता है कि वृंदा को अपने लिए आवाज उठानी चाहिए। जब उसके साथ गलत होता है, तब भी वह विरोध करने के बजाय चुप्पी और धैर्य का रास्ता चुनती है। हालांकि, यही बात उसके व्यक्तित्व को अलग और खास बनाती है।

उन्होंने कहा कि वृंदा का भगवान पर गहरा विश्वास है। वह मानती है कि जीवन में जो भी होता है, उसके पीछे कोई न कोई कारण जरूर होता है। चाहे परिस्थितियां कितनी भी कठिन क्यों न हों, वह भरोसा नहीं खोती।

प्रियांशी ने बताया कि वास्तविक जीवन में उनकी प्रतिक्रिया कई मामलों में वृंदा से बिल्कुल अलग हो सकती है, लेकिन एक कलाकार के रूप में यही अंतर उनके लिए इस किरदार को और अधिक रोचक बनाता है।

अभिनेत्री का कहना है कि वृंदा की भावनाओं को समझना और उसके व्यक्तित्व के प्रति ईमानदार रहना उनके लिए एक सीखने वाला अनुभव रहा है। इस किरदार ने उन्हें एक कलाकार के रूप में अपनी सीमाओं से आगे बढ़ने का अवसर दिया है।

'तू ही रे दिल में' वृंदा का किरदार चुनौतीपूर्ण, धैर्य और विश्वास उसे बनाता है खास : प्रियांशी यादव

मुंबई। अभिनेत्री प्रियांशी यादव जल्द ही जी टीवी के नए शो 'तू ही रे दिल में' में नजर आएंगी। शो में अभिनेत्री के किरदार का नाम वृंदा है। शो के प्रसारण से पहले उन्होंने अपने किरदार को लेकर खुलकर बात की और बताया कि वृंदा का किरदार उनके अब तक के सबसे चुनौतीपूर्ण किरदारों में से एक है।

प्रियांशी ने कहा कि जब उन्हें इस भूमिका के लिए ऑफर मिला, तभी उन्हें एहसास हो गया था कि यह एक सामान्य किरदार नहीं है। उनके अनुसार, वृंदा एक ऐसी महिला है जिसकी सोच, व्यवहार और जीवन को देखने का नजरिया काफी अलग है। यही वजह है कि इस किरदार को निभाने के लिए वह पहले दिन से ही उत्साहित थीं और उन्हें हर दिन खुद को उसकी दुनिया और भावनाओं के अनुरूप ढालना पड़ता है।

अभिनेत्री ने बताया कि 'तू ही रे दिल में' की कहानी तीन लोगों के जीवन, उनकी भावनाओं और रिश्तों के इर्द-गिर्द घूमती है। यही इसकी सबसे बड़ी खासियत है। उन्होंने कहा कि शो की कहानी और किरदार दर्शकों को भावनात्मक रूप से जोड़ने की क्षमता रखते हैं, जो उन्हें काफी पसंद आएगा।

प्रियांशी के मुताबिक, कई बार उन्हें ऐसा महसूस होता है कि वृंदा को अपने लिए आवाज उठानी चाहिए। जब उसके साथ गलत होता है, तब भी वह विरोध करने के बजाय चुप्पी और धैर्य का रास्ता चुनती है।

आमिर खान को 'परफेक्शनिस्ट' नहीं मानते विक्रम भट्ट, कहा- 'मैं इससे पूरी तरह सहमत नहीं'

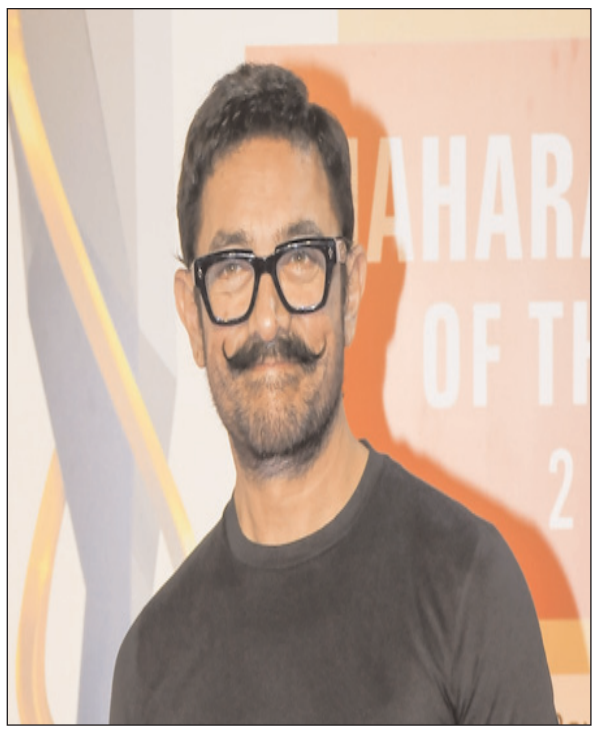

मुंबई । हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में आमिर खान को 'मिस्टर परफेक्शनिस्ट' कहा जाता है। इसके पीछे की वजह यह है कि वह अपने हर प्रोजेक्ट पर बारीकी से काम करते हैं। हालांकि, फिल्म निर्देशक विक्रम भट्ट की राय इस पर थोड़ी अलग है। आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि वह आमिर खान को परफेक्शनिस्ट नहीं मानते बल्कि ऐसे इंसान के रूप में देखते हैं, जो हमेशा अपने काम को और बेहतर बनाने की कोशिश करते रहते हैं।

मीडिया से बात करते हुए विक्रम भट्ट ने कहा, ''लोगों ने आमिर खान को परफेक्शनिस्ट का टैग दे दिया है लेकिन मैं इस टैग से पूरी तरह सहमत नहीं हूं। परफेक्शनिस्ट वह होता है, जो मान ले कि उसने सबसे बेहतरीन काम कर लिया है और अब उससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता लेकिन आमिर खान ऐसे नहीं हैं। वह हमेशा यह सोचते हैं कि वह और बेहतर कर सकते हैं। यही सोच उन्हें बाकी कलाकारों से अलग बनाती है। आमिर कभी भी अपने काम से जल्दी संतुष्ट नहीं होते और लगातार सुधार करते रहते हैं।''

उन्होंने आगे कहा, ''किसी व्यक्ति का अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करना और खुद को परफेक्ट मान लेना, दोनों अलग बातें हैं। आमिर हमेशा यह महसूस करते हैं कि अभी और मेहनत की जा सकती है। वह अपने काम को बेहतर बनाने के लिए समय और ऊर्जा लगाते हैं। तभी उनकी फिल्मों में गुणवत्ता दिखाई देती है।''

बातचीत के दौरान विक्रम भट्ट ने फिल्म 'गुलाम' के दिनों को भी याद किया, जिसमें उन्होंने आमिर खान के साथ काम किया था। उन्होंने कहा, ''शूटिंग के दौरान हमारे बीच कई बार मतभेद भी हुए। कई बार किसी सीन को लेकर हमारी राय अलग होती थी। हालांकि इन मतभेदों का मकसद किसी को गलत साबित करना नहीं था, बल्कि फिल्म को और बेहतर बनाना था। आमिर हर बात पर सवाल पूछते थे और अगर उन्हें लगता था कि किसी फैसले में समझौता किया जा रहा है, तो वह अपनी बात खुलकर रखते थे।''

विक्रम भट्ट ने कहा, ''आमिर उन कलाकारों में से नहीं हैं जो सिर्फ काम पूरा करके आगे बढ़ जाएं। अगर उन्हें लगता है कि किसी सीन को और बेहतर बनाया जा सकता है, तो वह उस पर चर्चा करते हैं।

खालीपन अब बर्दाश्त नहीं होता, 'ब्रूनो' के जाने से टूटीं अभिनेत्री टीना दत्ता

मुंबई । टीवी जगत की लोकप्रिय अभिनेत्री टीना दत्ता इन दिनों गहरे सदमे में हैं। रविवार को उन्होंने अपने पालतू कुत्ते ब्रूनो की मौत पर अपना दर्द बयां किया। टीना ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, ''मेरे प्यारे ब्रूनो को गए हुए चार दिन हो चुके हैं, लेकिन मुझे अब भी ऐसा लगता है जैसे सब कुछ एक बुरा सपना हो। 10 जून को न सिर्फ ब्रूनो ने आखिरी सांस ली, बल्कि उस दिन मेरे अंदर का एक हिस्सा भी उसी दिन टूट गया। यह खालीपन अब बर्दाश्त करना मुश्किल हो रहा है।''

टीना ने कहा, ''घर का माहौल पूरी तरह बदल गया है। पहले जहां हर समय ब्रूनो की मौजूदगी महसूस होती थी, अब वहां सिर्फ सन्नाटा है। अब न उसकी भौंकने की आवाज सुनाई देती है, न उसका बार-बार ध्यान खींचने वाली डिमांड। कभी-कभी उसकी शरारतें मुझे थका देती थीं, लेकिन आज वही बातें मुझे सबसे ज्यादा याद आ रही हैं। अब घर पहले जैसा घर नहीं लगता।''

टीना ने बताया, ''9 जून की दोपहर यानी ब्रूनो की मौत से सिर्फ एक दिन पहले हमने साथ में कई तस्वीरें ली थीं। उस समय मुझे बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि यह उसके साथ की आखिरी तस्वीरें होंगी। अगर मुझे पता होता कि यह आखिरी दिन है, तो मैं उसे और ज्यादा देर तक अपने पास रखती, उसे और ज्यादा प्यार करती और कभी उसे खुद से दूर नहीं होने देती।''

अभिनेत्री ने बताया, ''अपने आखिरी दिनों में ब्रूनो काफी तकलीफ में था, लेकिन इसके बावजूद उसके चेहरे की मुस्कान कभी नहीं गई। जब भी मैं उसे गले लगाती थीं, तो वह अपना सारा दर्द भूल जाता था। वह मेरी गोद में आते ही चैन की नींद सो जाता था। शायद उसे लगता था कि दुनिया में सबसे सुरक्षित जगह यही हैं।''

टीना ने लिखा, ''मैं एक बार फिर ब्रूनो को गले लगाना, उसकी गर्माहट महसूस करना और उसकी आवाज सुनने के लिए कुछ भी कर सकती हूं।

अब घर का हर कोना, हर रोज की आदत और दिन का हर पल मुझे उसकी याद दिलाता है। मैं उम्मीद करती हूं कि जहां भी ब्रूनो होगा, वह अब दर्द से मुक्त होगा और खुशी से दौड़ रहा होगा।''

उन्होंने कहा, ''ब्रूनो हमेशा मेरे दिल में जिंदा रहेगा और उसकी यादें कभी खत्म नहीं होंगी। पिछले साढ़े 12 वर्षों में ब्रूनो परिवार का सबसे खास सदस्य बन गया था।

'हसीना मान जाएगी' के एक शॉट को लेकर जब डर गई थीं करिश्मा कपूर, भागती हुई डेविड धवन के पास पहुंची

मुंबई । साल 1999 में आई फिल्म 'हसीना मान जाएगी' अपने दौर में जबरदस्त हिट हुई थी। फिल्म के गाने आज भी लोग बड़े चाव से सुनते हैं। हालांकि, इस फिल्म से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा अब अभिनेत्री करिश्मा कपूर ने डांस रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5' में साझा किया। उन्होंने फिल्म की शूटिंग के दिनों को याद किया और मजेदार किस्सा सुनाया।

शो में बातचीत के दौरान करिश्मा कपूर ने कहा, ''फिल्म के कुछ ही सीन्स की शूटिंग गोवा में हुई थी। उस समय मुझे लग रहा था कि फिल्म में मेरी ज्यादा जगह नहीं है, ऐसे में मैंने निर्देशक डेविड धवन से बात की और उनसे सीधे पूछा कि फिल्म में मेरा किरदार आखिर कहां है।

इस पर डेविड धवन ने मुझे धैर्य रखने के लिए कहा और भरोसा दिलाया कि आगे आने वाले दो गानों में वह हैं। बस थोड़ा इंतजार करो।''

उन्होंने आगे बताया, 'इसके बाद फिल्म का गाना 'व्हाट इज मोबाइल नंबर' की शूटिंग हुई। यह गाना एक दिन में शूट हो गया था। यही सिनेमा का जादू है। कई बार जिस काम को बहुत जल्दी पूरा किया जाता है, वही आगे चलकर लोगों के बीच सबसे ज्यादा लोकप्रिय हो जाता है। इस गाने को लोगों ने खूब पसंद किया। बातचीत के दौरान करिश्मा ने एक और दिलचस्प खुलासा किया।

दुनिया का इनोवेशन पार्टनर बनना भारत का लक्ष्य

उभरती हुई ग्लोबल टेक्नोलॉजी में साझेदारी पर जोर : पीयूष गोयल

नीस/नई दिल्ली। भारत उभरती हुई ग्लोबल टेक्नोलॉजी में साझेदारी को गहरा करने और स्वयं को दुनिया का इनोवेशन पार्टनर में बदलने के लिए काम कर रहा है। यह जानकारी केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की ओर से रविवार को दी गई।

फ्रांस के नीस में भारत इनोवेट्स समिट के उद्घाटन समारोह में बोलते हुए गोयल ने कहा कि 'भारत इनोवेट्स' का मकसद भारत के इनोवेशन इकोसिस्टम के लिए एक ग्लोबल एक्सेलेरेटर के तौर पर काम करना है और भारत को दुनिया के लिए एक भरोसेमंद इनोवेशन पार्टनर के तौर पर स्थापित करना है। गोयल ने कहा, 'साल 2026 को भारत-फ्रांस इनोवेशन ईयर के तौर पर मनाया जा रहा है, जो इस पहल के लिए एक सही माहौल देता है। हम एक ऐसे अनिश्चित समय में मिल रहे हैं जब भू-राजनीतिक स्तर पर बड़े हो रहे बदलाव, नई टेक्नोलॉजी में हो रहे बदलावों से मिल रहे हैं।' भारत और फ्रांस के बीच बढ़ती रणनीतिक साझेदारी का जिक्र करते हुए, गोयल ने कहा कि इस साल दोनों देशों ने आपसी संबंधों को 'विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी' का दर्जा दिया है। उन्होंने कहा कि इनोवेशन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़े वैश्विक चिंतन को आकार देने के लिए दोनों देश मिलकर काम कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फरवरी 2025 में पेरिस में एआई एक्शन समिट की सह-अध्यक्षता की थी, जबकि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों फरवरी 2026 में एआई इम्पैक्ट समिट के लिए भारत के साथ शामिल हुए थे। गोयल ने कहा, 'मैं अपने फ्रांसीस सहयोगियों से अपील करता हूं कि वे इस मौके का इस्तेमाल सार्थक साझेदारी बनाने के लिए करें। साथ ही, मैं अपने फ्रांसीसी दोस्तों को भारत आने, यहां निवेश करने, डिजाइन करने, इनोवेशन करने और मैन्युफैक्चरिंग करने के लिए आमंत्रित करता हूं, ताकि वे भारत के बड़े घरेलू बाजार और यहां से बाकी दुनिया में निर्यात, दोनों के लिए काम कर सकें।'

अमेरिकी लड़ाकू विमान वॉशिंगटन में दुर्घटनाग्रस्त, जंगल में लगी आग

वाशिंगटन। अमेरिका के वॉशिंगटन राज्य में अमेरिकी सेना का एक लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे जंगल में आग लग गई। पायलट ने दुर्घटना से पहले इजेक्ट कर लिया था और उसे केवल मामूली चोटें आईं।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, यह विमान रिमरॉक लेक के पास दुर्घटनाग्रस्त हुआ, जिसके बाद जंगल वाले इलाके में आग बुझाने के लिए तुरंत आपातकालीन अभियान शुरू किया गया।

एनबीसी न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, कैलिफोर्निया स्थित मरीन कॉर्प्स एयर स्टेशन मीरामार से जुड़े एफ/ए-18 हॉर्नेट विमान की नियमित प्रशिक्षण उड़ान चल रही थी, तभी यह दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

यह लड़ाकू विमान मरीन एयरक्राफ्ट ग्रुप 11 और थर्ड मरीन एयरक्राफ्ट विंग का हिस्सा था, जिनका मुख्य बेस कैलिफोर्निया के मरीन कॉर्प्स एयर स्टेशन मीरामार में है। स्थानीय शेरिफ विभाग के अधिकारियों ने पायलट को सुरक्षित ढूंढ लिया। उसे केवल हल्की चोटें आई थीं और जांच के लिए पास के अस्पताल ले जाया गया।

विमान दुर्घटना के कारण ओकानोगन-वेनात्ची नेशनल फॉरेस्ट में झाड़ियों और जंगल में बड़ी आग लग गई। आग पर काबू पाने के लिए नैचेस फायर डिपार्टमेंट समेत कई फायरफाइटिंग हेलीकॉप्टर और लोकल एजेंसियां मौके पर पहुंचीं।

इस हादसे की वजह क्या थी, इसकी जांच अमेरिकी मरीन कॉर्प्स की ओर से की जा रही है।

इससे पहले अप्रैल में अमेरिकी वायु सेना का एक एफ-15ई स्ट्राइक ईगल विमान ईरान के ऊपर मार गिराया गया था, जिसके बाद उसे ढूंढने और चालक दल को बचाने के लिए विशेष खोज एवं बचाव अभियान चलाया गया।

विमान में मौजूद दोनों क्रू सदस्य सुरक्षित निकलने में सफल रहे। एफ-15ई एक दो-सीटर मल्टीरोल लड़ाकू विमान है, जिसमें एक पायलट और एक वेपन्स सिस्टम्स ऑफिसर होता है।

संक्षिप्त खबर

स्विट्जरलैंड में आबादी का फैसला मतदान से, 10 मिलियन कैप पर देश की नजर

बर्न। स्विट्जरलैंड में रविवार को एक प्रस्ताव पर मतदान हुआ, जिसमें देश की जनसंख्या को 10 मिलियन (1 करोड़) तक सीमित करने की बात कही गई है।

इस जनमत संग्रह को कई लोग ब्रिटेन के ब्रेक्सिट वोट से तुलना कर रहे हैं, क्योंकि इसके नतीजे अर्थव्यवस्था और यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ संबंधों पर गहरा असर डाल सकते हैं। रॉयटर्स न्यूज एजेंसी के अनुसार, यह प्रस्ताव देश में बढ़ते आव्रजन, सार्वजनिक सेवाओं पर दबाव और आवास संकट को लेकर चिंताओं के कारण लाया गया है। इसे दक्षिणपंथी स्विस पीपुल्स पार्टी (एसवीपी) ने पेश किया है। इसके तहत संविधान में बदलाव कर यह अनिवार्य किया जाएगा कि 2050 तक स्विट्जरलैंड की जनसंख्या 10 मिलियन से अधिक न हो। सरकारी अनुमान के अनुसार, देश की जनसंख्या 2040 के शुरुआती वर्षों तक इस स्तर तक पहुंच सकती है। यह योजना यूरोप में बढ़ते उन राजनीतिक प्रयासों का हिस्सा है, जिनमें दक्षिणपंथी दल आव्रजन पर सख्त नियंत्रण की मांग कर रहे हैं। इसके पीछे जीवन-यापन की बढ़ती लागत, धीमी आर्थिक वृद्धि और अपराध को लेकर बढ़ती चिंता जैसे कारण बताए जा रहे हैं। मतदान के नतीजे रविवार को ही सामने आने लग जाएंगे।

कतर का प्रतिनिधिमंडल पहुंचा तेहरान, ईरान-अमेरिका समझौते पर अंतिम सहमति की कोशिश तेज

तेहरान। ईरान और अमेरिका के बीच चल रही कूटनीतिक कोशिशों को सकारात्मक रूप देने के इरादे से रविवार को कतर का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल तेहरान पहुंच गया। ईरानी मीडिया के अनुसार, यह दौरा पिछले हफ्ते हुई वार्ताओं के बाद द्विपक्षीय बातचीत को आगे बढ़ाने और राजनयिक प्रक्रिया में आई प्रगति की समीक्षा करने के उद्देश्य से किया जा रहा है।

ईरानी समाचार एजेंसी आईएसएनए ने बताया कि मध्यस्थता दल का नेतृत्व कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान बिन जसीम अल थानी के एक वरिष्ठ सलाहकार कर रहे हैं। वहीं, तस्नीम न्यूज एजेंसी के अनुसार, प्रतिनिधिमंडल का मुख्य उद्देश्य वार्ता प्रक्रिया से जुड़े नवीनतम घटनाक्रमों पर चर्चा करना है। इस बीच, मामले से परिचित एक सूत्र ने रॉयटर्स को बताया कि कतर का यह मिशन संघर्ष समाप्त करने के लिए प्रस्तावित समझौते की अंतिम स्वीकृति हासिल करने के प्रयास का हिस्सा है। सूत्र के अनुसार, दोहा चाहता है कि तेहरान इस समझौते को मंजूरी दे, जिससे महीनों से जारी संघर्ष और उससे पैदा हुई क्षेत्रीय अस्थिरता का अंत हो सके। कूटनीतिक गतिविधियों में तेजी ऐसे समय में देखी जा रही है जब वाशिंगटन और इस्लामाबाद दोनों ने संकेत दिए हैं कि एक रूपरेखा समझौते पर जल्द, संभवत: रविवार को ही, हस्ताक्षर किए जा सकते हैं। यदि ऐसा होता है, तो लगभग चार महीने से जारी सैन्य तनाव, आर्थिक अनिश्चितता और क्षेत्रीय संकट को कम करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम माना जाएगा। हालांकि, समझौते को लेकर अभी भी कई सवाल बने हुए हैं। ईरानी अधिकारियों ने संभावित समयसीमा पर संदेह व्यक्त किया है और कहा है कि वार्ता अभी निर्णायक चरण में नहीं पहुंची है। वहीं, ईरान के कट्टरपंथी धड़ों ने भी चर्चा में मौजूद कुछ प्रस्तावों और शर्तों का विरोध किया है।

फिलीपींस में भूकंप से 61 लोगों की मौत, 75 हजार से ज्यादा घर बर्बाद

नई दिल्ली। फिलीपींस के दक्षिणी द्वीप मिंडानाओ के तट के पास 8 जून को आए 7.8 तीव्रता के भीषण भूकंप में कम से कम 61 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 40 लोग अब भी लापता हैं। इस आपदा में 1,403 लोग घायल हुए हैं। यह जानकारी रविवार को फिलीपींस की राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन परिषद (एनडीआरआरएमसी) ने दी।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, इससे पहले एनडीआरआरएमसी ने बताया था कि इस भूकंप से 75,300 से अधिक परिवार यानी करीब 3.46 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। इनमें से 45,000 से अधिक लोगों को विस्थापित होना पड़ा, जबकि 12,600 से ज्यादा मकान क्षतिग्रस्त हो गए। भूकंप के कारण 45 तरह की घटनाएं भी हुईं, जिनमें ज्यादातर भूस्खलन शामिल हैं।

परिषद ने कहा कि भूकंप से 45 सड़क खंड, आठ पुल, एक हवाई अड्डा और दो बंदरगाहों पर आवाजाही प्रभावित हुई है। इसके अलावा कृषि, पशुपालन और मछली पालन के कामों पर भी असर पड़ा है। 48 शहरों और नगरपालिकाओं में बिजली आपूर्ति भी बाधित हुई।

फिलीपीन इंस्टीट्यूट ऑफ वोल्केनोलॉजी एंड सिस्मोलॉजी (पीएचआईवीओएलसीएस) ने बताया कि यह भूकंप टेक्टोनिक था, जो सुबह 7:37 बजे स्थानीय समय पर 33 किलोमीटर की गहराई में आया। इसका केंद्र सरंगानी प्रांत के मिंडानाओ द्वीप पर मासीम शहर के तट से लगभग 32 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में था। इससे पहले फिलीपींस के ऑफिस ऑफ सिविल डिफेंस के प्रवक्ता जूनी कैस्टिलो ने बताया था कि दक्षिण कोटाबाटो के जनरल सैंटोस शहर में 10 लोगों की मौत हुई है। यह एक बंदरगाह शहर है जिसकी आबादी सात लाख से ज्यादा है। साथ ही कम से कम 12 लोग अभी लापता हैं।

इजरायली राष्ट्रपति ने ईरान पर ट्रंप के रुख की प्रशंसा करते हुए 80वें जन्मदिन की दी बधाई

तेल अवीव। इजरायली राष्ट्रपति इसाक हर्जोग ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान को लेकर अपनाए रुख की प्रशंसा की और उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। ट्रंप रविवार को 80 साल के हो गए।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हर्जोग ने बधाई संदेश में लिखा, 'राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को 80वें जन्मदिन की हार्दिक बधाई! आपका व्हाइट हाउस तक का असाधारण सफर अमेरिकी सपने की व्यापकता और आपके दृढ़ संकल्प की शक्ति को दर्शाता है।'

इजरायल की जनता ईरान का सामना करने में आपके नेतृत्व और इजरायल की सुरक्षा के प्रति आपकी अटूट प्रतिबद्धता के लिए आभारी है। हमारे प्रिय बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए आपके अथक प्रयासों को हम कभी नहीं भूलेंगे। हर्जोग ने आगे कहा कि ईश्वर करे कि आप मध्य पूर्व और पूरी दुनिया को शांति और सुरक्षा की दिशा में आगे बढ़ाते रहें तथा अमेरिका-इजरायल की अनूठी साझेदारी को और मजबूत बनाएं।

अपनी पोस्ट में इजरायली राष्ट्रपति ने यहूदी परंपरा का भी जिक्र किया है। उन्होंने लिखा, 'हमारे यहां माना जाता है कि 80 वर्ष की आयु में व्यक्ति विशेष सामर्थ्य और अनुभव प्राप्त करता है। ईश्वर करे कि आप अपने सुंदर परिवार के साथ खुशियां मनाते रहें और आपको अनेक जन्मदिन आशीर्वाद तथा आनंद के साथ प्राप्त हों।' अपनी बात को विराम देते हुए हर्जोग ने कामना की कि ट्रंप को सौभाग्य प्राप्ति हो। उन्होंने इसके लिए हिब्रू शब्द 'मजल टोव' का इस्तेमाल किया। इस हिब्रू शब्द का हिंदी में मतलब सौभाग्य होता है।

यूक्रेन युद्ध के समर्थकों पर ब्रिटेन की सख्ती इंग्लिश चैनल में रूसी ऑयल टैंकर को रोका

नई दिल्ली। यूनाइटेड किंगडम (यूके) के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने रूस को एक बड़ा झटका दिया। उनके आदेश के बाद सेना ने इंग्लिश चैनल से गुजरने की कोशिश कर रहे एक रूसी 'शैडो फ्लीट' ऑयल टैंकर को रोक लिया। स्टार्मर ने कहा कि यूक्रेन युद्ध को समर्थन देने वालों को कहीं भी छिपने नहीं दिया जाएगा।

कीर स्टार्मर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट में कहा, ' 'आज सुबह-सुबह मैंने हमारी सेना को 'शैडो फ्लीट' के एक ऑयल टैंकर को रोकने का निर्देश दिया, जो इंग्लिश चैनल से गुजरने की कोशिश कर रहा था। इस सफल ऑपरेशन से रूस को एक और झटका लगा है और जो लोग यूक्रेन में पुतिन की जंग को बढ़ावा दे रहे हैं। उन्हें यह याद दिलाया गया है कि हम उन्हें छिपने नहीं देंगे।' उन्होंने कहा, 'मैं इसमें शामिल सभी लोगों का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं, जिनमें हमारी सेना और कानून लागू करने वाले अधिकारी भी शामिल हैं, जो साल के 365 दिन, 24 घंटे इस देश को सुरक्षित रखते हैं।' छह घंटे चले इस ऑपरेशन में रॉयल मरीन कमांडो और नेशनल क्राइम एजेंसी के खास तौर पर ट्रेंड कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने आरएएफ की मदद से जहाज पर धावा बोला। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि छह घंटे चले इस ऑपरेशन के बाद 'स्मर्टोस' नाम के इस जहाज को इंग्लैंड के दक्षिणी तट पर रोककर रखा गया है।

रॉयल मरीन कमांडो और नेशनल क्राइम एजेंसी के खास तौर पर ट्रेंड कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने आरएएफ की मदद से जहाज पर धावा बोलकर कार्रवाई को अंजाम दिया। मंत्रालय ने बताया कि रविवार सुबह फ्रांस के सहयोग से इस कार्रवाई को पूरा किया गया।

दक्षिणी अफगानिस्तान में युद्ध के दौरान बचे विस्फोटकों में धमाका

काबुल। अफगानिस्तान के दक्षिणी हेलमंद प्रांत में शनिवार को युद्ध के बाद बचे दो विस्फोटक उपकरणों में धमाका होने से एक बच्चे की मौत हो गई और छह अन्य बच्चे घायल हो गए।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, प्रांतीय सूचना और संस्कृति निदेशक मुल्ला अब्दुल बारी राशिद ने बताया, पहली दर्दनाक घटना शनिवार दोपहर सांगिन जिले में हुई। अधिकारियों के अनुसार, तीन मासूम बच्चों को एक खिलौने जैसी दिखने वाली वस्तु मिली और वे उससे खेलने लगे। तभी उसमें विस्फोट हो गया। इस हादसे में एक बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य बच्चे घायल हो गए।

दूसरी घटना उसी दिन कुछ घंटों बाद उसी जिले में हुई, जिसमें चार बच्चे घायल हो गए। अधिकारियों ने घटना की पुष्टि की, लेकिन ज्यादा जानकारी नहीं दी। अफगानिस्तान दुनिया के सबसे ज्यादा बारूदी सुरंगों और बिना फटे विस्फोटकों से प्रभावित देशों में से एक माना जाता है। पिछले चार दशकों से अधिक समय तक चले युद्ध और गृह संघर्ष के दौरान छोड़े गए ये विस्फोटक आज भी लोगों, खासकर आम नागरिकों और बच्चों, के लिए बड़ा खतरा बने हुए हैं। दो जून को भी पूर्वी अफगानिस्तान के गजनी प्रांत में एक किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया था। प्रांतीय पुलिस कार्यालय के बयान के अनुसार, गिलान जिले में उस लड़के को एक खिलौने जैसी वस्तु मिली थी। जैसे ही वह उससे खेलने लगा, उसमें विस्फोट हो गया। इससे पहले पांच मई को अफगानिस्तान के परवान प्रांत में बिना फटे गोला-बारूद से हुए विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और तीन अन्य लोग घायल हो गए थे।

पीओके प्रदर्शन को लेकर दुनिया में हो रही फजीहत, बिलावल भुट्टों ने की शांति अपील

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के हुक्मरान मानने लगे हैं कि पीओके (पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर) में बिगड़ते हालात से उनकी फजीहत हो रही है। चौतरफा घिरी सरकार के अहम सदस्य और पीपीपी (पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी) अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने रविवार को प्रदर्शन कर रहे लोगों से अपील की कि वे अपना आंदोलन समाप्त कर लें। उन्होंने कहा, ' इससे प्रांत और पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय छवि दोनों को नुकसान पहुंच रहा है।'

रविवार को जारी बयान में, बिलावल ने कहा कि ईरान और अमेरिका के बीच पाकिस्तान की मध्यस्थता से होने वाला शांति समझौता एक 'ऐतिहासिक क्षण' है। उन्होंने कहा, 'जब पूरी दुनिया की नजर पाकिस्तान पर है, ऐसे समय में इस मुद्दे से पाकिस्तान की छवि को नुकसान पहुंच रहा है।' उन्होंने यह भी कहा कि यह स्थिति 'विरोधियों' को स्थिति का फायदा उठाने का अवसर दे रही है।

खैबर पख्तूनख्वा में तेज बारिश और आंधी का कहर, सात लोगों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पिछले 24 घंटों के दौरान तेज हवा, बिजली गिरने और भारी बारिश के कारण हुए हादसों में सात लोगों की मौत हो गई, जबकि 33 लोग घायल हो गए।

पाकिस्तान के समाचार चैनल जियो न्यूज के अनुसार, प्रोविंशियल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी (पीडीएमए) की रिपोर्ट के मुताबिक, बन्नू, शांगला और मानसेहरा जिलों में हुई इन घटनाओं में मरने वालों में चार पुरुष, एक महिला और दो बच्चे शामिल हैं। तेज हवाओं और भारी बारिश के कारण कई घरों की दीवारें और छतें गिर गईं, जिससे ये हादसे हुए।

पाकिस्तान मौसम विभाग ने कहा है कि रविवार को ऊपरी खैबर पख्तूनख्वा और पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित-बाल्टिस्तान (पीओजीबी) तथा पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के कई इलाकों में और बारिश होने की संभावना है। विभाग के अनुसार, पाकिस्तान के बाकी हिस्सों में मौसम गर्म और शुष्क रहने की उम्मीद है।

पिछले सप्ताह प्रकाशित एक रिपोर्ट में कहा गया था कि पाकिस्तान में हाल ही में आए तूफानों और बारिश का यह दौर पहले से अनुमानित था, फिर भी इसने तैयारियों और वास्तविक कार्रवाई के बीच की कमी को उजागर कर दिया। रिपोर्ट के अनुसार, बार-बार होने वाली ऐसी परेशानियां दिखाती हैं कि अगर ठोस कदम नहीं उठाए गए तो यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा। 'ईटुथ एमवी' की रिपोर्ट के अनुसार, नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी (एनडीएमए) ने पहले ही इस बारिश और आंधी-तूफान के दौर की चेतावनी जारी कर दी थी और कई क्षेत्रों को अलर्ट पर रखा था। 12 से 17 अप्रैल के बीच पंजाब, खैबर पख्तूनख्वा, पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर और पाकिस्तान के कब्जे वाला गिलगित-बाल्टिस्तान को संवेदनशील क्षेत्र घोषित किया गया था। चेतावनियां समय पर और जिला-स्तर पर जारी की गई थीं, लेकिन इसके बावजूद जो नुकसान हुआ, उसने यह दिखाया कि सिर्फ जानकारी होना ही पर्याप्त नहीं है; उसे प्रभावी तैयारी में बदलना भी जरूरी है। चित्राल और स्वात जैसे संवेदनशील इलाकों के साथ-साथ लाहौर और रावलपिंडी जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों की पहचान भी पहले से कर ली गई थी।

निर्माण कार्यों में लाएं तेजी, गुणवत्ता के साथ समय से पूरे हो काम : सीएम योगी

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को एनेक्सी भवन में गोरखपुर व आजमगढ़ मंडल में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने शासन तथा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से दोनों मंडलों में संचालित पुरानी व गतिमान परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी ली।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि युद्धस्तर पर अभियान चलाकर सड़क निर्माण के कार्यों में तेजी लाई जाए और हर काम गुणवत्ता के साथ समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए। उन्होंने मानसून (बरसात) से पहले की परियोजनाओं पर विशेष ध्यान देने और उन्हें समय से पूरा कराने का निर्देश दिया। बैठक में लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव ने पिछले वर्ष के कार्यों का लेखा-जोखा भी प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि जनप्रतिनिधियों से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर प्राथमिकता तय कर सड़कों का काम तत्काल शुरू कराया जाए, जिससे आम नागरिकों को इसका सीधा लाभ मिल सके। जून के अंत तक सभी आवश्यक स्वीकृतियां प्राप्त कर ली जाएं और इसके तुरंत बाद शिलान्यास कराया जाए। सभी जरूरी संसाधनों की व्यवस्था करने के बाद ही कार्य प्रारंभ किया जाए, ताकि काम बीच में न रुके और समय से पूरा हो। सीएम योगी ने कहा कि वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना के मद्देनजर पीडब्ल्यूडी के अधिकारी गोरखपुर व आजमगढ़ मंडल के सभी विधानसभा क्षेत्रों में प्राथमिकता के आधार पर सड़कों का निर्माण कराएं। इसकी कार्ययोजना तत्काल उपलब्ध कराई जाए, ताकि समय से धनराशि स्वीकृत हो सके। साथ ही टेंडर प्रक्रिया भी समय से पूरी की जाए। कार्यों में गति लाने के लिए संबंधित कमिश्नर व जिलाधिकारी अपने-अपने स्तर पर नियमित बैठकें कर समीक्षा करें, जिससे निर्माण कार्यों की प्रगति हर हाल में सुनिश्चित हो सके।

मुख्यमंत्री ने कार्यों की प्रभावी निगरानी पर जोर देते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे मौके का मुआयना करें और तकनीक के माध्यम से ऑनलाइन मॉनिटरिंग भी सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने सेतु निगम के कार्यों में सुरक्षा मानकों पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि कार्यरत श्रमिकों की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का खिलवाड़ नहीं होना चाहिए और उनके लिए सुरक्षा किट का पूरा इंतजाम रहे। सभी विभाग आपस में बेहतर समन्वय के साथ काम करें। सीएम योगी ने देवरिया में निर्माणाधीन 'मोहन सेतु' के कार्यों की प्रगति की भी जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को कार्यस्थल का निरीक्षण करने और सेतु निर्माण में तेजी लाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि जो भी ठेकेदार 'बिलो टेंडर' ले रहे हैं, उन पर पैनी नजर रखी जाए और ऐसे लोगों को चिह्नित किया जाए।

आर अशोका ने राज्य सरकार पर किसानों की जमीन छीनने का लगाया आरोप

बेंगलुरु। कर्नाटक विधानसभा में नेता विपक्ष और भाजपा के वरिष्ठ नेता आर अशोका ने राज्य सरकार पर किसानों की उपजाऊ जमीन छीनने और बड़े प्रोजेक्ट्स को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है।

आर. अशोका ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट साझा करते हुए कहा कि सरकार एक ओर 'ग्रीन ओवर ग्रीड' यानी लालच पर हरियाली को प्राथमिकता देने की बात करती है, लेकिन दूसरी ओर 755 छोटे किसान परिवारों से 498 एकड़ से अधिक उपजाऊ कृषि भूमि लेकर रियल एस्टेट परियोजनाओं को बढ़ावा दे रही है।

आर. अशोका ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से हस्तक्षेप करने की अपील करते हुए कहा कि उन्होंने इस संबंध में उन्हें पत्र लिखा है। उन्होंने राहुल गांधी से अपनी ही पार्टी की राज्य सरकार को जवाबदेह ठहराने और किसानों के हितों की रक्षा करने का आग्रह किया। भाजपा नेता ने कहा कि कमजोर और छोटे किसानों के अधिकारों की रक्षा के लिए तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है।

इसके साथ ही आर. अशोका ने एक उच्चस्तरीय समीक्षा समिति को संबोधित पत्र भी सार्वजनिक किया, जिसमें बेंगलुरु से जुड़े 39,437 करोड़ रुपए के ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट) टेंडर पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। उन्होंने समिति से अनुरोध किया कि वह जनहित और अपनी अंतरात्मा को ध्यान में रखते हुए निष्पक्ष रिपोर्ट प्रस्तुत करे। पत्र में कहा गया है कि यह केवल एक टेंडर का मामला नहीं है, बल्कि बेंगलुरु के भविष्य, उसकी वित्तीय स्थिरता और लाखों नागरिकों के हितों से जुड़ा विषय है। अशोका ने दावा किया कि राज्य के वित्त विभाग ने भी इस परियोजना की लागत, वार्षिक लागत वृद्धि, 30 वर्ष की लंबी रियायती अवधि और संभावित एकाधिकार जैसी चिंताओं को लेकर आपत्तियां दर्ज की हैं। उन्होंने कहा कि यदि परियोजना में प्रस्तावित पांच प्रतिशत वार्षिक लागत वृद्धि जारी रहती है तो अगले तीन दशकों में इसकी लागत कई गुना बढ़ सकती है, जिसका बोझ अंततः करदाताओं पर पड़ेगा।

संक्षिप्त खबर

मणिपुर में लूटे गए 70 प्रतिशत हथियार बरामद किए गए : डीजीपी मुकेश सिंह

इंफाल। मणिपुर में जातीय हिंसा के दौरान लूटे गए हथियारों के बारे में डीजीपी ने बड़ी जानकारी दी है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) मुकेश सिंह ने कहा कि जातीय हिंसा के दौरान लूटे गए हथियारों में से लगभग 70 प्रतिशत हथियार अब तक बरामद कर लिए गए हैं, जबकि बाकी हथियारों और गोला-बारूद का पता लगाने और उन्हें बरामद करने की कोशिशें तेज कर दी गई हैं। डीजीपी ने कहा कि जो लोग गैर-कानूनी तरीके से हथियार और गोला-बारूद रखे हुए हैं और कानून को अपने हाथ में लेने की कोशिश कर रहे हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पत्रकारों से बातचीत करते हुए डीजीपी ने कहा, 'पुलिस और अन्य सुरक्षा बल उन लोगों से बहुत सख्ती से निपटेंगे जो अभी भी गैर-कानूनी तरीके से हथियार और गोला-बारूद रखे हुए हैं। हम कानून के मुताबिक उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे और उन्हें हर हाल में गिरफ्तार किया जाएगा।' उन्होंने आगे चेतावनी दी कि जो कोई भी अपनी ड्यूटी कर रहे पुलिसकर्मियों और अन्य सुरक्षा बलों पर गोली चलाने या हमला करने की कोशिश करेगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। डीजीपी मुकेश सिंह ने कहा कि जब तक हालात पूरी तरह सामान्य नहीं हो जाते, तब तक अलग-अलग जिलों में तलाशी अभियान और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जाएंगे। मणिपुर पुलिस सभी संबंधित लोगों से लगातार अपील कर रही है कि वे लूटे गए हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक तुरंत पुलिस या नजदीकी सुरक्षा बल के ठिकानों पर लौटा दें।

बंगाल: कुलतली में केरल के व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या के मामले में पांच गिरफ्तार, दो नाबालिग भी हिरासत में

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के कुलतली इलाके में एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या के मामले में पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है और दो नाबालिगों को हिरासत में लिया है। पुलिस के अनुसार, केरल के रहने वाले एक व्यक्ति को कुलतली में कथित तौर पर चोर समझकर रस्सी से बांधकर पीटा गया था।इस पिटाई के कारण उसकी मौत हो गई। यह घटना 9 जून को हुई थी, लेकिन पुलिस को इसके बारे में पूरी जानकारी शनिवार को सोशल मीडिया के जरिए मिली। शनिवार को इस मामले में एफआईआर दर्ज की गई, जिसके आधार पर पहले आठ लोगों को हिरासत में लिया गया था। शनिवार देर रात पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया, दो नाबालिगों को हिरासत में लिया गया और एक व्यक्ति को छोड़ दिया गया। सभी को बाद में अदालत में पेश किया जाएगा। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, केरल का यह व्यक्ति काम के सिलसिले में कुलतली के संकिजाहान इलाके में अपने एक परिचित के घर आया था। वह 9 जून की सुबह एक स्थानीय बाजार गया था। इलाके की सड़कें अनजान होने के कारण वह गलती से दूसरे मोहल्ले में चला गया। सूत्रों के अनुसार, उसे बंगाली भाषा नहीं आती थी। ग्रामीणों ने जब एक अजनबी व्यक्ति को इलाके में घूमते देखा तो उससे पूछताछ की।

झारखंड के गिरिडीह में साइबर अपराधी को छुड़ाने के लिए पुलिस टीम पर हमला, दो गिरफ्तार

गिरिडीह। झारखंड के गिरिडीह जिले में साइबर अपराध के आरोपी को पकड़ने गई पुलिस टीम पर हमला, पथराव और सरकारी वाहन में तोड़फोड़ के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि घटना में शामिल अन्य आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

10 और 11 जून की दरम्यानी रात साइबर थाना की टीम को सूचना मिली थी कि साइबर अपराध से जुड़े मामले में वांछित आरोपी चुड़ामन मंडल अहिल्यापुर थाना क्षेत्र के चिकसोरिया गांव स्थित अपने घर पर मौजूद है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने गांव में छापेमारी की और आरोपी को हिरासत में लेने की कार्रवाई शुरू की। इसी दौरान वहां मौजूद कुछ लोगों ने पुलिस कार्रवाई का विरोध शुरू कर दिया।

आरोप है कि देखते ही देखते स्थिति तनावपूर्ण हो गई और पुलिस टीम के साथ धक्का-मुक्की की गई। इसके बाद पुलिसकर्मियों पर पथराव किया गया तथा सरकारी वाहन को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया। इसी दौरान आरोपी चुड़ामन मंडल भी पुलिस हिरासत से फरार हो गया। घटना में कुछ पुलिसकर्मियों को चोटें भी आईं। घटना के बाद अहिल्यापुर थाना में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सदर एसडीपीओ के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल गठित किया गया। जांच के दौरान पुलिस ने चिकसोरिया गांव निवासी जितन मंडल (51) और सूरज मंडल (20) को गिरफ्तार कर लिया। दोनों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि घटना में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि फरार साइबर आरोपी चुड़ामन मंडल समेत अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है।

सीबीआई की बड़ी कार्रवाई, भ्रष्टाचार के मामले में दो वन अधिकारियों समेत तीन गिरफ्तार

श्रीनगर। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) ने रविवार को कहा कि उसने जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में भ्रष्टाचार के आरोप में वन विभाग के तीन कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है। सीबीआई सूत्रों ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों में वन विभाग के दो अधिकारी और उसी विभाग का एक कैजुअल लेबरर (अस्थायी कर्मचारी) शामिल है। गिरफ्तार लोगों की पहचान कावूसा, मगाम के रेंजर मंजूर अहमद मलिक; नुसगाम, खानसाहिब के फॉरेस्टर मंजूर अहमद डार; और रामहामा, बीरवाह के कैजुअल लेबरर बशीर अहमद गनी के तौर पर हुई है।

ये गिरफ्तारियां सीबीआई पुलिस स्टेशन, कश्मीर में 'भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम' की धारा 7 के तहत दर्ज एफआईआर नंबर 05/2026 के सिलसिले में की गईं। इससे पहले, सीबीआई की एक टीम ने बडगाम जिले के बीरवाह इलाके में जाल बिछाया और बशीर अहमद गनी को तब पकड़ा जब वह कथित तौर पर 15,000 रुपये की रिश्वत ले रहा था। यह ऑपरेशन अवैध रूप से पैसे की मांग के आरोपों के बाद शुरू किया गया था। सूत्रों ने बताया कि आगे की जांच चल रही है। इस केंद्र शासित प्रदेश की अपनी भ्रष्टाचार-रोधी संस्था, 'एंटी-करप्शन ब्यूरो' (एसीबी) है, जिसे सरकारी अधिकारियों के बीच भ्रष्टाचार की जांच करने और उसे रोकने का अधिकार है। सीबीआई के पास 'भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988' के तहत भ्रष्टाचार की जांच करने का मुख्य अधिकार क्षेत्र है, जिसमें मुख्य रूप से केंद्र सरकार के कर्मचारी, केंद्र शासित प्रदेश के अधिकारी और केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) व सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के कर्मचारी शामिल होते हैं। सीबीआई के भ्रष्टाचार-रोधी अधिकार क्षेत्र के दायरे और उसके इस्तेमाल से जुड़े कई खास ऑपरेशनल नियम हैं।

साबरमती-बीकानेर एक्सप्रेस जल्द होगी शुरू राजस्थान और गुजरात के बीच बढ़ेगी रेल कनेक्टिविटी

नई दिल्ली। राजस्थान और गुजरात के यात्रियों को जल्द ही एक नई रेल सेवा की सौगात मिलने जा रही है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव शीघ्र ही साबरमती (अहमदाबाद) से बीकानेर (लालगढ़) के बीच चलने वाली नई एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। यह ट्रेन दोनों राज्यों के बीच सीधा, तेज और सुविधाजनक रेल संपर्क उपलब्ध कराएगी।

साबरमती-बीकानेर (लालगढ़) एक्सप्रेस पश्चिम भारत के दो प्रमुख राज्यों को जोड़ते हुए पर्यटन, व्यापार और सामाजिक संपर्क को बढ़ावा देगी। इस रेल सेवा के शुरू होने से यात्रियों को गुजरात और राजस्थान के प्रमुख पर्यटन स्थलों तक पहुंचने में काफी सुविधा होगी। गुजरात के साबरमती रिवरफ्रंट, मोढेरा सूर्य मंदिर, पाटन स्थित ऐतिहासिक रानी की वाव और अहमदाबाद की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का आनंद लेने वाले पर्यटकों को अब बीकानेर, जूनागढ़ किला, करणी माता मंदिर, लालगढ़ पैलेस और मरुस्थलीय पर्यटन स्थलों तक पहुंचने के लिए बेहतर रेल सुविधा उपलब्ध होगी। इसी तरह राजस्थान से गुजरात जाने वाले यात्रियों को भी सीधा और सुगम रेल विकल्प मिलेगा। करीब 740 किलोमीटर लंबी यात्रा तय करने वाली यह ट्रेन गुजरात के अहमदाबाद, महेसाणा, पाटन और बनासकांठा जिलों के साथ-साथ राजस्थान के जालौर, बालोतरा, जोधपुर, नागौर और बीकानेर जिलों को लाभ पहुंचाएगी। ट्रेन के प्रमुख ठहरावों में साबरमती, महेसाणा, पाटन, भीलड़ी, धानेरा, रानीवाड़ा, मारवाड़-भीनमाल, मोदरान, जालौर, मोकलसर, समदड़ी, लूणी, जोधपुर, गोटन, मेड़ता रोड, नागौर, नोखा, बीकानेर और लालगढ़ स्टेशन शामिल होंगे।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार इस सेवा के शुरू होने के बाद बीकानेर और साबरमती के बीच दैनिक एक्सप्रेस रेल संपर्क स्थापित हो जाएगा। इससे विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों, व्यापारियों और पर्यटकों को विशेष लाभ मिलेगा। साथ ही दोनों राज्यों के बीच आर्थिक गतिविधियों, व्यापारिक संबंधों और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को भी नई गति मिलेगी।

केरल में निपाह वायरस का कोई नया मामला नहीं, अब तक 30 परीक्षणों में से 29 नेगेटिव

तिरुवनंतपुरम। केरल में निपाह का कोई नया मामला सामने नहीं आया है। स्वास्थ्य मंत्री के. मुरलीधरन ने बताया कि 11 परीक्षण नेगेटिव आए हैं। वर्तमान में, संपर्क सूची में 100 लोग हैं। इनमें से 44 स्वास्थ्यकर्मी हैं। अब तक किए गए 30 परीक्षणों में से 29 नेगेटिव आए हैं। केवल एक मरीज पॉजिटिव पाया गया है।

स्वास्थ्य मंत्री के अनुसार केरल में 1 जनवरी से अब तक शिगेला के 135 मामले सामने आए हैं। इनमें से सबसे ज्यादा मामले कोझिकोड में दर्ज किए गए हैं, जहां 135 में से 68 मामले हैं। अब तक 3 मौतें हुई हैं। पहली मौत मार्च में हुई थी। दूसरी मौत कोझिकोड में एक बच्चे की हुई और तीसरी एक 59 वर्षीय महिला की।

चार बच्चे आईसीयू में हैं, जिनमें से दो की हालत गंभीर है, लेकिन उन्हें बचाने के प्रयास जारी हैं। हमने स्कूलों के कुओं की जांच के निर्देश दिए हैं।

इससे पहले केरल में निपाह वायरस के खतरे के बीच वायनाड में शिगेला बैक्टीरिया का भी प्रकोप जारी है। शिगेला के नए मामले दूसरे जिलों से सामने आने लगे हैं। इन खतरों से निपटने के लिए अधिकारियों ने पूरे राज्य में निगरानी और बचाव के उपाय तेज कर दिए हैं। स्वास्थ्य मंत्री के. मुरलीधरन ने शुक्रवार को कहा कि हालात काबू में हैं और घबराने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि अधिकारी स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। केरल में निपाह का एक नया संदिग्ध मामला सामने आने के बाद केंद्र सरकार ने वहां की स्थिति पर बारीकी से नजर रखना शुरू कर दिया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि राज्य में हो रही गतिविधियों पर ध्यान रखा जा रहा है और संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए हर जरूरी मदद दी गई है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर सजग हुई सरकार

पटना। सुप्रीम कोर्ट के हाल में शिक्षकों को लेकर लिए गए एक फैसले से बिहार में दो लाख से अधिक शिक्षकों के भविष्य दांव पर हैं। हालांकि बिहार सरकार इसको लेकर अध्ययन कर रही है। सोमवार को शिक्षा विभाग की एक बैठक भी बुलाई गई है। सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले में सरकारी स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों के लिए पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य बताए जाने के बाद राज्य के करीब 2 लाख 60 हजार से अधिक शिक्षकों की नौकरी पर सवाल खड़े हो गए हैं।

इस मामले पर बिहार सरकार ने कानूनी पहलुओं की समीक्षा शुरू कर दी है। बिहार के शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने कहा कि सरकार की लीगल टीम कोर्ट के आदेश का अध्ययन कर रही है। उन्होंने बताया कि सरकार अदालत के सभी कानूनी और तकनीकी पहलुओं की समीक्षा के बाद अपना अगला कदम तय करेगी। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे पर सोमवार को उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों और विशेषज्ञों के साथ विस्तृत बैठक भी बुलाई गई है। उसमें इस पर विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला जो भी आया है, उस पर सरकार अमल करेगी। उन्होंने बताया कि सरकार का उद्देश्य शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करना है। उन्होंने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश का गहराई से अध्ययन किया जा रहा है। कानूनी राय प्राप्त होने के बाद ही कोई अंतिम फैसला लिया जाएगा। इससे पहले विभागीय स्तर पर विभिन्न विकल्पों और संभावित प्रभावों पर चर्चा होगी।

उन्होंने यह भी साफ कर दिया है कि सरकार किसी भी जल्दबाजी में नहीं है। दरअसल, सरकार शिक्षकों की नियुक्ति को लेकर भी प्रक्रिया तेज कर दी है। सरकार शिक्षक नियुक्ति को लेकर टीआरई 4 की परीक्षा जुलाई में कराने को लेकर सजग है। शिक्षा मंत्री ने साफ कर दिया है कि इसे लेकर विषयवार रिक्तियों की मांग की गई है।

दोषी व्यक्तियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी

राम जन्मभूमि दान मामले में एसआईटी के गठन पर बोले नेता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या स्थित राम मंदिर दान चोरी विवाद के बाद एसआईटी जांच के आदेश दिए। सरकार का दावा है कि जो भी दोषी होंगे, उनके खिलाफ सख्ती से कार्रवाई की जाएगी।

दूसरी ओर, योगी आदित्यनाथ के इस फैसले पर केंद्रीय राज्यमंत्री रामदास आठवले ने कहा कि राम मंदिर के निर्माण के लिए पूरे भारत से, जिसमें उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र भी शामिल हैं, लोगों ने योगदान दिया। कई लोगों ने इसके निर्माण में सहयोग किया। अगर दान मामले में कोई गड़बड़ी या भ्रष्टाचार हुआ है, तो शिकायतें मिलने के बाद सरकार ने एसआईटी नियुक्त की है। अगर कोई गड़बड़ी पाई जाती है तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। एसआईटी गठित हुई है, पूरा मामला साफ हो जाएगा।

योगी सरकार में मंत्री दया शंकर मिश्र ने कहा कि सरकार ने इस मामले को बहुत गंभीरता से लिया है और उचित कार्रवाई करेगी। दोषी व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मंत्री आशीष सिंह पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में एनडीए सरकार गलत काम में शामिल हर व्यक्ति को कड़ी सजा दिलाना सुनिश्चित करती है। इस मामले में भी एसआईटी बनाई गई है और सभी को इंतजार करना चाहिए। जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अयोध्या के राम मंदिर में दान पात्रों से धनराशि चोरी के मामले में शासन ने जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) का गठन किया। एसआईटी में लखनऊ के मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत, आईजी रेंज किरन एस और विशेष सचिव, वित्त नील रतन को रखा गया है। एसआईटी सात दिनों के भीतर अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट और 15 दिन में अंतिम रिपोर्ट सौंपेगी।

दान पात्रों से धनराशि चोरी के मामले को लेकर सोशल मीडिया पर फैल रही चर्चाओं और राजनीतिक बयानों के बीच श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने पूरे प्रकरण की विशेष जांच दल (एसआईटीई) से जांच कराने की मांग की थी।

स्पेस में आंखों और मस्तिष्क पर पड़ने वाले प्रभावों की जांच में जुटा नासा, जानें क्या है 'एसएएनएस'

नई दिल्ली। स्पेस में लंबा सफर तय करने वाले एस्ट्रोनॉट्स की सेहत संबंधित समस्याएं जल्दी खत्म नहीं होती हैं। पृथ्वी से लंबे समय तक दूर रहने का असर केवल शरीर की मांसपेशियों और हड्डियों पर ही नहीं पड़ता, बल्कि आंखों और दिमाग की सेहत भी इससे प्रभावित होती है।

अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा इस विषय पर काम कर रही है ताकि भविष्य में चंद्रमा, मंगल और अन्य स्पेस मिशन्स पर जाने वाले एस्ट्रोनॉट्स को बेहतर स्वास्थ्य सुरक्षा मिल सके।

नासा के जॉनसन स्पेस सेंटर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई जानकारी में बताया कि स्पेस में भारहीनता की स्थिति के कारण शरीर के तरल पदार्थों का संतुलन बदल जाता है। पृथ्वी पर गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव से शरीर के तरल पदार्थ नीचे की ओर बने रहते हैं, लेकिन स्पेस में ऐसा नहीं होता। इसके कारण खून, रीढ़ से जुड़े द्रव और अन्य तरल पदार्थ सिर की ओर खिसक सकते हैं, जिससे आंखों और मस्तिष्क के आसपास दबाव बढ़ने की आशंका रहती है।

वैज्ञानिकों के अनुसार, इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर रहने वाले 70 प्रतिशत एस्ट्रोनॉट्स में आंखों के पिछले हिस्से में सूजन देखी गई है। इस स्थिति को 'स्पेस फ्लाइट एसोसिएटेड न्यूरो-ऑक्युलर सिंड्रोम' (एसएएनएस) कहा जाता है। इसके कारण कुछ एस्ट्रोनॉट्स की दृष्टि पर भी प्रभाव पड़ सकता है।

हालांकि, पृथ्वी पर लौटने के बाद अधिकांश मामलों में सूजन कम हो जाती है और दृष्टि में सुधार देखने को मिलता है, लेकिन वैज्ञानिक यह जानना चाहते हैं कि क्या इन बदलावों का कोई लंबे समय तक प्रभाव भी रहता है। इसी उद्देश्य से नासा एक स्पेशल रिसर्च प्रोग्राम चला रहा है, जिसमें स्पेस जर्नी के बाद पांच सालों तक एस्ट्रोनॉट्स की आंखों और दिमाग की सेहत की निगरानी की जाएगी।

इस अध्ययन में 20 ऐसे एस्ट्रोनॉट्स को शामिल किया जाएगा, जिन्होंने इंटरनेसनल स्पेस स्टेशन पर लंबे समय तक मिशन पूरे किए हैं। इसके साथ ही समान आयु और शारीरिक बनावट वाले 20 अन्य मेंबर्स को भी अध्ययन का हिस्सा बनाया जाएगा, ताकि सामान्य उम्र बढ़ने और अंतरिक्ष यात्रा से होने वाले प्रभावों के बीच अंतर को समझा जा सके।

शोध के दौरान प्रतिभागियों की आंखों की गहराई से जांच की जाएगी। इसमें दृष्टि क्षमता, देखने के दायरे और आंखों के अंदर के दबाव का परीक्षण शामिल होगा। वहीं, मस्तिष्क की स्थिति जानने के लिए एमआरआई स्कैन, न्यूरोलॉजिकल परीक्षण, संज्ञानात्मक मूल्यांकन और ब्लड टेस्ट भी किया जाएगा।

नासा का मानना है कि इस अध्ययन से प्राप्त जानकारी भविष्य के लंबे स्पेस मिशन्स को अधिक सुरक्षित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे वैज्ञानिकों को यह समझने में मदद मिलेगी कि अंतरिक्ष यात्रियों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए किन अतिरिक्त उपायों की आवश्यकता है।

योगाभ्यास के लाभ बढ़ाने के लिए प्रार्थना जरूरी, आयुष मंत्रालय ने बताया सही तरीका

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 (21जून) के आयोजन में अब केवल एक सप्ताह का समय शेष रह गया है। ऐसे में आयुष मंत्रालय लोगों को योग के प्रति जागरूक करने और योगाभ्यास की सही विधियों की जानकारी देने के लिए लगातार संदेश जारी कर रहा है। मंत्रालय ने कहा है कि योग की हर यात्रा शांति और सकारात्मकता के साथ शुरू होनी चाहिए। इसके लिए योगाभ्यास की शुरुआत प्रार्थना के साथ करना बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं है, बल्कि यह शरीर, मन और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करने की एक संपूर्ण प्रक्रिया है। योग का पूरा लाभ तभी प्राप्त किया जा सकता है जब अभ्यास की शुरुआत सही मानसिक अवस्था के साथ की जाए। मंत्रालय का कहना है कि प्रार्थना मन को शांत करने, विचारों को केंद्रित करने और शरीर को योगाभ्यास के लिए तैयार करने में मदद करती है।

मंत्रालय ने अपने संदेश में कहा कि योग सत्र शुरू करने से पहले कुछ क्षणों के लिए मन को स्थिर करना और कृतज्ञता का भाव अपनाना चाहिए। इससे व्यक्ति का ध्यान वर्तमान क्षण पर केंद्रित होता है और योगाभ्यास अधिक प्रभावी बनता है। प्रार्थना के साथ शुरुआत करने से मन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है, जो पूरे अभ्यास के दौरान एकाग्रता और सामंजस्य बनाए रखने में सहायक होती है।

योगाभ्यास से पहले किसी शांत और आरामदायक स्थान पर बैठें, जहां मन भटकने के बजाय पूरी तरह केंद्रित हो सके। प्रार्थना की शुरुआत आभार व्यक्त करते हुए करें। जीवन, परिवार, अच्छे स्वास्थ्य और जीवन में मिले अवसरों के लिए ईश्वर और प्रकृति के प्रति धन्यवाद का भाव रखें। यह सकारात्मक सोच मन को शांति और स्थिरता देती है।

इस साल अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'स्वस्थ उम्र के लिए योग' रखी गई है। इसका उद्देश्य लोगों को यह समझाना है कि नियमित योगाभ्यास से न केवल शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होता है, बल्कि मानसिक और भावनात्मक संतुलन भी बना रहता है। बढ़ती उम्र में स्वस्थ और सक्रिय जीवनशैली बनाए रखने के लिए योग को एक प्रभावी माध्यम माना जाता है।

आयुष मंत्रालय ने लोगों से अपील की है कि वे योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाएं और इसकी शुरुआत प्रार्थना या प्रार्थना के भाव से करें। मंत्रालय का मानना है कि इस छोटी-सी शुरुआत से योगाभ्यास के लाभ कई गुना बढ़ सकते हैं और व्यक्ति को आंतरिक शांति, मानसिक स्पष्टता तथा बेहतर स्वास्थ्य प्राप्त हो सकता है।

तेज धूप में बढ़ा सनबर्न का खतरा, एलोवेरा, खीरा और गुलाब जल से पाएं राहत

नई दिल्ली। आजकल तेज गर्मी और कड़ी धूप लोगों के लिए बड़ी परेशानी बन गई है। दोपहर के समय सूरज की किरणें इतनी तेज होती हैं कि थोड़ी देर बाहर रहने पर भी त्वचा जलने लगती है। कई लोगों की त्वचा लाल हो जाती है और उसमें जलन होने लगती है। इसे ही सनबर्न कहा जाता है। यह समस्या तब होती है जब सूरज की अल्ट्रावायलेट किरणें हमारी त्वचा की ऊपरी परत को नुकसान पहुंचाती हैं। इस समय धूल और प्रदूषण भी त्वचा को और कमजोर कर देते हैं, जिससे शरीर पर इसका असर जल्दी दिखने लगता है। ऐसे में शरीर को ठंडक देने और त्वचा को आराम पहुंचाने वाले घरेलू उपाय काफी मददगार साबित हो सकते हैं।

एलोवेरा को सनबर्न के लिए सबसे आसान और असरदार उपाय माना जाता है। एलोवेरा एक पौधा होता है, जिसमें पॉलीसैकराइड्स, विटामिन ए, सी व ई जैसे एंटीऑक्सीडेंट तत्व पाए जाते हैं।

इसके अंदर एक ठंडा और चिपचिपा जेल पाया जाता है, जो त्वचा को तुरंत ठंडक देता है। जब इसे जलन वाली जगह पर लगाया जाता है तो यह उस गर्म हिस्से की गर्मी को धीरे-धीरे कम करता है। इसमें मौजूद प्राकृतिक तत्व त्वचा की सूजन को कम करने में मदद करते हैं। वहीं, खीरा भी सनबर्न में बेहद काम आता है क्योंकि इसमें लगभग 95 प्रतिशत पानी होता है। यह त्वचा को हाइड्रेट करने का काम करता है। जब त्वचा धूप से जल जाती है तो उसमें नमी की कमी हो जाती है, जिससे जलन और खिंचाव महसूस होता है। अगर खीरे का रस निकालकर लगाया जाए तो यह त्वचा में नमी वापस लाने में मदद करता है। इससे त्वचा को आराम मिलता है और धीरे-धीरे लालपन भी कम होने लगता है।

उधर, गुलाब जल भी एक बहुत पुराना और आसान उपाय है। गुलाब जल गुलाब के फूलों से बनाया जाता है और इसके अर्क में एंटी-इंफ्लेमेटरी यानी सूजन कम करने वाले गुण होते हैं। इसके अलावा, गुलाब जल का पीएच स्तर त्वचा के प्राकृतिक पीएच के काफी करीब होता है जिससे यह त्वचा को संतुलित रखने में मदद करता है।

जब इसे त्वचा पर लगाया जाता है तो यह तुरंत ठंडक देता है और जलन भी कम करता है। यह त्वचा के नर्व एंडिंग्स को शांत करता है, जिससे दर्द का एहसास भी कम होता है।

कहीं आप भी तो नहीं लेते खाली पेट चाय की चुस्की? इस छोटे उपाय से मिलेगी पेट की समस्या से राहत

नई दिल्ली। सुबह उठते ही चाय पीना कई लोगों की दिनचर्या का हिस्सा है। कई लोग दिन की शुरुआत बिना चाय के करने की कल्पना भी नहीं कर सकते। हालांकि, हेल्थ एक्सपर्ट का मानना है कि खाली पेट चाय पीने की आदत पेट से जुड़ी कई समस्याओं को जन्म दे सकती है। ऐसे में छोटे से उपाय को अपनाकर इन समस्याओं से निजात पाया जा सकता है।

नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) ने लोगों को इस आदत के प्रति सचेत करते हुए एक आसान लेकिन महत्वपूर्ण सलाह दी है कि सुबह उठने के बाद सबसे पहले एक गिलास पानी पिएं और उसके बाद ही चाय का सेवन करें।

एनएचएम के अनुसार, खाली पेट चाय पीने से पेट में एसिड का स्तर बढ़ सकता है, जिससे एसिडिटी और गैस की समस्या होने की आशंका रहती है। इसके अलावा, यह आदत पेट में जलन और असहजता का कारण भी बन सकती है। कई लोगों को सुबह-सुबह पेट भारी लगना, खट्टी डकारें आना या पेट में बेचैनी महसूस होना जैसी समस्याएं भी इसी वजह से हो सकती हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि रातभर सोने के दौरान शरीर कई घंटों तक बिना पानी के रहता है। ऐसे में सुबह उठते ही पानी पीना शरीर को हाइड्रेट करने में मदद करता है। यह पाचन तंत्र को सक्रिय करता है और पेट को दिनभर के भोजन के लिए तैयार करता है। इसके बाद चाय पीने से उसके दुष्प्रभावों की संभावना भी काफी हद तक कम हो जाती है।

एनएचएम ने बताया कि खाली पेट चाय का सेवन दिनभर की ऊर्जा पर भी असर डाल सकता है। कई बार चाय से मिलने वाली ताजगी कुछ समय बाद थकान या सुस्ती में बदल सकती है। इसके विपरीत, यदि व्यक्ति पहले पानी पीता है या हल्का पौष्टिक आहार लेता है, तो शरीर को बेहतर ऊर्जा मिलती है और पाचन प्रक्रिया भी सुचारु बनी रहती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों की सलाह है कि सुबह उठने के बाद एक गिलास सामान्य या गुनगुना पानी पीएं। इसके बाद फल, सूखे मेवे या कोई हल्का पौष्टिक नाश्ता लेने के बाद चाय का सेवन करें।

रक्तदानः जीवन और मानवता का सेतु, हर बूंद में छिपा है जीवनदान

नई दिल्ली। लाखों लोगों को सलाम करने का दिन है जो बिना किसी स्वार्थ के अपना खून दान करके किसी और की जिंदगी बचाते हैं। इसे हर साल विश्व रक्तदान दिवस के रूप में मनाया जाता है।

अक्सर हम सुनते हैं कि अस्पतालों में खून की कमी है, किसी एक्सीडेंट में घायल मरीज को तुरंत ब्लड चाहिए, किसी मां को डिलीवरी के समय खून की जरूरत है या कैंसर के इलाज में बार-बार ट्रांसफ्यूजन की जरूरत पड़ती है। ऐसे वक्त पर अगर समय पर खून न मिले, तो जिंदगी और मौत के बीच का फर्क कम होने लगता है। यहीं पर रक्तदाता किसी फरिश्ते की तरह सामने आते हैं।

खून किसी फैक्ट्री में नहीं बनता। इसे मशीनों से तैयार नहीं किया जा सकता। यह सिर्फ इंसान ही इंसान को दे सकता है। आपकी एक छोटी सी पहल किसी अनजान इंसान के लिए जीवनदान बन सकती है। इसलिए कहा जाता है रक्तदान सबसे बड़ा दान है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक हर साल करोड़ों यूनिट खून की जरूरत पड़ती है, लेकिन कई देशों में इसकी कमी बनी रहती है, खासकर

भारत जैसे देशों में जहां जनसंख्या ज्यादा है लेकिन स्वैच्छिक रक्तदान की रफ्तार अभी भी जरूरत से कम है। इसी कमी को पूरा करने के लिए हर साल जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं ताकि लोग आगे आएं और नियमित रूप से रक्तदान करें।

रक्तदान को लेकर लोगों के मन में कई तरह की गलतफहमियां भी होती हैं। कुछ लोग सोचते हैं कि इससे कमजोरी आ जाएगी, शरीर पर असर पड़ेगा या यह दर्दनाक प्रक्रिया है। लेकिन सच्चाई इससे बिल्कुल अलग है। डॉक्टरों के अनुसार एक स्वस्थ व्यक्ति हर तीन महीने में आसानी से रक्तदान कर सकता है। रक्तदान के बाद शरीर जल्दी ही नया खून बना लेता है और कोई स्थायी कमजोरी नहीं होती, बल्कि इसके कई फायदे भी हैं।

नियमित रक्तदान से शरीर में आयरन का स्तर नियंत्रित रहता है, जिससे दिल की बीमारियों का खतरा कम हो सकता है। इसके अलावा जब आप रक्तदान करते हैं, तो आपकी एक छोटी सी हेल्थ चेकअप भी हो जाती है, जिससे कई बार छुपी हुई स्वास्थ्य समस्याओं का पता चल सकता है।

आजकल स्कूल, कॉलेज, ऑफिस और अस्पतालों में ब्लड डोनेशन कैंप लगाए जाते हैं। लोग समूह में आकर रक्तदान करते हैं, जिससे न सिर्फ जरूरतमंदों की मदद होती है बल्कि समाज में एक सकारात्मक संदेश भी जाता है। सोशल मीडिया ने भी इस अभियान को और मजबूत किया है, जहां लोग दूसरों को प्रेरित करते हैं कि वे भी रक्तदान करें।

केरल में निपाह वायरस के खतरे के मद्देनजर तमिलनाडु के नीलगिरि में सीमा सुरक्षा बढ़ाई गई

कोयंबटूर। पड़ोसी कोझिकोड जिले में निपाह वायरस के एक संदिग्ध मामले की सूचना मिलने के बाद नीलगिरि जिला प्रशासन ने केरल-तमिलनाडु सीमा पर प्रमुख चौकियों पर निगरानी बढ़ा दी है। अधिकारियों ने बताया कि संक्रमण को तमिलनाडु में फैलने से रोकने के लिए एहतियाती कदम उठाए गए हैं।

जिला कलेक्टर लक्ष्मी भव्य तन्नेरू ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के कर्मियों को थलूर, नादुगनी, नाम्बियारकुन्नू, सोलाडी और पट्टावयाल सहित सभी प्रमुख सीमा चौकियों पर तैनात किया गया है।

केरल से आने वाले यात्रियों और पर्यटकों की निपाह वायरस संक्रमण से जुड़े लक्षणों के लिए जांच की जा रही है, जबकि अधिकारी स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं।

केरल से मिली शुरुआती रिपोर्टों के बाद सतर्कता बढ़ा दी गई है, जिनमें बताया गया है कि कोझिकोड में एक मरीज में वायरस की पुष्टि हुई है।

हालांकि तमिलनाडु में अभी तक किसी खतरे की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन अंतरराज्यीय सीमा पर लोगों की भारी आवाजाही को देखते हुए जिला प्रशासन ने एहतियाती कदम उठाए हैं।

अधिकारियों ने बताया कि कई सीमावर्ती गांवों के निवासी काम और व्यापार के लिए अक्सर केरल जाते हैं।

बंगालः मदरसों में पढ़ने वाली किशोरियों के लिए सर्वाइकल कैंसर का मुफ्त टीकाकरण शुरू होगा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार के सत्ता में आने के बाद 30 मई से लड़कियों के लिए सर्वाइकल कैंसर का मुफ्त टीकाकरण शुरू हो गया है।

एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया कि अब से पश्चिम बंगाल के मदरसों में पढ़ने वाली किशोरियों के लिए एचपीवी (एचपीवी) टीकाकरण का विशेष अभियान भी शुरू किया जाएगा।

इस कार्यक्रम का समन्वय जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के साथ राज्य के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के

दिशानिर्देशों और मानक संचालन प्रक्रियाओं के अनुसार किया जाएगा। अधिकारी ने आगे बताया कि संबंधित सरकारी अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश दे दिए गए हैं। तकनीक के तेजी से विकास और चिकित्सा विज्ञान में निरंतर शोध के बावजूद, सर्वाइकल कैंसर को अभी भी एक लाइलाज बीमारी के रूप में देखा जाता है।

हालांकि, भारत में निरंतर कार्य जारी है। केंद्र सरकार की पहल पर, एक निश्चित आयु की लड़कियों के लिए इस बीमारी से शीघ्र बचाव हेतु निःशुल्क टीकाकरण कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद इस बार राज्य के लोगों को इसका लाभ मिल रहा है। अधिकारी के अनुसार, गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के मामलों में वृद्धि हो रही है। हर साल विश्व स्तर पर छह लाख नए गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के मामले सामने आते हैं।

फीफा वर्ल्ड कप: ऑस्ट्रेलिया ने किया बड़ा उलटफेर, एकतरफा मुकाबले में तुर्की को 2-0 से हराया

वैंकूवर। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में रविवार को बड़ा उलटफेर देखने को मिला। वैंकूवर के बीसी प्लेस में ऑस्ट्रेलिया ने ग्रुप डी के मुकाबले में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए तुर्की को 2-0 से हराया।

ऑस्ट्रेलिया के युवा गोलकीपर पैट्रिक बीच ने अपने इंटरनेशनल डेब्यू पर शानदार प्रदर्शन किया। वहीं, नेस्टोरी इरनकुंडा और कॉनर मेटकाफ ने गोल करते हुए ऑस्ट्रेलिया को यादगार जीत दिलाई। ऑस्ट्रेलिया की टीम शुरुआत ही तुर्की के डिफेंस पर हावी नजर आई। टीम ने एक के बाद एक हमले किए और आखिरकार टीम को पहली सफलता मैच के 27वें मिनट में मिली।

पॉल ओकॉन-एंगस्टलर ने नेस्टोरी इरानकुंडा को बेहतरीन पास दिया, जिसके बाद इरानकुंडा ने डिफेंडर को छकाते हुए गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचाकर ऑस्ट्रेलिया को मैच में 1-0 की बढ़त दिला दी। 20 वर्षीय इरानकुंडा फीफा वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया की ओर से गोल दागने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने। इसके बाद तुर्की ने बराबरी करने के कई प्रयास किए, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के गोलकीपर पैट्रिक कई बार शानदार बचाव करते हुए टीम की बढ़त को बरकरार रखा। पहले हाफ के अंत तक ऑस्ट्रेलिया 1-0 से आगे रहा।

दूसरे हाफ में ऑस्ट्रेलिया ने अपने खेल में और आक्रामकता दिखाई और तुर्की को डिफेंस को बैकफुट पर धकेला। मैच के 53वें मिनट में कॉर्नर किक पर हैरी साउटर ने हेडर के जरिए गोल करने का प्रयास किया, लेकिन तुर्की के गोलकीपर उगुरकान काकिर ने उनकी इस कोशिश को विफल कर दिया। इसके बाद मैच के 56वें मिट में तुर्की के पास गोल करने का शानदार मौका आया, लेकिन अर्दा गुलेर के शॉट को ऑस्ट्रेलिया के गोलकीपर पैट्रिक बीच ने डाइव लगाते हुए गोल पोस्ट में जाने से बचा लिया।

मैच के 75वें मिनट में ऑस्ट्रेलिया की बढ़त को मेटकाफ ने दोगुना किया।

ट्रॉफी जीतकर घर लेकर आइए, पुरुष टीम ने दी भारतीय महिला टीम को टी20 विश्व कप के लिए शुभकामनाएं

नई दिल्ली । महिला टी20 विश्व कप 2026 में भारतीय टीम रविवार को अपने अभियान का आगाज पाकिस्तान के खिलाफ करेगी। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला बर्मिंघम के एजबेस्टन क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाना है। भारत की पुरुष टीम और हेड कोच गौतम गंभीर ने महिला टीम को विश्व कप में दमदार प्रदर्शन करने के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर शेयर किए गए वीडियो में रोहित शर्मा, शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर, ईशान किशन और गौतम गंभीर ने भारतीय महिला टीम से विश्व कप में शानदार प्रदर्शन की उम्मीद जताई।

रोहित ने कहा, 'भारतीय महिला टीम पिछले कुछ वर्षों से शानदार क्रिकेट खेल रही है। टी20 क्रिकेट में वे कई बार जीत के करीब पहुंची हैं। इस बार उम्मीद है कि वे खिताब अपने नाम करेंगी। पूरी टीम काफी मजबूत और संतुलित नजर आ रही है। इंग्लैंड की परिस्थितियों में खेलने का उन्हें अच्छा अनुभव मिलेगा। हम सभी उनकी सफलता के लिए दुआ कर रहे हैं और भारतीय टीम को ढेरों शुभकामनाएं देते हैं।'

हेड कोच गौतम गंभीर ने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा, 'मुझे पूरा भरोसा है कि आप 140 करोड़ भारतीयों का सिर गर्व से ऊंचा करेंगी।

हर किसी को दुनिया के सबसे बड़े मंच पर देश का प्रतिनिधित्व करने का मौका नहीं मिलता। इसलिए इस अवसर का पूरा आनंद लें। गलती करने से मत डरिए और जब भी किसी फैसले को लेकर मन में सवाल हो तो सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़िए। आप सभी को शुभकामनाएं, ट्रॉफी जीतकर घर लेकर आइए।'

भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल ने महिला टीम का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि टीम के पास एक बार फिर इतिहास रचने का शानदार मौका है। उन्होंने कहा, 'आप पहले भी खिताब जीत चुकी हैं और मुझे भरोसा है कि आप ऐसा फिर से करके दिखाएंगी। हमारी तरफ से आपको ढेरों शुभकामनाएं। वर्ल्ड कप के लिए ऑल द बेस्ट।' वहीं, भारतीय टी20 टीम के नए कप्तान श्रेयस अय्यर ने खिलाड़ियों को पूरे टूर्नामेंट में आक्रामक और आत्मविश्वास से भरा खेल खेलने की सलाह दी। उन्होंने कहा, 'भारतीय महिला क्रिकेट टीम को मेरी तरह से शुभकामनाएं। निडर होकर खेलो, पूरी ताकत के साथ मुकाबला करो और जीत के इरादे से मैदान पर उतरो।'

विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने खिलाड़ियों को कुछ भी अलग न करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि टीम वही प्रोसेस फॉलो करे, जिसके दम पर उन्हें पूरे साल सफलता मिली है।

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि इसे एक और गेम की तरह ही लें। मेरे हिसाब से आप सभी ने पूरे सीजन में बहुत अच्छा किया है। आप कमाल का क्रिकेट खेल रहे हैं। इसी वजह से इसे सिंपल रखें, पूरे साल आपने जो किया है उस पर भरोसा करें। मुझे लगता है कि अगर आप इसे सिंपल रखेंगे तो चीजें अपने आप ठीक हो जाएंगी। हम सभी को आप पर बहुत गर्व है और हमें उम्मीद है कि हम यह ट्रॉफी जीतने में सफल रहेंगी।

भारत बनाम अफगानिस्तान: शुभमन गिल ने रचा इतिहास, शिखर धवन का तोड़ा रिकॉर्ड

धर्मशाला । भारत ने शनिवार को पहले वनडे मुकाबले में अफगानिस्तान को बारिश से प्रभावित मुकाबले में 7 विकेट से हराया। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन क्रिकेट स्टेडियम में टीम इंडिया की इस जीत के नायक कप्तान शुभमन गिल रहे, जिन्होंने 66 गेंदों में 84 रनों की दमदार पारी खेली। गिल ने अपनी इस पारी के दौरान खास मुकाम हासिल कर लिया है।

शुभमन गिल भारत की ओर से वनडे क्रिकेट में सबसे तेज 3 हजार रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने यह उपलब्धि 61वीं पारी में हासिल की। गिल ने इस मामले में भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन को पीछे छोड़ा। धवन ने यह मुकाम 72वीं पारी में हासिल किया था। विश्व क्रिकेट में गिल से तेज 3 हजार वनडे रन पूरा करने के मामले में सिर्फ साउथ अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज हाशिम अमला आगे हैं। अमला ने 57वीं पारी में 3 हजार रन पूरे किए हैं।

अफगानिस्तान से मिले 195 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को रोहित शर्मा और शुभमन गिल ने सधी हुई शुरुआत दी।

हसरंगा-चमीरा का चला जादू, श्रीलंका ने दूसरे टी20 में वेस्टइंडीज को 37 रनों से हराया

जमैका । श्रीलंका ने रविवार को दूसरे टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए वेस्टइंडीज को 37 रनों से हरा दिया। किंग्स्टन (जमैका) के सबीना पार्क स्टेडियम में श्रीलंका से मिले 195 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पूरी कैरेबियाई टीम सिर्फ 157 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। इस जीत के साथ ही श्रीलंका ने तीन मैचों की सीरीज को 1-1 से बराबर कर दिया है।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही। ब्रैंडन किंग महज 2 रन बनाकर आउट हुए, तो कप्तान शाई होप (6 रन) भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके। इसके बाद तीसरे विकेट के लिए शिमरोन हेटमायर और रोवमैन पॉवेल ने मिलकर 46 गेंदों में 81 रनों की अहम साझेदारी निभाई। हेटमायर ने 26 गेंदों का सामना करते हुए 36 रनों की पारी खेली। वहीं, पॉवेल 26 गेंदों में 5 चौके और 2 छक्कों की मदद से 43 रन बनाकर महेश तीक्षणा का शिकार बने।

शेरफेन रदरफोर्ड सिर्फ 14 रन ही बना सके, जबकि रोस्टन चेज ने 17 रनों का योगदान दिया। मैथ्यू फोर्डे 8 रन बनाकर पवेलियन लौटे, तो अकील हुसैन ने 6 गेंदों में 14 रन बनाए। शेमार जोसेफ 11 रन बनाकर नाबाद रहे। गेंदबाजी में श्रीलंका की ओर से दुष्मंत चमीरा ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सिर्फ 9 रन देकर 3 विकेट निकाले। वहीं, वानिंदु हसरंगा ने भी 3 विकेट चटकाए। दुनिथ वेल्लालागे ने 2 विकेट निकाले, तो तीक्षणा ने एक विकेट झटका।

इससे पहले, श्रीलंका ने 20 ओवर में 6 विकेट गंवाकर 194 रन स्कोरबोर्ड पर लगाए। टीम की ओर से कामिल मिशारा ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 40 गेंदों में 4 चौके और 3 छक्कों की मदद से नाबाद 61 रन बनाए। वहीं, दासुन शनाका ने ताबड़तोड़ अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 24 गेंदों में 58 रन बनाए।

'आपको अपने सपने के लिए मेहनत करनी है', साइकिलिस्ट आशा मालवीय ने दिया महिलाओं को खास संदेश

बिश्वनाथ । भारत की साइकिलिस्ट और पर्वतारोही आशा मालवीय ने देश की महिलाओं को खास संदेश दिया है। उनका कहना है कि महिलाओं को अपने सपने पूरे करने के लिए घर से बाहर निकलने की जरूरत है। 78वें आर्मी डे के अवसर पर जयपुर से साइकलिंग पर निकलीं आशा शनिवार को असम के बिश्वनाथ पहुंचीं।

आशा ने 'आईएएनएस' के साथ बात करते हुए बताया, 'मैं 11 जनवरी से 78वें आर्मी डे के अवसर पर जयपुर से निकली हूं। जयपुर से साइकलिंग करते हुए मैं असम के बिश्वनाथ चार्ली पहुंची हूं। मुझे लगभग 4 महीने से ज्यादा का समय हो गया है। मैं 7700 से ज्यादा किलोमीटर की यात्राएं पूरी कर चुकी हूं। इससे पहले मैं संपूर्ण भारत में 26,000 किलोमीटर साइकलिंग महिला सुरक्षा और महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से पूरी कर चुकी हूं। उसके बाद मैंने कन्याकुमारी से सियाचिन, सियाचिन से उमलिंगला, उमलिंगला से दिल्ली, और दिल्ली से भोपाल तक की साइकिल यात्राएं की हैं।'

आशा ने आगे कहा, 'यह मेरी सातवीं यात्रा है और मेरी यात्रा का उद्देश्य है नारी शक्ति, देशभक्ति, अदम्य साहस, और इस यात्रा के माध्यम से मैं पूरे भारत देश के युवाओं को यह संदेश देना चाहती हूं कि आज भारत देश का युवा जो सोच सकता है वो कर सकता है; सिर्फ जरूरत है तो एक सोच की, एक विचार की।'

आशा ने महिलाओं को अपने सपने पूरे करने के लिए घर से निकलने का खास संदेश दिया। उन्होंने कहा, 'भारत देश की महिलाओं में मैंने बहुत सारी महिलाएं ऐसी देखी हैं, जो आज भी घर से बाहर नहीं निकलना चाहतीं। हालांकि, मैं सभी महिलाओं से यह कहना चाहूंगी कि आप घर से बाहर निकलिए।

मैं अगर अकेले पूरे भारत घूम सकती हूं, तो आपको सिर्फ अपने सपनों के लिए मेहनत करनी है। जो महिलाएं घर से बाहर निकल जाती हैं, उनके सपने कभी अधूरे नहीं रहते हैं।'

आशा ने बताया कि भारतीय सेना ने उनका हमेशा काफी सहयोग किया है और इस यात्रा में भी उन्हें पूरा सपोर्ट मिल रहा है।

ब्राजील के खिलाफ ड्रॉ खेलने के बाद मोरक्को के कोच ओआहबी बोले, 'हम यहीं नहीं रुकेंगे'

न्यू जर्सी। मोरक्को के कोच मोहम्मद ओआहबी ने ब्राजील के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ के बाद अपनी टीम के प्रदर्शन की तारीफ की। उन्होंने कहा कि उनकी टीम ने वर्ल्ड कप में अपने इरादे साफ कर दिए हैं और अभी वह इससे भी बेहतर खेल सकती है।

ग्रुप सी के इस मुकाबले में मोरक्को ने शानदार शुरुआत की और इस्माइल साइबारी के शुरुआती गोल की मदद से मैच में बढ़त बनाई। टीम ने पूरे मैच में पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील को कड़ी टक्कर दी और कई मौकों पर उसे परेशानी में डाला। हालांकि, ब्राजील स्कोर को 1-1 से बराबर करने में सफल रही, लेकिन मोरक्को ने मैच खत्म होने तक मजबूती से खेल दिखाया और एक अहम अंक हासिल किया।

'सिन्हुआ' के अनुसार, ओआहबी ने न्यू जर्सी में मैच के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'हम यहीं नहीं रुकेंगे। मैं आपसे वादा कर सकता हूं कि यह अंत नहीं है। प्रतियोगिता लंबी है और आपको हमें देखकर बहुत मजा आएगा।' ओआहबी ने कहा कि उनकी टीम चार साल पहले कतर में अपने प्रदर्शन से बेहतर करना चाहती है। 2022 विश्व कप में मोरक्को ने सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था। उन्होंने कहा, 'मैं सेमीफाइनल से आगे जाना चाहता हूं, लेकिन यह एक अच्छा मैच था। हमें एक प्वाइंट मिला। हमें और प्वाइंट की उम्मीद थी, लेकिन एक प्वाइंट बुरा नहीं है, और हम बेहतर करने की उम्मीद करते हैं।'

उन्होंने आगे कहा, 'हमारे फैंस के लिए मैसेज यह है कि मुझे पता है कि उन्हें हम पर बहुत गर्व है। इस मुकाबले में हमने दिखाया कि हम महत्वाकांक्षी हैं। हमने ड्रॉ किया, लेकिन हमने दिखाया कि हम जीतना चाहते थे। हमने दिखाया कि हमारी व्यक्तित्व मजबूत है और हम ऐसा करना जारी रखेंगे।' मोरक्को के कोच मोहम्मद ओआहबी ने 18 वर्षीय मिडफील्डर अय्यूब बौआदी की भी जमकर तारीफ की। बौआदी को पिछले महीने ही फीफा से मोरक्को की नेशनल टीम के लिए खेलने की मंजूरी मिली थी। फ्रांस में जन्मे बौआदी पहले फ्रांस की युवा टीमों के लिए खेल चुके हैं, लेकिन अब उन्होंने मोरक्को का प्रतिनिधित्व करने का फैसला किया है।

महिला टी20 विश्व कप: कैम्पबेल की दमदार पारी, रोमांचक मैच में वेस्टइंडीज ने डिफेंडिंग चैंपियन न्यूजीलैंड को हराया

साउथेम्प्टन । इंग्लैंड में वेस्टइंडीज ने महिला टी20 विश्व कप 2026 का आगाज यादगार जीत के साथ किया है। साउथेम्प्टन के रोज बाउल मैदान पर खेले गए मुकाबले में कैरेबियाई टीम ने डिफेंडिंग चैंपियन न्यूजीलैंड को 7 विकेट से हराया। वेस्टइंडीज ने 163 रनों के लक्ष्य को 19.5 ओवर में 3 विकेट खोकर हासिल किया। टीम की इस जीत की नायक शेमेन कैम्पबेल रहीं, जिन्होंने दमदार पारी खेली।

न्यूजीलैंड से मिले 163 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कियाना जोसेफ महज 2 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। इसके बाद हेली मैथ्यूज और कैम्पबेल ने मोर्चा संभाला और दूसरे विकेट के लिए 61 गेंदों में 74 रनों की अहम साझेदारी निभाई। मैथ्यूज 37 गेंदों में 6 चौके और एक छक्के की मदद से 48 रन बनाकर आउट हुईं, हालांकि कैम्पबेल ने दूसरे छोर से अपनी शानदार बल्लेबाजी जारी रखी।

कैम्पबेल ने 62 गेंदों का सामना करते हुए 90 रनों की नाबाद पारी खेली और वह टीम को जीत दिलाकर लौटीं। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 145 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 7 चौके और 3 गगनचुंबी छक्के लगाए। डिएंड्रा डॉटिन बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकीं और सिर्फ 6 रन बनाकर आउट हुईं, जबकि जाहजारा क्लैक्सटन 5 रन बनाकर नाबाद रहीं। गेंदबाजी में न्यूजीलैंड की ओर से जेस केर ने सर्वाधिक 2 विकेट चटकाए।

इससे पहले, न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 162 रन लगाए। टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और जॉर्जिया प्लिमर महज 8 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। इसके बाद कप्तान अमेलिया केर सिर्फ 5 रन ही बना सकीं। सोफी डिवाइन ने आगाज तो दमदार किया, लेकिन वह 15 गेंदों में 22 रन बनाकर आउट हुईं। इसाबेला गेज ने 29 गेंदों में 8 चौकों की मदद से 39 रन बनाए।

ब्रुक हॉलिडे ने मुश्किल हालातों में बढ़िया बल्लेबाजी करते हुए 32 गेंदों में 40 रन बनाए, जबकि मेडी ग्रीन 22 गेंदों में 4 चौके और एक छक्के की मदद से 35 रन बनाकर नाबाद रहीं। गेंदबाजी में वेस्टइंडीज की तरफ से आलिया एलेने ने 4 ओवर में 27 रन देकर सर्वाधिक 4 विकेट अपने नाम किए। वहीं, मैथ्यूज और डॉटिन ने एक-एक विकेट चटकाया।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415